THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 328 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.5 2079 शनिवार, 11 फरवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

यूपी चैंपियन बनकर उभरा : पीएम

** लोग कहते थे यहां विकास होना नामुमकिन * खुद को यूपी ने डंके की चोट पर साबित किया*

लखनऊ, 10 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ में शुक्रवार को पीएम मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023 का इनॉगरेशन किया। इस दौरान उन्होंने यूपी में हुए बदलाव का जिक्र किया। कहा, एक समय यूपी बीमारू राज्य कहलाता था। हर कोई यूपी से अपनी उम्मीदें छोड़ चुका था, लेकिन 5-6 साल में प्रदेश ने अपनी नई पहचान बनाई।

डंके की चोट पर खुद को बेहतर साबित किया। वहीं, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि छद्म समाजवाद ने भारत के औद्योगीकरण को नुकसान पहुंचाया। सीएम योगी ने बताया कि इन्वेस्टर्स समिट में अब तक 32 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। इससे 92 लाख से ज्यादा लोगों के लिए रोजगार के अवसर बनेंगे। 10 से 12 फरवरी यानी 3 दिन तक चलने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजन किया जा रहा है। यूपी सरकार का दावा है कि यह देश की सबसे बड़ी समिट है। इसमें 16 देश की 340 कंपनियां शामिल हुई हैं।

कानून व्यवस्था अब यूपी की पहचान :

पीएम ने यूपी की कानून व्यवस्था की तारीफ की। कहा, लोग कहते थे यूपी का विकास होना नामुमकिन है। यहां कानून व्यवस्था सुधारना नामुमकिन है। आए दिन घोटाले होते थे।

लेकिन, पांच-छह सालों में यूपी ने खुद को बेहतर साबित किया। अब यूपी की पहचान बेहतर कानून व्यवस्था से होती है। यूपी गुड गवर्नेंस के लिए पहचाना जा रहा है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर: यूपी इकलौता राज्य, जहां 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट :

पीएम ने आगे कहा, यूपी देश के उस इकलौते राज्य के रूप में जाना जाएगा। जहां 5 अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे होंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ यूपी के अप्रोच में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर बदलाव हुए हैं। यूपी एक आशा...एक उम्मीद बन चुका है। बिजली से लेकर कनेक्टिविटी तक हर क्षेत्र में सुधार आया है। बहुत जल्द समुद्री पोर्ट से जुड़ रहा है। भारत अगर ग्रोथ इंजन, तो यूपी उसे ड्राइव कर रहा है। देश के 2 डिफेंस कॉरिडोर में एक यूपी में बन रहा है।

ब्रांड यूपी का जिक्र... भदोही की कालीन और बनारस की सिल्क

पीएम ने भदोही की कालीन और बनारस की सिल्क का जिक्र किया है। कहा, यूपी में क्षमताएं हैं। यहां की आबादी करीब 25 करोड़ है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों से भी ज्यादा सामर्थ्य अकेले उत्तर प्रदेश में है। यूपी भारत का टैक्स्टाइल हब है। नई वैल्यू और सप्लाई चेन विकसित करने के लिए यूपी एक नया चैंपियन बनकर उभर रहा है।

यूपी में एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट

पीएम मोदी ने कहा, यूपी में एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट पर अच्छा काम हुआ है। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी हेल्थ यूनिवर्सिटी, राजा महेंद्र प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी, मेजर ध्यान चंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जैसे अनेक संस्थान अलग-अलग स्किल्स के लिए युवाओं को तैयार कर रहे हैं। स्किल डेवलपमेंट के तहत अभी तक यूपी के 16 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। पीजीआई लखनऊ, आईआईटी कानपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कोर्स शुरू हुए हैं। नैक मूल्यांकन में प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों ने हिंदुस्तान को अपना लोहा मनवा दिया। आने वाले कुछ सालों में 100 इनक्यूबेटर और 33 स्टेट ऑफ द आर्ट सेंटर को स्थापित करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है।

उद्योग : कुल मोबाइल उत्पादन से 60 प्रतिशत से अधिक यूपी में :

पीएम ने कहा, आज भारत के कुल मोबाइल उत्पादन का 60 प्रतिशत से अधिक यूपी में होता है। यहां फिशरी, डेयरी और फूड प्रोसेसिंग को लेकर भी संभावनाएं हैं। डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। यूपी में डेयरी, एग्रीकल्चर, फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में बहुत संभावनाएं है। इन क्षेत्रों में प्राइवेट सेक्टर की हिस्सेदारी बहुत सीमित है। फूड प्रोसेसिंग में हम एक योजना लाए हैं, जिसका आपको लाभ उठाना चाहिए।

मोटा अनाज यानी श्रीअन्न

पीएम मोदी ने कहा, आज हमारा फोकस छोटे किसानों को ज्यादा साधन देने और उनकी इनपुट कॉस्ट घटाने पर है। इसलिए हम जैविक खेती को प्रोत्साहन दे रहे हैं। एक नया अभियान मिलेट्स को लेकर भी शुरू किया गया है। विश्व बाजार में मोटे अनाज की पहचान बने, इसके लिए हमने इसको 'श्री अन्न' का नाम दिया है। यह एक सुपर फूड है। एक तरफ जहां हम किसानों को मोटे अनाज के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इसके लिए ग्लोबल मार्केट भी तैयार कर रहे हैं।

बीबीसी बैन करने की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला सेंसरशिप नहीं लगा सकते, हमारा वक्त बर्बाद न करें

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री के साथ-साथ देश में बीबीसी पर पूरी तरह बैन लगाने वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका हिंदू सेना प्रमुख विष्णु गुप्ता ने लगाई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एमएम सुंदरेश की बेंच ने कहा कि यह मांग पूरी तरह से गलत है।

याचिका में कहा गया कि 'इंडिया द मोदी क्वेश्चन' डॉक्यूमेंट्री का बैकग्राउंड देखा जाना चाहिए कि यह कब बनी। आज आपके पास मौका है जब एक भारतवंशी ब्रिटेन का प्रधानमंत्री है और भारत एक आर्थिक शक्ति बनकर उभर रहा है। विष्णु गुप्ता के अलावा एक किसान बीरेंद्र कुमार सिंह ने भी डॉक्यूमेंट्री पर बैन लगाने की मांग की थी, जिनकी तरफ से एडवोकेट बरुण कुमार सिन्हा और पिंकी आनंद ने दलील दी।

याचिकाकर्ताओं की मांग थी, एनआईए करे बीबीसी की जांच

केंद्र सरकार ने बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री इंडिया द मोदी क्वेश्चन के प्रसारण पर बैन लगा दिया था। बावजूद इसके बीबीसी ने इसे हटाया नहीं है।

याचिकाकर्ताओं ने चैनल पर भारत विरोधी रिपोर्टिंग का आरोप लगाया। हिंदू सेना का कहना था कि 2002 के गुजरात दंगों पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी से बीबीसी की जांच की जांच कराई जाए। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर ब्रिटिश संसद में भी चर्चा हुई थी। पाकिस्तानी मूल के सांसद इमरान हुसैन ने कहा, गुजरात दंगों के लिए सीधे तौर पर नरेंद्र मोदी जिम्मेदार थे। अब भी दंगा पीड़ितों को इंसाफ नहीं मिला। उन्होंने ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक से सवाल किया, दंगे में मोदी की भूमिका पर आपका क्या कहना है?

इस पर सुनक ने कहा, बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री में जिस तरह से पीएम मोदी को दिखाया गया है, मैं उससे कतई सहमत नहीं हूं। ब्रिटेन सरकार की स्थिति स्पष्ट है। हम दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाली हिंसा को बर्दाश्त नहीं करते, लेकिन डॉक्यूमेंट्री में पीएम मोदी की जो इमेज पेश की गई है, मैं उससे बिल्कुल भी सहमत नहीं हूं।

इंडिगो ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर यात्रियों के 37 बैग छोड़े सभी सुरक्षित रूप से पहुंचाए जाएंगे

हैदराबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। इंडिगो के एक विमान से कुछ यात्रियों के बैग एयरपोर्ट पर छूट गए। मामला हैदराबाद से विशाखापट्टनम जा रही फ्लाइट का है। बताया गया कि जब विमान ने हैदराबाद से विशाखापट्टनम के लिए उड़ान भरी तो करीब 37 यात्रियों के बैग हैदराबाद एयरपोर्ट पर रह गए। कंपनी ने इसके लिए खेद जताया है और भरोसा दिलाया है कि यात्रियों के बैग उन तक पहुंचाए जाएंगे।

क्या है मामला?

एयरलाइन ने बताया कि उससे अनजाने में हैदराबाद से विशाखापट्टनम के लिए उड़ान भरने वाले यात्रियों के 37 बैग पीछे छूट गए। एक बयान में एयरलाइन ने कहा कि वह यह सुनिश्चित कर रही है कि सभी बैग विशाखापट्टनम में ग्राहकों के पते पर सुरक्षित रूप से पहुंचाए जाएं और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद है। बयान में कहा गया कि हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि हैदराबाद से विशाखापट्टनम जाने वाली उड़ान संख्या 6ई 409 में अनजाने में 37 बैग छूट गए थे।

पहले भी हो चुकी लापरवाही की घटना :

इससे पहले दिल्ली से पटना जाने वाले एक यात्री को इंडिगो एयरलाइन्स के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण बड़ी मुसीबतों का सामना करना पड़ा था। यात्री जिनका नाम अफसर हुसैन बताया जा रहा है, उन्हें नई दिल्ली से इंडिगो की फ्लाइट से पटना जाना था, बजाय इसके उन्हें उदयपुर जाने वाली इंडिगो की दूसरी फ्लाइट में बोर्ड करा दिया गया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए थे। घटना 30 जनवरी की बताई जा रही थी।

असुविधा के लिए जताया था खेद :

एयरलाइन ने इस मामले में 3 फरवरी को एक बयान जारी किया था। बयान में कंपनी ने कहा था कि हम 6ई319 दिल्ली-उदयपुर उड़ान में एक यात्री के साथ हुई घटना से अवगत हैं। हम इस मामले में अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

चीन समेत छह देशों से भारत आने वालों यात्रियों के लिए नियमों में छूट

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार ने कोरोना की वजह से छह देशों के लिए अनिवार्य किए गए नियमों में राहत दे दी है। अब इन देशों से आने वाले यात्रियों को कोरोना की जांच रिपोर्ट और 'एयर सुविधा' फॉर्म को अपलोड करने के नियम से राहत दे दी है। जिन छह देशों से आने वाले या इन देशों से होकर आने वाले यात्रियों को सहूलियत दी गई है, उनमें चीन, सिंगापुर, हांगकांग, कोरिया, थाईलैंड और जापान शामिल हैं।

हालांकि, दो प्रतिशत यात्रियों की होने की वाली रैंडम टेस्टिंग जारी रहेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने केंद्रीय उड्डयन मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए संशोधित गाइडलाइन के बारे में अवगत कराया है।

बताया गया है कि भारत ने थाईलैंड, सिंगापुर, जापान, हांगकांग, दक्षिण कोरिया और चीन से आने वाले यात्रियों को गिरते कोरोना मामलों को देखते हुए सरकार ने यात्रियों के लिए एयर सुविधा फॉर्म भरने और कोविड रिपोर्ट अपलोड करने की अनिवार्यता को खत्म कर दिया है। यह छूट सोमवार यानी 13 फरवरी से लागू होगी।

बता दें, थाईलैंड, सिंगापुर, जापान, हांगकांग, दक्षिण कोरिया और चीन में बीते दिनों कोरोना के मामले बढ़ने के बाद सरकार ने एयर सुविधा फॉर्म को अनिवार्य कर दिया था। इस मामले में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि पिछले चार सप्ताह में देखा गया है कि इन देशों में कोरोना के मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। ऐसे में मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए जारी दिशा-निर्देशों को अपडेट कर रहा है।

भारत-इजराइल के बीच व्यापार बढ़कर करीब 7.5 अरब डॉलर : राजदूत

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने कहा कि भारत और इजराइल के बीच व्यापार कोविड महामारी आने से पहले के पांच अरब डॉलर से बढ़कर अब करीब 7.5 अरब डॉलर हो गया है। उन्होंने इसे दोनों देशों के लिए काफी उत्साहजनक बताया। भारत में इजराइल के राजदूत ने कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) तब आगे बढ़ा जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2021 में इजराइल की यात्रा की। इस समझौते के लिए बातचीत एक दशक से ज्यादा वक्त से चल रही है। गिलोन ने कहा, हालांकि मेरा मानना है कि एफटीए के बिना भी व्यापार शानदार है।

सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों की स्ट्रेंथ पूरी

राजेश बिंदल और अरविंद कुमार बने सुप्रीम कोर्ट जज, एक हफ्ते में 7 जजों की नियुक्ति

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के लिए दो नए जजों के नामों की घोषणा की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों की स्ट्रेंथ पूरी हो गई है। जिन जजों के नाम चुने गए हैं उनमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस राजेश बिंदल और गुजरात हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरविंद कुमार का नाम शामिल है।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट में 34 जजों की पूरी क्षमता सितंबर 2019 से नवंबर 2019 के दौरान थी। इसके बाद से फरवरी 2023 तक जजों की पोस्ट वेकेंट रहीं।

कानून मंत्री ने दी जानकारी :

नए जजों के नाम की घोषणा केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने

ट्वीट करते हुए दी। उन्होंने लिखा, भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति ने हाईकोर्ट्स के जजों राजेश बिंदल और अरविंद कुमार को सुप्रीम कोर्ट के रूप में नियुक्त किया है। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं।

5 फरवरी को 5 जजों की नियुक्ति को मंजूरी मिली :

इसके पहले सरकार ने कॉलेजियम की सिफारिश के आधार पर 5 फरवरी को ही 5 जजों के नाम पर मुहर लगाई थी। इसके बाद पांचों जजों ने 6 फरवरी को शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद सरकार ने 24 घंटे के अंदर ये नाम फाइनल कर दिए थे। बाकी बचे दो जजों के नाम पर 10 फरवरी को मंजूरी दी गई।

कॉलेजियम ने जजों के नाम की सिफारिश की थी :

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 13 दिसंबर को सरकार से 5 नामों की सिफारिश की थी। इनमें जस्टिस पंकज मिथल चीफ जस्टिस राजस्थान हाईकोर्ट, जस्टिस संजय करोल चीफ जस्टिस पटना हाईकोर्ट, जस्टिस पी वी संजय कुमार चीफ जस्टिस मणिपुर हाईकोर्ट, पटना हाईकोर्ट के जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम शामिल था। सुप्रीम कोर्ट में जजों की सैंक्शन स्ट्रेंथ सीजेआई समेत 34 है।

पीएम ने दो वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

मुंबई-शिरडी, मुंबई-सोलापुर के बीच चलेंगी अब देश में ऐसी 10 ट्रेन ऑपरेशनल

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से दो नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये ट्रेनें मुंबई से साईंनगर शिरडी और मुंबई-सोलापुर के लिए चलाई जाएंगी। इसके बाद महाराष्ट्र में वंदे भारत ट्रेनों की संख्या चार हो जाएगी, जबकि देश में अब कुल 10 रूट पर यह ट्रेन चल रही है।

इस मौके पर मोदी ने कहा कि आज देश में आधुनिक ट्रेनें चलाई जा रही हैं। मैट्रो का विस्तार हो रहा है। मेट्रो और पोर्ट बनाए जा रहे हैं। देश के बजट में भी इसी भावना को सशक्त किया गया है। भारत के इतिहास में पहली बार दस लाख करोड़ रुपये सिर्फ इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए रखे गए। इसमें भी रेलवे का हिस्सा ढाई लाख करोड़ रुपये है। मुंबई से शिरडी और मुंबई से सोलापुर के बीच चलाई गईं वंदे भारत ट्रेनों के साथ ही अब इस कैटेगरी की कुल 10 ट्रेनें हो गई हैं। इससे पहले मुंबई-गांधीनगर, नई दिल्ली-वाराणसी, नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, गांधीनगर-मुंबई, नई दिल्ली-अंब अंदौरा, चेन्नई-मैसूर, नागपुर-बिलासपुर, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी, सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाई गई हैं।वंदे भारत एक्सप्रेस एक सेमी-हाई स्पीड ट्रेन है और यह अपने पुराने रूप से भी बेहतर है। नई वंदे भारत ट्रेनों में यात्रा को सुरक्षित और अधिक आरामदायक बनाने के लिए कई बदलाव किए गए हैं। इसमें रिक्लाइनिंग सीट लगाई गई है। इसमें ऑटोमेटिक फायर सेंसर की व्यवस्था की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। इसमें वाईफाई सुविधा के साथ ऑन-डिमांड कंटेंट की व्यवस्था है। इस अपग्रेडेड ट्रेन में तीन घंटे का बैटरी बैकअप है। पहले यह बैकअप एक घंटे का था। मोदी दाऊदी बोहरा समुदाय के कार्यक्रम में भी पहुंचे। उन्होंने अल जामिया-तुस-सैफियाह अरेबिक एकेडमी का उद्घाटन किया और कहा कि मैं यहां पीएम या सीएम के तौर पर नहीं आया हूं। मैं इस परिवार के साथ चार पीढ़ियों से जुड़ा हूं।

राज्यसभा में जगदीप धनखड़ के वेल में घुसे सांसद

सभापति के रोकने पर भी नहीं माने, कार्यवाही से नाराज विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र का आज 9वां दिन है। गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके भाषण के 6 हिस्से हटाने पर सवाल उठाए। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से कहा, हम आपका आदर करते हैं। हमारी नाराजगी आपसे नहीं, सरकार से है, लेकिन आपने मेरे भाषण के 6 पॉइंट्स को हटा दिया जो असंसदीय नहीं थे।

इसके बाद सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ। नारेबाजी करते हुए विपक्ष के सांसद वेल में आ गए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सभी से अपनी सीट पर वापस जाने की अपील की। विपक्षी सांसदों ने उपराष्ट्रपति की बात नहीं मानी तो सभापति धनखड़ ने रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, तुलसी, केसी वेणुगोपाल समेत कई सांसदों को नेम कर दिया। सभापति की आपत्ति के बाद कांग्रेस और विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा से वॉक आउट किया।

इधर, लोकसभा में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मंडाविया और डीएमके सांसदों के बीच बहस हुई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, मैं ऐसे मेडिकल कॉलेज नहीं चलाऊंगा जहां बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है। एम्स मदुरै की स्थापना पर काम चल रहा है।

स्वास्थ्य को राजनीति का मुद्दा न बनाएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, पीएम ने भाषण में खुद की तारीफ की। उन्होंने हमारे सवालों का जवाब नहीं दिया। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, अडाणी, रुपए के गिरती कीमत और अन्य मुद्दों पर बात नहीं की। उन्होंने कहा कि केवल वे ही इस देश को बचा सकते हैं, यह अहंकार है।

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने संसद के बाहर कहा, मुझे ऐसा लगता है कि यह नई संसद है, मीडिया को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। विपक्ष बोल नहीं सकता। मुझे लग रहा है कि संसद भी काम करना बंद कर देगी। संविधान के अनुच्छेद 105 के अनुसार, हम संसद में अपने विचार बिना फिल्टर किए रख सकते हैं। यह दुख की बात है कि राहुल गांधी के विचारों को गलत तरीके से फ्रेम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मन में किसी से बदले की भावना नहीं है।

हमारें मन में बदले की भावना नहीं है। राहुल ने भाषण में जो कहा वह उनके विचार नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपनी टिप्पणी अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग रिसर्च पेपर की ओर से लगाए गए आरोपों और दावों के आधार पर की है।

राज्यसभा के भाषण से कुछ अंश हटाए जाने पर भड़के खड़गे, अदाणी मामले को लेकर सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन कार्यवाही के दौरान उनके भाषण से हटाए कुछ अंशों को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब और अदाणी मामले को लेकर चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मैंने कहा था आपके चुप्पी साधने और मौनी बाबा बनने के चलते ये स्थिति आई है, इसका इस्तेमाल पहले भी किया जा चुका है, लेकिन इसे भी रिकॉर्ड से निकाल दिया। मोदी जी के एक नजदीकी दोस्त को लेकर जब हमने पूछा कि उनकी संपत्ति कैसे बढ़ी तो इसपर भी उन्हें आपत्ति थी। हर बात पर वे कह रहे थे इसे प्रमाणित कीजिए। फिर जब कलंकित लोगों को मुआवजा देने पर पूछा तो इसे भी उन्होंने निकाल दिया।

ब्रिटेन में इस्लामी चरमपंथ बड़ा खतरा

कश्मीर पर यूके के मुस्लिमों को भड़का रहा पाक खालिस्तानी समर्थक भारत के खिलाफ बोल रहे

लंदन, 10 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में इस्लामी चरमपंथ देश के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। साथ ही कश्मीर के मुद्दे पर ब्रिटेन के मुस्लिमों की कट्टर सोच और खालिस्तानी समर्थकों भी चिंता का विषय बन रहे हैं। इस बात का खुलासा आतंकवाद को रोकने के लिए बनी एक योजना की रिव्यू रिपोर्ट में किया गया है। अब इस योजना में सुधार की सिफारिश की गई है।

ब्रिटिश सरकार की आतंकवाद विरोधी योजना का नाम 'प्रिवेंट स्ट्रैटजी' है। इसके रिव्यू में चेतावनी दी गई है कि कश्मीर पर पाकिस्तान की बयानबाजी ब्रिटेन के मुस्लिम समुदाय पर गलत असर डाल रही है। ये उनमें भारत विरोधी भावना को भड़काने का काम कर रही है। इतना ही नहीं इसमें कहा गया कि खालिस्तान समर्थक ग्रुप भी भारत विरोधी झूठ फैला रहे हैं।

रिव्यू करने वाले पब्लिक अपॉइंटमेंट्स के कमिश्नर विलियम शॉक्रॉस ने कहा, ब्रिटेन में पकड़े गए कुछ आतंकवादी ऐसे भी हैं जिन्होंने पहले कश्मीर में हिंसा फैलाई थी और फिर बाद में अल-कायदा में शामिल हो गए। साथ ही पाकिस्तानी मौलवी भी कश्मीर को लेकर यूके के मुस्लिमों के मन में हिंसा की भावना को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ब्रिटेन में सक्रिय खालिस्तान समर्थक ग्रुप भी भारत विरोधी झूठ फैला रहे हैं। वो अफवाह फैला रहे हैं कि ब्रिटिश सरकार भारत के साथ मिलकर सिखों के खिलाफ काम कर रही है। रिव्यू में पाया गया है कि इस्लामी चरमपंथ से ब्रिटेन में आतंकवाद फैलने का सबसे ज्यादा खतरा है। पिछले कुछ समय में देश में जो भी आतंकवादी गतिविधियां हुई हैं या इंटेलिजेंस यूनिट ने जिन साजिशों को नाकाम किया, वो ज्यादातर इस्लामी चरपमंथों ने ही अंजाम दी थीं।

रिव्यू रिपोर्ट की सिफारिशें जल्द होंगी लागू :

यूके की गृह सचिव सुएला ब्रेवरमैन ने हाउस ऑफ कॉमन्स (संसद के लोअर हाउस) को बताया कि रिव्यू रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों को लागू करने को लेकर काम किया जा रहा है, जिससे देश में आतंकवाद से जुड़े खतरे को कम किया जा सके। भारतीय मूल के एक मंत्री ने सांसदों से कहा कि हमें उन खतरों को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है जिनका हम सामना कर रहे हैं।

ईंधन पर उपकर का विरोध

केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने यूडीएफ और बीजेपी पर साधा निशाना

तिरुवनंतपुरम, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने ईंधन और शराब की बिक्री पर उपकर लगाने संबंधी बजट प्रस्तावों को वापस लेने से वाम सरकार के इनकार के खिलाफ प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस नीत विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर निशाना साधा. केरल के बजट में ईंधन एवं शराब पर घोषित किये गये कर प्रस्तावों एवं सामाजिक सुरक्षा उपकर को वापस लेने से वाममोर्चा सरकार के इनकार करने के विरोध में यहां यूडीएफ के विधायकों ने सत्र में हिस्सा लेने के लिए विधानसभा तक पैदल मार्च किया. यूडीएफ विधायकों के हाथों में तख्तियां थीं और उन्होंने महंगाई से त्रस्त जनता को कोई राहत नहीं देने को लेकर पिनराई विजयन सरकार के विरूद्ध नारेबाजी की. इस बीच मुख्यमंत्री विजयन ने एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि यूडीएफ केरल के प्रति केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के प्रतिशोधी रवैये पर चुप है. बजट में नए कर प्रस्तावों और सामाजिक सुरक्षा उपकर को सही ठहराते हुए उन्होंने कहा कि सरकार को राज्य के लोगों के समग्र कल्याण के लिए ऐसा कदम उठाना पड़ा. मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम इस तरह के उपायों को अपनाने के लिए मजबूर हैं क्योंकि हम इसके बिना आगे नहीं बढ़ सकते. बजट के प्रस्ताव आम लोगों के लिए कोई समस्या पैदा करने के लिए नहीं हैं,

इसरो के नाम एक और कामयाबी

सबसे छोटा रॉकेट एसएसएलवी-डी2 अंतरिक्ष में भेजकर कर दिया कमाल

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने सबसे छोटे रॉकेट एसएसएलवी-डी2 को श्रीहरिकोटा सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च कर दिया है. ये लॉन्च शुक्रवार सुबह (9 फरवरी) 9.18 बजे हुआ. इसरो चीफ एस सोमनाथ ने लॉन्च के बाद सैटेलाइट को बनाने के साथ-साथ उन्हें सही कक्षा में स्थापित करने के लिए सभी 3 सैटेलाइट दलों को बधाई दी. इसरो चीफ ने कहा, 'हमने एसएसएलवी-डी1 में आने वाली समस्याओं का विश्लेषण किया और फिर जरूरी सुधार किए. इस बार लॉन्च व्हीकल को सफल बनाने के लिए उन्हें बहुत तेज गति से लागू किया गया.' इससे पहले, इसरो ने बताया था कि नया रॉकेट अपनी 15 मिनट की उड़ान के दौरान तीन सैटेलाइट

- इसरो के ईओएस-07, अमेरिका स्थित फर्म नतारिस 'जानूस -1 और चेन्नई स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्पेसकिड्ज आजादीसैट-2 को 450 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में स्थापित करने का प्रयास करेगा. इसरो के अनुसार, एसएसएलवी 'लॉन्च-ऑन-डिमांड' के आधार पर पृथ्वी की निचली कक्षाओं में 500 किलोग्राम तक के सैटेलाइट्स के प्रक्षेपण को पूरा करता है. एसएसएलवी एक 34 मीटर लंबा, 2 मीटर डायामीटर वाला व्हीकल है, जिसका वजन 120 टन है. रॉकेट को एक वेग टर्मिनल मॉड्यूल के साथ कॉन्फिगर किया गया है.

इन तीन सैटेलाइट छोड़ेगा रॉकेट

ईओएस-07 एक 156.3 किलोग्राम की सैटेलाइट है जिसे इसरो ने ही डिजाइन और विकसित किया है. नए प्रयोगों में एमएम-वेव ह्यूमिडिटी साउंडर और स्पेक्ट्रम मॉनिटरिंग पेलोड शामिल हैं. जबकि, जानूस -1, 10.2 किलोग्राम की अमेरिकन सैटेलाइट है. वहीं, आज़ादीसैट-2 8.7 किलो की सैटेलाइट है, जिसे स्पेस किड्स इंडिया के 750 छात्रों ने भारत सरकार की मदद से तैयार किया है.

पहली टेस्ट फ्लाइट हो गई थी फेल

एसएसएलवी की पहली टेस्ट फ्लाइट पिछले साल 9 अगस्त को विफल रही थी. इसरो के अनुसार, विफलता की जांच से यह पता चला कि दूसरे चरण के अलगाव के दौरान इक्विपमेंट बे (ईबी) डेक पर एक छोटी अवधि के लिए कंपन की गड़बड़ी थी. कंपन ने इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम (आईएनएस) को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप फॉल्ट डिटेक्शन एंड आइसोलेशन (एफडीआई) सॉफ्टवेयर के सेंसर में गड़बड़ी हो गई.

'बिना प्राण वाला शरीर'

बीजेपी महासचिव ने कांग्रेस नेता सिद्धारमैया के हिंदुत्व वाले बयान पर किया पलटवार

बैंगलूरू, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने एक बार फिर हिंदुत्व पर की गई टिप्पणियों के लिए कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर निशाना साधा है. सिद्धारमैया के बयान पर पलटवार करते हुए बीजेपी नेता सीटी रवि ने उनकी तुलना 'बिना प्राण वाले शरीर' से कर दी. बीते दिनों सिद्धारमैया ने कहा था कि वो एक हिंदू हैं, लेकिन हिंदुत्व के खिलाफ हैं. सिद्धारमैया को निशाने पर लेते हुए सीटी रवि ने कहा, 'अब हाल ही में उन्होंने कहा है कि हिंदुत्व हिंदू से अलग है. सिद्धारमैया, आप समय-समय पर अपना चरित्र बदलते हैं. आप हिंदू और हिंदुत्व के बीच के अंतर को नहीं जानते होंगे. मैं आपको बताऊंगा, हिंदू का मतलब शरीर और हिंदुत्व का मतलब जीवन है. अगर आप शरीर को स्वीकार करो और उस जीवन को मत स्वीकार करो, तुम क्या बनोगे?'

'अगर आपके पास हिंदुत्व है

सीटी रवि ने कहा, 'अगर आपके पास हिंदुत्व है, तो यह जीवन है. हिंदू का मतलब शरीर है. हम नहीं चाहते कि आप वह (शरीर) बनें.' इससे पहले, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि वह एक हिंदू हैं जो हिंदू धर्म का पालन करते हैं और हिंदुत्व के खिलाफ खड़े हैं.

13 फरवरी को वाराणसी आएंगी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रपति पहली बार 13 फरवरी को वाराणसी आने वाली हैं। राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए वाराणसी में जिला प्रशासन द्वारा तेजी से तैयारियां की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति के आगमन के दौरान वाराणसी एयरपोर्ट से लेकर शहर तक सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ बैरिकेडिंग की जा रही है।

5 घंटे तक काशी में रहेंगी राष्ट्रपति

बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमू सोमवार को वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचेंगी। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार वाराणसी एयरपोर्ट पर जिले के

आला अधिकारियों और स्थानीय नेताओं द्वारा उनकी अगवानी की जाएगी। उसके बाद वाराणसी एयरपोर्ट से राष्ट्रपति शहर के लिए प्रस्थान करेंगी। वाराणसी में पहुंचने के बाद श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने के अलावा राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू काल भैरव मंदिर में भी पहुंचेंगी और वहां भी दर्शन पूजन करेंगी। इसके अलावा सायं काल वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर की जाने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती को देखने के लिए भी जाएंगे। बताया जा रहा है कि 5 घंटे तक वाराणसी में रहने के बाद राष्ट्रपति वापस लौट जाएंगी।

वाराणसी बाबतपुर फोरलेन पर की जा रही बैरिकेडिंग

राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर वाराणसी में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। सुरक्षा के लिए वाराणसी-बाबपुर फोरलेन और राष्ट्रपति के आवागमन होने वाले संभावित रुट पर बैरिकेडिंग की जा रही है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में उनके सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। इसके अलावा स्थानीय पुलिस के अधिकारियों को भी तैनात किया जाएगा। वाराणसी के महत्वपूर्ण चौराहों पर यातायात पुलिस के साथ ही संबंधित थानों के पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे।

यह भी बताया गया कि राष्ट्रपति के काशी आगमन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए आठ आईपीएस, 26 डिप्टी एसपी और 16 एडिशनल एसपी, साढ़े चार सौ हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल, 80 इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा गंगा आरती देखने के दौरान जल पुलिस की भी तैनाती की जाएगी।

पूर्व मंत्री लाल सिंह की गाड़ी का एक्सीडेंट, एयर बैग खुलने से बाल-बाल बचे

जम्मू, 10 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के पूर्व मंत्री और डोगरा स्वाभिमान संगठन के संस्थापक चौधरी लाल सिंह की गाड़ी का घगवाल के पास एक्सीडेंट हो गया। इसमें वाहन के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। एयर बैग खुलने के कारण पूर्व मंत्री को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। जानकारी के अनुसार लाल सिंह एक शादी समारोह में भाग लेकर लौट रहे थे। पता चला है कि उसके वाहन के आगे अचानक एक पशु आ गया। इसके बाद वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

ई-नाम: राष्ट्रीय कृषि बाजार का सपना होने लगा साकार

150 से ज्यादा कृषि उपजों की खरीद-फरोख्त

पुणे, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी का मानना है कि उनके मंत्रालय की अनूठी योजना को लेकर कृषि उपजों के कारोबार के लिए वन नेशन-वन मार्केट की व्यवस्था ई-नाम परवान पर है। देशभर की हजार से ज्यादा मंडियां इससे जुड़ चुकी हैं। लगभग 1.72 करोड़ किसान, 1.98 लाख कारोबारी और 99 हजार से ज्यादा कमीशन एजेंट इस प्लेटफॉर्म पर कृषि उपज की खरीद-फरोख्त से जुड़े हैं। 21 राज्यों में फैले ई-नाम प्लेटफॉर्म पर 150 से ज्यादा कृषि उपज की खरीद-बिक्री होती है। राष्ट्रीय कृषि बाजार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। अकेले महाराष्ट्र के 260 किसान उत्पादक संगठन, 20,340 कारोबारी, 16 हजार से ज्यादा कमीशन एजेंट इससे जुड़े हैं। ई-नाम प्लेटफॉर्म का मकसद किसानों-कारोबारियों और खरीदारों को एक मंच पर लाना है। व्यापारी कहीं से भी सौदा कर सकते हैं और किसानों को उनकी उपज का भुगतान कर सकते हैं। कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार देश में 2,700 कृषि उपज मंडियां (एपीएमसी) और 4 हजार उप-बाजार हैं। ई-नाम प्लेटफॉर्म से एक हजार से ज्यादा मंडिया जुड़ चुकी हैं। ई-नाम प्लेटफॉर्म से 21 राज्यों की 1000 से ज्यादा मंडियां जुड़ी हैं। सबसे ज्यादा 144 मंडियां राजस्थान की हैं। यूपी की 125 तो गुजरात की 122 मंडियां हैं। मध्य प्रदेश की 80, छत्तीसगढ़ की 14 और महाराष्ट्र की 118 मंडियां इससे जुड़ी हैं। चौधरी के निजी सचिव राजेश भाई के अनुसार यह प्लेटफॉर्म किसानों के लिए फायदेमंद है। इस पर पंजीकृत किसान ऊंचे भाव पर उपज बेच सकते हैं। राजस्थान का किसान केरल के खरीदार को ऑनलाइन अपनी उपज बेच सकता है और कर्नाटक का किसान राजस्थान के किसान से अनाज ले सकता है। किसान के बैंक खाते में सीधा भुगतान मिलता है।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बीएसएफ को बड़ी सफलता

3 किलो हिरोइन, चीन निर्मित पिस्टल बरामद

फिरोजपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बीएसएफ के जवानों ने 9 और 10 फरवरी की रात को पाकिस्तान की ओर से भारत में घुसपैठ का प्रयास करने के बाद फिरोजपुर सेक्टर में 3 किलो हेरोइन, 1 चीन निर्मित पिस्तौल, कारतूस और एक मैगजीन बरामद की है. इससे पहले पंजाब के गुरदासपुर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया जिसे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के गोलीबारी करने के बाद वह पाकिस्तान में गिर गया. बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुधवार रात करीब नौ बजकर 40 मिनट पर गुरदासपुर में आदिया सीमा चौकी के पास एक ड्रोन दिखाई दिया और बल के जवानों के गोलियां चलाने के बाद वह वापस पाकिस्तान लौट गया. अधिकारी ने बताया कि बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तानी ड्रोन पर कुल 16 गोलियां चलाईं और एक लाइट बम का भी इस्तेमाल किया.

उन्होंने कहा कि इस संबंध में तलाशी अभियान जारी है. भारत, पाकिस्तान के साथ कश्मीर से लेकर गुजरात तक अपनी सीमा साझा करता है. पाकिस्तान हर दिन देश इस सीमा पर कुछ न कुछ नापाक हरकतें करता रहता है. मसअलन कश्मीर में आतंकवादियों को भारत में भेजने की कोशिश करना, पंजाब में ड्रोन के जरिए ड्रग्स, और गुजरात में पाकिस्तानी मछुआरों का भारत की समुद्री सीमा में घुस आना. पाकिस्तान की इन हरकतों का भारत हमेशा संयम से जवाब देता आया है.

हालांकि अब वह गुजरात इलाके में इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस क्षेत्र में पाकिस्तानी मछुआरों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं की घुसपैठ के मद्देनजर भुज सेक्टर के साथ इस इलाके में आठ बहुमंजिला बंकर सह निगरानी चौकियों के निर्माण के लिए 50 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं.

शहडोल में भीषण हादसा, ट्रक के नीचे दबने से चालक की मौत, तीन घंटे की मशक्कत के बाद निकला शव

शहडोल, 10 फरवरी (एजेंसियां)। शहडोल जिले के पथखई घाट में एक भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि चालक का शव ट्रक के नीचे ही दब गया, जिसे कड़ी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। बताया जा रहा है कि ट्रक में भारी-भरकम रेलवे का सामान लोड था, जिसकी वजह से चालक के शव को निकालने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। करीब तीन घंटे की जद्दोजहद के बाद शव को निकाला जा सका है।

भगोड़े नीरव मोदी के बहनोई ने दी ऐसी दलील

सीजेई को देनी पड़ी 'राहत', बॉम्बे हाईकोर्ट को दिया ये आदेश

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के बहनोई मैनक मेहता को हांगकांग जाने की अनुमति दिए जाने के खिलाफ दायर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका बंबई उच्च न्यायालय को वापस भेज दी. न्यायालय ने इस मामले में अदालत से चार सप्ताह में नए सिरे से फैसला सुनाने को कहा. प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा एवं न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने कहा कि सीबीआई और मेहता दो सप्ताह की अवधि के भीतर उच्च न्यायालय में अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल कर सकते हैं और उसके बाद दो सप्ताह के भीतर याचिका पर फैसला किया जाएगा. नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) धोखाधड़ी मामले में आरोपी है. सीबीआई का आरोप है कि मैनक मेहता ने पीएनबी धोखाधड़ी मामले में बड़ी मात्रा में हेराफेरी की राशि को अपने व अपनी पत्नी के बैंक खाते में भेज दिया था. न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि मेहता की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने सीबीआई को मेहता के दो विदेशी बैंक खातों के विवरण हासिल

करने और उनकी जांच करने के लिए 'अधिकार पत्र' देने पर सहमति व्यक्त की है. सीबीआई ने अपने निदेशक, बैंकिंग सुरक्षा धोखाधड़ी शाखा, मुंबई के मार्फत बंबई उच्च न्यायालय के 23 अगस्त 2022 के आदेश को शीर्ष न्यायालय में चुनौती दी थी. उच्च न्यायालय ने मेहता को हांगकांग की यात्रा करने और वहां तीन महीने रहने की अनुमति दी थी. उच्च न्यायालय ने मुंबई के विशेष सीबीआई न्यायाधीश का आदेश बरकरार रखा था और सीबीआई द्वारा मेहता के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर खारिज कर दिया था और उसे हांगकांग जाने की अनुमति दी थी. मेहता ब्रितानी नागरिक है और वह अपने परिवार के साथ हांगकांग में रहता है. वह मुंबई की अदालत के समक्ष पेश होने के लिए आठ सितंबर, 2021 को भारत आया था.

'जो कहा वो गाली नहीं', जिस बयान पर मचा हंगामा महुआ मोइत्रा ने अब समझाया उसका मतलब

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सदन में असंसदीय भाषा के इस्तेमाल को लेकर विवादों में घिरी टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने अपनी बात रखी है. महुआ का कहना है कि अपनी समझ में उन्होंने संसद में गाली का इस्तेमाल नहीं किया है. उन्होंने जो कहा उस शब्द का मतलब पापी होता है. टीएमसी सांसद ने कहा, मैं हिंदी भाषी नहीं हूं. अगर कोई हिंदी में इस शब्द का अर्थ कुछ और समझता है, तो

ये मेरी समस्या नहीं है. एक इंटरव्यू में महुआ ने कहा कि कई बीजेपी सांसदों ने भी उनके इस तरह से जबाव देने की तारीफ की थी. टीएमसी नेता ने कहा, मैं सही या गलत नहीं कह रही हूं. मैं कह रही हूं कि आप मुझे सदन में सुरक्षा नहीं देते और फिर आप मुझे परेशान भी कर रहे हैं. अगर आप (बीजेपी) मुझे हीरोइन बनाना चाहते हैं तो गुड लक आपको. मैं इसकी परवाह नहीं करती.

'गाली नहीं दी'

संसद में इस्तेमाल किए गए शब्द को लेकर महुआ मोइत्रा ने कहा, इसमें गाली क्या है? हराम शब्द का अर्थ कुछ पापपूर्ण या जो वर्जित है. अरबी शब्दों की मेरी समझ में, मैंने जो कहा उसका शाब्दिक अनुवाद पापी है. अब अगर कोई इसे कुछ और मानता है, तो यह मेरी समस्या नहीं है. इंटरव्यू में टीएमसी सांसद ने कहा, 'पहले जब मैं बोल रही थी तो इस व्यक्ति (बीजेपी सांसद) ने मुझे लगातार टोका. जब मेरा भाषण खत्म हो गया और राम नायडू बोल रहे थे, तब भी वे चुप नहीं हुए. इसलिए मैंने उन्हें उस संबोधन से पुकारा, क्योंकि वह जो कर रहे थे, वह वर्जित था.' महुआ मोइत्रा ने बुधवार (7 फरवरी) को संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान कथित तौर पर 'आपत्तिजनक' शब्द का प्रयोग किया था. इसके बाद संसद में जमकर हंगामा हुआ और बीजेपी ने उनसे माफी मांगने की मांग की.

माफी मांगने से इनकार

हालांकि, महुआ मोइत्रा ने माफी मांगने से साफ इंकार कर दिया था. उन्होंने कहा था कि बीजेपी को उनसे माफी मंगवाने से पहले अपने सांसद से माफी मांगने और अपनी हरकत ठीक करने के लिए कहना चाहिए. बीजेपी के सांसद ने 'बंदर' की तरह उनके भाषण को बाधित करने की कोशिश कर रहे थे.

बिजली के खंभे में घुसी तेज रफ्तार बलेनो कार

दो युवक गंभीर रूप से घायल, उज्जैन-देवास रोड पर हादसा

उज्जैन, 10 फरवरी (एजेंसियां)। देवास रोड पर तेज गति से कार दौड़ा रहे युवक हादसे का शिकार हो गए। तेज रफ्तार बलेनो कार डिवाइडर को पार करते हुए खेत में विद्युत पोल से टकरा गई और पोल पर लगे विद्युत डीपी में फंस गई। हादसे में दोनों कार सवार युवकों को गंभीर चोटें आई हैं।

राहगीरों और क्षेत्रवासियों ने घटना की सूचना पुलिस को दी और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार देवास से उज्जैन की ओर तेज रफ्तार से आ रही बलेनो कार क्रमांक एमपी 09 सी एस 5719 डिवाइडर क्रॉस करते हुए बिजली के पोल में जा फंसी। दुर्घटना इतनी जल्दी घटित हुई कि राहगीर कुछ समझ पाते इसके पहले ही कार में बैठे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने 'काउ हग डे' का किया समर्थन

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने 14 फरवरी को 'काउ हग डे' मनाने के लिए भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी किए गए नोटिस का समर्थन किया और कहा कि सभी को गाय से प्यार करना चाहिए. नोटिस के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, ''यह एक अच्छी पहल है.'' उन्होंने कहा, ''हमें गायों से प्यार करना चाहिए. मुझे खुशी है कि यह मिशन शुरू किया गया है. आपको भी गायों से प्यार करना चाहिए.'' भारतीय पशु कल्याण बोर्ड ने एक नोटिस जारी कर लोगों से 14 फरवरी को 'काउ हग डे' मनाने की अपील की है. नोटिस में कहा गया है कि गायों को गले लगाने से ''भावनात्मक संपन्नता'' आएगी और ''सामूहिक प्रसन्नता'' बढ़ेगी. इसमें यह भी कहा गया है कि वैदिक परंपराएं ''पश्चिमी संस्कृति की प्रगति'' के कारण लगभग ''विलुप्त होने के कगार'' पर हैं और ''पश्चिमी सभ्यता की चकाचौंध ने हमारी भौतिक संस्कृति तथा विरासत को लगभग भुला दिया है.''

ट्रांसपोर्ट नगर की झुग्गियों में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित झुग्गियों में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि इसमें दर्जनों झुग्गियां जलकर राख हो गईं। आग लगते ही सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकल वाहनों के मौके पर पहुंचने से पहले ही आग विकराल रूप ले चुकी थी। दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग कैसे लगी और इसमें कितना नुकसान हुआ।

पलभर में होगा दुश्मन का खात्मा

भारत का पहला स्वदेशी ड्रोन तपस रखेगा सब पर नजर, अगले हफ्ते भरेगा उड़ान

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में बना पहला स्वदेशी उन्नत टोही ड्रोन यानी मानव रहित यान (यूएवी) अगले हफ्ते लोगों की नजरों के सामने उड़ान भरता नजर आएगा. तपस ड्रोन (तापस बीएच-201) को अगले हफ्ते बेंगलुरु में होने वाले एयरो इंडिया शो में पहली बार सबके सामने उड़ान भरते हुए दिखाया जाएगा. एयरो इंडिया शो में डीआरडीओ के तपस ड्रोन के साथ ही 180 से ज्यादा विमान उड़ान भरेंगे. जानकारी के

मुताबिक, तपस-बीएच इस एयरो शो में अपनी खूबियों का प्रदर्शन करेगा. बता दें कि तपस से इतर एक अन्य स्वदेशी युद्धक ड्रोन घातक भी इस साल जून-जुलाई में अपनी पहली उड़ान भरने के लिए तैयार है.

क्या हैं तपस ड्रोन की खूबियां?

तपस का पूरा नाम टेक्टिकल एयरबॉर्न प्लेटफॉर्म फॉर एरियल सर्विलांस बेयॉन्ड होराइजन है. इसे डीआरडीओ ने ही बनाया है. तपस ड्रोन केवल सीमाओं पर निगरानी रखने ही नहीं, बल्कि दुश्मनों पर हमला करने के लिए भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है. 2016 से ही तपस का उत्पादन शुरू किया जा चुका है. हालांकि, इसे अभी तक भारतीय सेना में शामिल नहीं किया गया है. माना जा रहा है कि इस उड़ान के बाद ये भारतीय सेना में जल्द शामिल हो जाएगा.

28 हजार फीट की ऊंचाई पर 18 घंटे से ज्यादा की उड़ान

तपस ड्रोन की अन्य खूबियों की बात करें, तो यह 28 हजार फीट की ऊंचाई पर 18 घंटे से ज्यादा की उड़ान भर सकता है. तपस एक मीडियम एल्टीट्यूट लॉन्ग-इंड्यूरेंस ड्रोन है, जो अमेरिका के एमक्यू-1 प्रीडेटर ड्रोन जैसा ही है. तपस अपने आप ही टेकऑफ और लैंड करने की क्षमता रखने वाला ड्रोन है. तपस ड्रोन को पहले रुस्तम-2 के नाम से पुकारा जाता था. जिसकी अधिकतम रफ्तार 224 किलोमीटर प्रतिघंटा थी. 20.6 मीटर के विंग स्पैन वाला तपस ड्रोन लगातार 1000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है. तपस ड्रोन दिन और रात दोनों में ही निगरानी के लिए इस्तेमाल हो सकता है.

सीएम केसीआर ने स्वास्थ्य क्षेत्र को किया मजबूत : हरीश राव

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यह आरोप लगाते हुए कि पिछली कांग्रेस सरकार ने अपने शासन के दौरान राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र को पूरी तरह से उपेक्षित किया था, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने आज कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत किया है। छह साल जो कांग्रेस सरकार पिछले 60 साल में नहीं कर पाई। यह कहते हुए कि तेलंगाना राज्य के गठन के समय राज्य में केवल तीन मेडिकल कॉलेज थे, हरीश राव ने कहा कि उन्होंने केवल एक वर्ष में आठ मेडिकल कॉलेज स्थापित किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद अविभाजित आंध्र प्रदेश में एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या 850 से बढ़ाकर 2,790 कर दी है।

चालू बजट सत्र के दौरान विधानसभा में विधायकों द्वारा उठाए गए सवालों के जवाब में, मंत्री ने कहा कि अविभाजित करीमनगर जिले को चार मेडिकल कॉलेज मिले, जबकि अविभाजित वारंगल जिले को पांच मेडिकल कॉलेज मिले। उन्होंने कहा कि उन्होंने महबूबनगर, नागरकुर्नूल और वानापार्थी जिलों में भी मेडिकल कॉलेज स्थापित किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे संगारेड्डी और मुलुगु जैसे विपक्षी विधायकों के प्रतिनिधित्व वाले विधानसभा क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेज भी स्थापित कर रहे हैं। केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए हरीश राव ने कहा कि देश भर में 150 मेडिकल कॉलेज स्थापित करने वाली केंद्र ने तेलंगाना राज्य में एक भी मेडिकल कॉलेज की स्थापना नहीं की है। यह कहते हुए कि केंद्र ने राज्य को एम्स की मंजूरी दी थी, उन्होंने आरोप लगाया कि संस्थान में किसी भी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं और कहा कि एम्स में कोई ओपी, आईपी और सर्जरी की सुविधा नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने एम्स के मेडिकल छात्रों को उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए भोंगीर जिला अस्पताल में व्यावहारिक प्रशिक्षण लेने की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद मेडिकल सीटों की कुल संख्या तीन गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सीएम ने राज्य के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का फैसला किया है और कहा कि वे हर जिले में नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज भी स्थापित कर रहे हैं, जबकि यह देखते हुए कि वे पैरामेडिकल कॉलेजों में कई पाठ्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

हरीश राव ने कहा कि वे सभी सरकारी अस्पतालों में सीसी टीवी कैमरे लगाने और बायोमीट्रिक सुविधा के लिए कदम उठा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे एयर सैंपलर का उपयोग कर रहे हैं, जिनका उपयोग निजी कॉर्पोरेट अस्पतालों, सभी सरकारी अस्पतालों में किया जा रहा है। उन्होंने सदन को बताया कि वे एक महीने के भीतर सभी मेडिकल कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों के 1457 रिक्त पदों को भर देंगे। उन्होंने कहा कि वे इस साल मेदक जिले में एक मेडिकल कॉलेज की मंजूरी दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे सभी क्षेत्रों में, जहाँ भी आवश्यकता है, गाँव और बस्ती अस्पताल स्थापित कर रहे हैं

सरकारी अस्पताल में मरीजों को बेहतर सेवा दें : मेदक कलेक्टर

मेदक, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक कलेक्टर राजर्षि शा ने राजकीय चिकित्सालय, मेदक के अधीक्षक को नियमित रेडियोलाजिस्ट नियुक्त कर गर्भवती महिलाओं की प्रतिदिन स्कैनिंग करने के निर्देश दिये हैं। शुक्रवार को औचक निरीक्षण के दौरान यह देखने के बाद कि अस्पताल में केवल रविवार और शुक्रवार को परीक्षण किए गए थे, कलेक्टर ने निराशा व्यक्त की और जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (डीएमएचओ) डॉ. चंदू नायक और अधीक्षक डॉ. पी. चंद्रशेखर को सेवाओं में सुधार के लिए तुरंत एक आउटसोर्सिंग आधार पर आवश्यक कर्मचारियों को शामिल करने का निर्देश दिया। यह कहते हुए कि स्त्री रोग विशेषज्ञ को स्कैनिंग प्रक्रिया का ज्ञान होना चाहिए, शाह ने अधिकारियों को परीक्षणों के तुरंत बाद स्कैनिंग रिपोर्ट सौंपने के लिए एक प्रणाली बनाने का निर्देश दिया। कर्मचारियों को अस्पताल में सभी सेवाएं प्रदान करने का सुझाव देते हुए, उन्होंने उनसे कहा है कि जब तक आपात स्थिति न हो तब तक मरीज़ों को हैदराबादके अस्पतालों में रेफ़र न करें। कलेक्टर ने यह भी स्पष्टीकरण मांगा कि उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक रिकॉर्ड के बाद कर्मचारियों पर रिपोर्ट मांगने के अलावा अस्पताल में फीडिंग सेंटर और एक्स-रे केंद्र क्यों बंद हैं। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तूप्रान में ब्लड बैंक भवन के आधुनिकीकरण को पूरा करने के अलावा रेडियोलॉजी विभाग के भवन निर्माण कार्य को इस माह के अंत तक पूरा करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

गरीब युवतियों के साथ खड़ी हैं कल्याणलक्ष्मी : महापौर

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना राज्य में युवतियों के विवाह के लिए कल्याण लक्ष्मी और शादीमुबारक योजनाओं के माध्यम से गरीबों का महत्वाकांक्षी समर्थन कर रही है। इस मौके पर स्थानीय विधायक दाना नागेंदर के साथ बंजारा हिल्स मंडल महापौर कैंप कार्यालय में 27 हितग्राहियों को कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक के चेक सौंपे गए।

नगर में जारी ई-फ़ॉर्मूला चैंपियनशिप के कारण भयंकर ट्रेफिक जाम लगा रहा। लोगों को टैंकबंड सड़क अतिक्रम करने के लिए घंटों लगा। इससे वाहन चालकों में भारी गुस्सा देखा गया।

विभिन्न जाति व संघों के नेता मिले सीएम से

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाल्मीकि बोया, पेड्डा बोया, खैती लंबादास, माली साहा बेदार, किराटक, निशाडी, भट मथुरालू, चमार मथुरा, चुंदूवाल और थलयारी जातियों को एक सरकारी संकल्प के माध्यम से एसटी समूह में शामिल करने के अवसर पर कई जनप्रतिनिधियों और संबंधित जाति संघों के नेताओं ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की और विधानसभा में मुख्यमंत्री कक्षों में आभार व्यक्त किया। मंत्री व विधायक वनपर्ती विधायक सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी, विधायक-गदवाल कृष्ण मोहन रेड्डी, आलमपुर विधायक डॉ. वी. अब्राहम, देवराकाद्रा विधायक वेंकटेश्वर रेड्डी, कोल्हापुर विधायक हर्षवर्धन रेड्डी, अन्य क्षेत्रों के नेता और संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के इन जातियों समुदाय के नेता हैं।

राजा सिंह ने अपने बुलेटप्रूफ वाहन को प्रगति भवन के पास छोड़ा

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। निलंबित बीजेपी विधायक राजा सिंह ने सोमवार को हैदराबाद में अपनी बुलेटप्रूफ गाड़ी खराब होने पर निराशा जाहिर की है। इसके बाद की घटनाओं की एक श्रृंखला में, विधायक को प्रगति भवन के पास एक गरमागरम विवाद के बाद पुलिस अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, राजा सिंह ने आतंकवादियों से अपनी जान को खतरा होने के बावजूद उन्हें खराब हालत में वाहन उपलब्ध कराने के लिए तेलंगाना सरकार की आलोचना की। सिंह के हवाले से कहा गया, "यह अस्वीकार्य है कि मेरी जान को खतरा होने के बावजूद मुझे इतनी खराब स्थिति में वाहन मुहैया कराया गया।"

हैदराबाद में प्रगति भवन के पास अपने वाहन को छोड़ने के बाद, पुलिस अधिकारी हरकत में आए और वाहन को जबरन हटाकर पुंजागुट्टा पुलिस स्टेशन ले गए। सिंह को कथित तौर पर पुलिस के साथ उनके विवाद के बाद कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया।

साइबराबाद ट्रैफिक जे.टी. सीपी ने यातायात स्वयंसेवकों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक जॉइंट सीपी नारायण नाइक ने आज एससीएससी के ट्रैफिक वालंटियर्स के योगदान पर एक समीक्षा बैठक की। इस प्रक्रिया के दौरान एससीएससी द्वारा विकसित ट्रैफिक वालंटियर्स ऐप की समीक्षा की और आयुक्त कार्यालय, डीसीपी ट्रैफिक हर्षवर्धन की मौजूदगी में उनके साथ एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। बैठक में भाग लेते हुए, संयुक्त सीपी ने यातायात स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि स्वयंसेवीकरण किसी को भी सबसे अच्छी संतुष्टि देता है, क्योंकि यह समाज को वापस देने के साथ-साथ यातायात पुलिस की मदद करने और यातायात को नियंत्रित करने जैसा है। उन्होंने कहा कि यातायात दुर्घटनाओं में जीवन का हर नुकसान परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है और हर दुर्घटना जिसे रोका जा सकता है, यह एक बहुत बड़ा सामाजिक मूल्य है जो वे जोड़ रहे हैं, जिसे किसी भी तरह से मापा नहीं जा सकता है बल्कि केवल एक आत्म-संवेदी हो सकता है। कृष्णा येदुला ने उन स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया है जो नियमित रूप से योगदान दे रहे हैं और अधिक संख्या में लोगों को यातायात स्वयंसेवक आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। सड़क सुरक्षा जागरूकता और यातायात स्वयंसेवकों के रूप में शामिल होकर स्वैच्छिक आंदोलन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक वालंटियर पहल 2014 में शुरू हुई थी और इसे जारी रखना समर्पित स्वयंसेवकों के कारण ही संभव हो पाया है। साइबराबाद ट्रैफिक डीसीपी हर्षवर्धन ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस का समर्थन करने के अलावा, उन्होंने स्वयंसेवकों को जमीनी स्तर पर स्थिति देखकर सुझाव देने के लिए भी प्रोत्साहित किया, जिससे विभाग को तुरंत कुछ निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

कंटी वेलुगु कार्यक्रम का लाभ उठाएं : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने सुझाव दिया कि शहर के सभी लोगों को कंटी वेलंग कार्यक्रम का लाभ उठाना चाहिए। शहर की महापौर विजयलक्ष्मी ने शुक्रवार को बंजारा हिल्स डिवीजन 93 एनबीटी नगर बस्ती अस्पताल में कंटी वेलम कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कंटी वेलम कार्यक्रम में खैरताबाद के विधायक दाना नागेंदर और डॉक्टरों ने भाग लिया।

इस मौके पर बोलते हुए महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार हम प्रदेश भर में हर साल कंटी वेलंग कार्यक्रम जारी रखे हुए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि डॉक्टर और जनप्रतिनिधि झुग्गी-झोपड़ियों में आंखों की रोशनी को लेकर जागरूकता पैदा करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार के सभी सदस्य बस्ती दवाखानों में नेत्र जांच कार्यक्रम के लिए अवश्य आयें और उचित सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि आंखों की जांच के तहत लोगों को पढ़ने के लिए चश्मा नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा, एक सप्ताह के भीतर 40 वर्ष से कम और उससे अधिक आयु वालों को प्रिस्क्रिप्शन चश्मा प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि बिना आंखों की समस्या वाले लोग भी आ रहे हैं और सभी को मौके का फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कंटी वेलम कार्यक्रम में आने वाले लोग अपना आधार कार्ड अवश्य लायें। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग लोग बस्ती दवाखाना में अपनी आंखों की जांच कराएं और डॉक्टर की सलाह मानें। इस बैठक में जुबली हिल्स के उपायुक्त रजनीकांत रेड्डी, चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, सेवा फाउंडेशन के युवा अध्यक्ष मोहम्मद अरशद सहित अन्य ने भाग लिया।

सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत 39,000 मुसलमानों को लाभ मिलेगा : कोप्पुला

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और इस वर्ष लगभग 39,000 लाभार्थी विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित होंगे।

उन्होंने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि मुस्लिम अल्पसंख्यक वित्त निगम के माध्यम से, आर्थिक सहायता योजना, चालक सशक्तिकरण योजना और ओन योर ऑटो कार्यक्रम के तहत बैंक से जुड़ी सब्सिडी लाभार्थियों तक पहुंचाई जा रही है। इस वर्ष, समितियों के माध्यम से 12,000 लाभार्थियों की पहचान की गई और इस वित्तीय वर्ष के अनुसार 120 करोड़ रुपये जारी किए गए। इसके अलावा, 2023-24 के बजट में, राज्य सरकार ने 270 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया, जिससे 27,000 आवेदकों को लाभ होगा, उन्होंने कहा, अगले 10 महीनों में कुल 39,000 लाभार्थी लाभान्वित होंगे।

चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की मीरपेट पुलिस ने चोरी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों के पास से 87 ग्राम सोने के गहने, 928 ग्राम चांदी के सामान, एक लोहे की छड़, दो मोटर साइकिल आदि बरामद हुआ है। बरामद संपत्ति का मूल्य करीब 8 लाख रुपए बताया जा रहा है। श्रीमती साईं श्री, डीसीपी एलबी नगर जोन ने बताया कि डिटेक्टिव इंस्पेक्टर मीरपेट और अपराध टीम ने आरएन रेड्डी एक्स रोड, मीरपेट में घर में चोरी करने वाले अपराधियों को बालापुर एक्स रोड पर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में मुनिथन आकाश कुमार निवासी लैंगर हाउस, हैदराबाद, पोलोजू अभिलाष निवासी अट्टापुर, राजेंद्र नगर, आरआर जिला, चिलुकुरु संदीप कुमार निवासी अट्टापुर, राजेंद्र नगर, आरआर जिला शामिल है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के केंद्रीय कार्यालय मुम्बई से राजभाषा विभाग प्रमुख रामजीत सिंह, सहायक महा प्रबंधक (राभा) द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय पंजागुट्टा हैदराबाद का राजभाषा विषयक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र प्रमुख के. डुंडीश्वर राव द्वारा उनका स्वागत किया गया। क्षेमप्रका हैदराबाद से वरिष्ठ प्रबंधक राजभाषा देवकांत पवार निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

पीयूबी/0134

निविदा सूचना सं. 03-जीएस - एचवाईबी-22-ओटी से 10-जीएस-एचवाईबी-22 - ओटी दि. 08-02-2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सूचीबद्ध सलाहकारों की सूची से ई-अधिप्रापण के माध्यम से 23-02-2023 को 15.00 बजे तक निविदाएँ आमंत्रित हैं।

निविदा सं. : 03-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **उमरी, धर्माबाद एवं बासर स्टेशनों** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 12,70,535/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 25,400/-

निविदा सं. : 04-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **निज़ामाबाद स्टेशन** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 16,86,925/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 33,700/-

निविदा सं. : 05-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **कामारेड्डी एवं मेडचल स्टेशनों** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 16,17,585/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 32,400/-

निविदा सं. : 06-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **मलकाजगिरी एवं मलकपेट स्टेशनों** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 10,62,275/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 21,300/-

निविदा सं. : 07-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **याकुतपुरा, उप्पुगुडा एवं उम्दानगर स्टेशनों** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 14,85,105/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 29,700/-

निविदा सं. : 08-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **शादनगर एवं जड़चेर्ला स्टेशनों** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 10,15,485/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 20,300/-

निविदा सं. : 09-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **महबूबनगर एवं गदवाल स्टेशनों** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 19,09,750/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 38,200/-

निविदा सं. : 10-जीएस-एचवाईबी-22-ओटी **कार्य का नाम :** हैदराबाद डिवीजन : गति शक्ति : 'अमृत भारत स्टेशन स्कीम' के अंतर्गत हैदराबाद डिवीज़न के **श्री बाला ब्रह्मेश्वरा जोगुलाम्बा एवं कर्नूल सिटी स्टेशनों** के आधुनिकीकरण/उन्नयन के लिए कांसेप्ट प्लान्स, मास्टर प्लान, टेक्निकल फेसिबिलिटी रिपोर्ट, इस्टिमेट, टेंडर शेड्यूल एवं गुड फॉर कंस्ट्रक्शन ड्राइंग्स आदि तैयार करने हेतु आर्किटेक्चरल एवं टेक्निकल कंसल्टेंसी उपलब्ध कराने के लिए टेक्निकल कंसल्टेंट (पूरा करने की अवधि रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) में उल्लेखित टर्म्स ऑफ रेंफरेंस (टीओआर) के अनुसार) **अनुमानित मूल्य :** रु. 13,53,300/-, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 27,100/-

अतिरिक्त विवरणों के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

डिप्टी चीफ इंजीनियर, गति शक्ति, हैदराबाद

एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/निविदा सूचना/जीएस/2022-23 दिनांक : 09-02-2023

पीयूबी/0132

निविदा के विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किए गए हैं।

क्र.सं. 1. निविदा सं. : टी-202223-जीएस-09, **अथारिटी :** डिप्टी सीई/जीएस/एनईडी, **कार्य का विवरण :** एमएमआर - एमयूई सेक्शन :- बीडीयू - जे स्टेशनों के बीच किमी 159/2-3 पर 1X5.00X3.00 एम प्री-कास्ट आरसीसी बॉक्स की तरह प्रस्तावित आरयूबी ब्रिज सं. 185ए **विज्ञापित निविदा मूल्य :** रु. 6,02,36,356.07, **पूर्व धरोहर राशि :** रु. 4,51,200.00, **पूरा करने की अवधि :** बारह महीने, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** 0

क्रम सं. 01, निविदा सं. टी-202223-जीएस-09, **समानांतर स्वभाव का कार्य (50 लाख से अधिक लागत के लिए) :** बॉक्स पुशिंग/पाइप जैकिंग टेक्निक सहित ब्रिज का निर्माण या पीएससी स्लैब/पीएससी गर्डर/पीएससी बॉक्स की कास्टिंग एवं लॉंचिंग सहित ब्रिज कार्य युक्त कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।

उपरोक्त निविदा 03-03-2023 को 15.00 बजे बंद होगी।

डिप्टी चीफ इंजीनियर गति शक्ति, नांदेड़

AO200

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in' या http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JYOTI LAKSHMI KUMARI spouse of NoK POR / Service Documents /PPO) spouse of L. ESWARA RAO,R/o:15-121,Prabhu Nagar,Poranki (Rural),Krishna Dist, A.P Pin-521137 have changed my name from JYOTI LAKSHMI KUMARI to LINGAMANENI USHA KUMARI Vide Affidavit dated 03/02/2023.for all Record purpose.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

शालिग्राम शिला से मूर्ति बनाने का विरोध करने वाले परमहंस आचार्य बयान से पलटे

कहा- 'सपने में आए हनुमान'

अयोध्या, 10 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति बनाने के लिए लाए गए शालीग्राम पत्थर से राम की मूर्ति बनाने का विरोध करने वाले जगतगुरू परमहंस आचार्य अब अपने बयान से पलट गए हैं। अब वो इन पत्थरों से ही भगवान राम की मूर्ति बनाने की बात कह रहे हैं। उनका कहना है कि हनुमान भगवान उनके सपने में आए थे उन्होंने बताया कि वो शालिग्राम नहीं देवशिला है और इसके बाद श्री राम के कुल गुरु महर्षि वशिष्ठ ने आकर उन्हें बताया है कि यह शालिग्राम है और इससे श्री राम की मूर्ति बनाई जा सकती है। दरअसल खुद को जगतगुरु कहने वाले संत परमहंस आचार्य ने पहले नेपाल से लाई गई शिलाओं को शालिग्राम भगवान बताकर ऐलान किया था कि अगर राम की मूर्ति बनाने के लिए इन पर छेनी और हथौड़ी चलाई गई तो वह प्राण त्याग देंगे। लेकिन अब वो अपने इस बयान से ही पलट गए हैं। वहीं ऐसा दावा कर रहे है जिससे उनके ऊपर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। परमहंस आचार्य ने कहा कि जैसे ही ये खबर चली कि ये शालिग्राम शिला है तो हमने कहा था कि शालिग्राम तो खुद भगवान हैं। भगवान के ऊपर छैनी-हथौड़ी नहीं चल सकती और बिना छैनी हथौड़ी चले मूर्ति नहीं बन सकती है।

सपने में आए हनुमान और महर्षि वशिष्ठ

जगतगुरू ने कहा कि उसी दिन से प्रतिदिन प्रातः 3:00 बजे मुझे हनुमान जी का दर्शन होता था और हनुमान जी कहते थे कि यह शालिग्राम शिला नहीं देव शिला है। हम सोच रहे थे कि सपने की बात कैसे कहें आज सुबह भोर में लगभग 5:00 बजे बड़े तेजस्वी संत का दर्शन हुआ। मैंने पूछा कौन हैं तो उन्होंने कहा कि मैं सूर्यकुल के कुलगुरू महर्षि वशिष्ठ हूं।

उन्होंने मुझे बताया कि जो दो विशाल शिला आई हैं वो शालिग्राम नहीं, देव शिला हैं इससे श्री राम की मूर्ति बन सकती है। इसके बाद मैंने प्रेस करके लोगों को अवगत कराया है। मैं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों से कहूंगा कि इन शिलाओं से श्री राम की मूर्ति बनाई जाए।

चंपत राय ने कही थी ये बात

दरअसल नेपाल से शिलाओं के अयोध्या पहुंचने के पहले राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा था कि शालिग्राम शिलाओं का बड़ा धार्मिक महत्व है। गंडकी नदी जब बिहार में प्रवेश करती है तो इसको नारायणी नदी के नाम से जाना जाता है। नेपाल के गंडक नदी से निकलने वाले शालिग्राम पत्थरों को भगवान विष्णु का रूप माना जाता है। शालिग्राम का अर्थ है जिस पत्थर में भगवान विष्णु का निवास है। ये पत्थर खरीदा नहीं गया है, नेपाल के संतो ने कहा हम अयोध्या को सौगात में देना चाहते हैं। कभी जनकपुर ने जानकी जी दी थी अब जानकी जी के दहेज के रूप में सौगात देंगे। फिलहाल नेपाल से लाई गई शिलाओं को लेकर असमंजस की स्थिति है इस बीच श्री राम मंदिर ट्रस्ट इन शिलाओं का परीक्षण करा रहा है कि इन से मूर्ति बनाई जा सकती है या नहीं जिस तरह नेपाल से बिहार होते हुए यह शिलाएं अयोध्या पहुंची है और रास्ते भर जिस तरह लोगों ने इनका पूजन अर्चन किया है उससे राम मंदिर ट्रस्ट के ऊपर एक बड़ा दबाव भी है।

'सरकार को मिल रहा विटामिन 'ए' अब ओवरडोज हो गया'

अडानी के बहाने अखिलेश का हमला

लखनऊ, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्वी उत्तर प्रदेश से 2024 के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा और नंबर 2 उद्योगपति पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को बहुत सारा विटामिन ए मिल रहा है और अब इसकी मात्रा ओवर डोज हो गई है। गाजीपुर में गुरुवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "विटामिन ए से मेरा मतलब एक उद्योगपति से है। अगर आप उनके खातों की जांच करेंगे तो आप भ्रमित हो सकते हैं। खिलेश यादव ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि, आपको याद होगा कि एक समय पर उन्होंने सभी करेंसी को निष्क्रिय कर दिया था। अखिलेश ने कहा कि, तब सरकार की ओर से कहा गया कि नोटबंदी के बाद भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा और काला धन वापस आ जाएगा, इतने साल बीत गए। अखिलेश यादव ने कहा कि उन्होंने एक ऐसी आर्थिक प्रणाली बनाई जिसमें केवल कुछ उद्योगपति ही तेज गति से बढ़े।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सम्मेलन में ऐसी कंपनियों के साथ एमओयू किए जा रहे हैं जिन्हें महज एक कमरे से चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार इस राज्य को विकास के बजाय विनाश के रास्ते पर ले जा रही है। उन्होंने कहा कि अब एमओयू के लिए जिलों में व्यापारी तलाशे जा रहे हैं। गाजीपुर में बोलते हुए, उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब 2024 के चुनाव आएंगे, तो भाजपा कहेगी कि हमारी अर्थव्यवस्था ऐसी है कि एक भारतीय उद्योगपति दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति बन सकता है। अखिलेश ने कहा कियह इस तथ्य के बावजूद है कि जब भारत में गरीबी है, जहां पीने के पानी की कमी है, जहां भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम पर है।अखिलेश यादव ने राज्य में अपनी पार्टी की सरकार बनने के तीन महीने के भीतर जातिगत जनगणना का वादा किया।

विपक्ष ने ग्लोबल इवेंट समिट करार दिया

तीन दिवसीय ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट से एक दिन पहले विपक्षी दलों ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए इस सम्मेलन को ग्लोबल इवेंट समिट करार दिया और दावा किया कि इसमें ऐसी कंपनियों से समझौता ज्ञापन (एमओयू) किए जा रहे हैं जिन्हें एक कमरे से चलाया जाता है। इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। दस से 12 फरवरी तक चलने वाले इस शिखर सम्मेलन में केंद्र और राज्य के कई मंत्रियों और कई बड़े उद्योगपतियों के शामिल होने की संभावना है।

पिछले साल पांच लाख करोड़ के एएमओ का दावा, मगर जमीन पर कुछ नहीं

यूपी कांग्रेस प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि यह सरकार 20 लाख करोड़ रुपये के एमओयू का दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले निवेशक शिखर सम्मेलन के दौरान, इसने पांच लाख करोड़ रुपये के एमओयू का दावा किया था, लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं दिखा। कांग्रेस के प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने इस ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट को ग्लोबल इवेंट समिट बताते हुए लोगों को भ्रमित करने का सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार दावा करती है कि इस सम्मेलन से 21 लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के उद्योग विभाग ने अकेले ही इस आयोजन के लिए करीब 320 करोड़ रुपये जारी किया है। उन्होंने कहा कि देश की निवेश प्रबंधन एजेंसियों को इसके लिए अनुबंधित किया गया है। अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि ये एजेंसियां कौन सी हैं और किस प्रक्रिया के तहत इन्हें रखा गया है और इन्हें कितना पैसा दिया गया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि से सटी मस्जिद के पास 250 घरों पर चलेगा बुलडोजर

रेलवे ने थमाया नोटिस

मथुरा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मथुरा कृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के पास रेलवे लाइन के करीब बसे 250 से ज्यादा घरों पर प्रशासन बुलडोजर चलाने जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने शाही ईदगाह मस्जिद के पास रेलवे लाइन के समीप 250 से ज्यादा घरों में ध्वस्त करने का नोटिस चस्पा कर दिया है। रेलवे की इस कार्रवाई को मुस्लिम बस्ती के लोग विरोध कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन की ओर सेमथुरा के श्री कृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के समीप रेलवे लाइन के किनारे बने 250 से अधिक मकान ध्वस्त करने का नोटिस चस्पा किया है। मथुरा वृंदावन रेलवे लाइन के दोनों और मुस्लिम बस्ती बसी है।

रेलवे प्रशासन ने नोटिस चस्पा कर दिया 21 दिन का समय

रेलवे की कार्यवाही का मुस्लिम बस्ती के लोग विरोध कर रहे हैं, इस मामले को लेकर लोगों ने कल डीएम से भी मुलाकात की थी। रेलवे प्रशासन ने मकानों को चिन्हित कर नोटिस चस्पाकर लोगों को 21 दिन का समय दिया है। उधर,अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने रेल मंत्री से अतिक्रमण हटाने की शिकायत की थी। मथुरा वृंदावन रेलवे लाइन को बेहतर करने के लिए सरकार भी प्रस्ताव पास कर चुकी है। बस्ती के लोगों का कहना 15 दिन पहले बिजली काटी गई थी, अब रेलवे ने नोटिस लगा दिए हैं और 21 दिन का समय दिया है।

वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहा था जीजा

परेशान होकर साली ने कर लिया सुसाइड

नालंदा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा जिले में एक लड़की ने अपने जीजा से परेशान होकर सुसाइड कर लिया। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया, इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, यह मामला नालंदा जिले के करायपरशुराय थाना क्षेत्र के गांव का है। यहां 21 वर्षीय लड़की का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। बताया जा रहा है कि मृतका की बड़ी बहन ने गांव के ही युवक से प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद युवक ने साली को प्रेमजाल में फंसा लिया और उसके साथ यौन शौषण कर उसका वीडियो बना लिया। आरोप है कि वीडियो बनाने के बाद पीड़ित लड़की का जीजा उसे ब्लैकमेल कर यौन शौषण कर रहा था। जीजा द्वारा इस तरह की हरकतों से लड़की मानसिक रूप से परेशान हो गई। इसी बीच गुरुवार की सुबह उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

शव के पास पुलिस को मिला सुसाइड नोट, जांच शुरू

करायपरशुराय के थानाध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि लड़की के शव के पास से सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार अपने बहनोई को बताया है। फिलहाल पुलिस आरोपी जीजा की तलाश में जुट गई है। वहीं शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

मृतका ने सुसाइड नोट में लिखा है कि उसकी बहन का पति उसकी मौत का जिम्मेदार है, जिसकी वजह से उसके घरवाले उसे पीटते थे। इसी कारण आत्महत्या कर रही हूं।

सत्यम योगी ने की नैनी जेल के कैदियों को छोड़ने की मांग

6 माह में सुधारने का लिया जिम्मा

प्रयागराज, 10 फरवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज क्रिया योग पीठाधीश्वर सत्यम योगी नैनी जेल में बंद कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे हैं।

माघ मेले में आए क्रिया योग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान के पीठाधीश्वर का मानना है कि जेल में बंद कैदियों की जगह जेल नहीं, उनका आश्रम है। उन्होंने कहा कि 6 महीने में सुधारने की गारंटी देता हूं, जिससे एक अपराध मुक्त समाज बनेगा। प्रयागराज माघ मेले में आए क्रिया योग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान के पीठाधीश्वर सत्यम योगी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सर्वश्रेष्ठ अध्यात्मिक राष्ट्र भारत के आनंदमय ज्ञान में अस्तित्व को पूरे विश्व में प्रकाशित करने के आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि अगर नैनी जेल के बंद पूरे कैदियों को क्रिया योग आश्रम में 6 महीने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के बीच रख दिया जाए, तो बड़े से बड़े अपराधी भी शांति के मार्ग पर चल पड़ेंगे। इससे अपराध पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

सत्यम योगी ने इस बात को सच साबित करने का जिम्मा भी लिया। उन्होंने सरकार से मांग की है कि एक बार उन्हें इसका मौका जरूर दे, ताकि जो काम जेल में बंद कर नहीं किया जा सकता। वह इनके आश्रम में क्रिया योग के माध्यम से किया जा सके।

कल सुबह भारत पहुंचेंगे राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद

मिलकर आए राजद एमएलसी बोले- नौजवान हुई किडनी

सीवान, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव 12 फरवरी की सुबह भारत आएंगे। 11 फरवरी की रात सिंगापुर से चलेंगे और रविवार को स्वदेश आ जाएंगे। अगर इस लंबी यात्रा के दरम्यान परेशानी नहीं हुई तो वह उसी दिन पटना भी आ सकते हैं।

राजद के विधान पार्षद विनोद जायसवाल ने उनसे मुलाकात कर लौटने के बाद सीवान में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजद अध्यक्ष की किडनी नौजवानों की तरह काम कर रही है और डॉक्टर भी उनकी सेहत की प्रगति से संतुष्ट हैं। राजद अध्यक्ष के पटना आने को लेकर फैसला परिवार उनकी हालत और स्वास्थ्य जरूरतों के हिसाब से लेगा।

भाजपा नेता संगीत सोम बोले- पश्चिमी यूपी को मिनी पाकिस्तान बनाने की तैयारी, सपा अध्यक्ष पर साधा निशाना

मेरठ, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मेरठ में सरधना से पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करते हुए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साधा है। जिसमें प्रदेश के लोगों को धार्मिक आधार पर बांटने का आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में पूर्व विधायक ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मिनी पाकिस्तान बनाए जाने के प्रयास पर सपा अध्यक्ष पर टिप्पणी की है। पूर्व विधायक ने कहा कि वर्तमान काल में बढ़ती हुई जनसंख्या राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। हमें जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में गंभीरता से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उनके कार्यकर्ताओं द्वारा जाति को लेकर समाज में जातीय विद्वेष फैलाकर हिंदुओं की एकता को तोड़ने का घृणित प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में हम सब को गंभीरता से प्रयास करना होगा।

डीएम का ड्राइवर भी शराब पीकर चलाता है गाड़ी

तीन लोग नशे में पकड़े गए

जहानाबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। जहानाबाद नगर थाना क्षेत्र के ऊंटा मोड़ के पास से गुरुवार की रात पुलिस ने शराब के नशे में डीएम के ड्राइवर समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में अरवल डीएम के ड्राइवर के अलावा पूर्व प्रमुख का पति और एक मुखिया भी शामिल है। पुलिस सबको थाना ले गई। पूछताछ के बाद ब्रेथ एनालाइजर से जांच के बाद शराब पीने की पुष्टि की गई। हालांकि चार लोगों में एक करपी ब्लॉक का कर्मचारी मनोज कुमार भी था लेकिन उसने शराब नहीं पी थी। गाड़ी अरवल डीएम का ड्राइवर ही चला रहा था।

एक कार पर सवार होकर चार लोग अरवल जिले के करपी से जहानाबाद तेज रफ्तार में आ रहे थे। नाका नंबर एक के पास चालक ने गाड़ी से संतुलन खो दिया। अनियंत्रित होने के बाद भी चालक कार को लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन ऊंटा मोड़ के पास नाले में गाड़ी फंस गई। इस दौरान मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। पता चला कि कार सवार चार लोगों में तीन ने शराब पी रखी है। इनके पास से एक बोतल देसी शराब भी मिली।

वीटीआर में रॉयल बंगाल टाइगर और तेंदुआ की मौत

अधिकारियों में हड़कंप, अलग-अलग जगह मिले शव

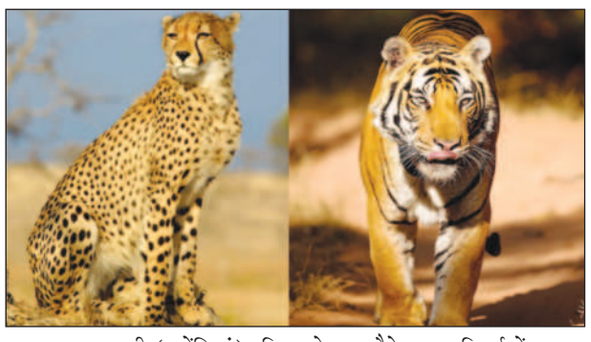

बगहा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के इकलौते टाइगर रिजर्व में गुरुवार को दो अलग-अलग जगहों पर एक रॉयल बंगाल टाइगर और एक तेंदुए का शव मिला। सूचना मिलते ही वन विभाग के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। किन कारणों से बाघ और तेंदुए की मौत हुई है इसका पता नहीं चला है। वन प्रमंडल दो अंतर्गत वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र के रमपुरवा गांव के पास बगीचे के बगल में रॉयल बंगाल टाइगर का शव पड़ा था। इस बाघ को खेत में मिट्टी के अंदर दफन कर दिया गया था। वहीं दूसरी तरफ रमपुरवा गांव के पास रेता के सरेह में एक तेंदुए का शव मिला। इसके बाद वन विभाग के होश उड़ गए। आशंका जताई जा रही है कि दोनों के बीच संघर्ष की लड़ाई हो सकती है जिसके चलते इनकी मौत हुई है। वहीं कुछ लोगों का यह भी कहना है इन दोनों की मौत बिजली के करंट लगने से हुई है। मौत को लेकर क्षेत्र में कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। जानवरों के कीमती अंगों की तस्करी का मामला हो सकता था लेकिन वन विभाग को इसका अंदेशा कम है। कहा गया कि अगर शिकारियों ने इस घटना को अंजाम दिया होता तो जानवरों के शव को वे यहां नहीं छोड़ते। तस्कर शिकार करने के बाद शव को ले जाते। इस मामले में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के वन संरक्षक सह क्षेत्र निदेशक डॉक्टर नेसा मणि ने बताया कि बाघ को जमीन के अंदर दफन पाया गया था। बाघ के शव को देखने से यह लग रहा है कि उसकी मौत कुछ दिन पहले हुई है। बाघ की मौत बिजली के करंट लगने से हो सकती है। जिस गन्ने के खेत में बाघ का शव मिला है उस खेत में बिजली का तार गया है। हो सकता है कि बाघ बिजली के तार में फंस गया हो जिससे उसकी मौत हो गई हो। हालांकि तेंदुए की मौत का कारण पता नहीं चला है।

भागलपुर पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

कार्यक्रम में दिया बड़ा बयान, युवाओं से खास अपील

कार्यक्रम में शामिल हुए मोहन भागवत और किशोर कुणाल

भागलपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के ऐतिहासिक कुप्पाघाट में शुक्रवार को सद्गुरु निवास लोकार्पण समारोह में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। उनके साथ आचार्य किशोर कुणाल भी थे। तय कार्यक्रम के तहत सद्गुरू निवास का लोकार्पण किया गया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बड़ा बयान दिया। कहा कि अपने देश के प्रति एकता व अखंडता को बनाए रखें। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत मां के सम्मान में युवा अपना समय दें। सत्य की परख करने के लिए आध्यात्मिक जरूरी है। इसके पहले संघ संचालक मोहन भागवत का नवगछिया स्टेशन पर स्वागत किया गया। वह नवगछिया से विक्रमशिला पुल होते हुए भागलपुर के कुप्पाघाट पहुंचे थे। आचार्य महर्षि हरिनंदन परमहंस जी महाराज, मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संचालक मोहन भागवत और विशिष्ट अतिथि के रूप में महावीर स्थान न्यास समिति पटना के आचार्य किशोर कुणाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और नारियल फोड़कर उद्घाटन किया।

जेड प्लस के साथ चप्पे-चप्पे पर रही नजर

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की सुरक्षा को देखते हुए पूरी तैयारी की गई थी। जेड प्लस सुरक्षा-व्यवस्था के साथ चप्पे-चप्पे पर 78 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही थी। सुरक्षा को लेकर 300 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

कौन-कौन से कार्यक्रम हुए?

सभी अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों के कुप्पाघाट परिसर में आते ही पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सद्गुरु महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज के निवास का लोकार्पण हुआ। फिर सद्गुरु महर्षि मेंही परमहंस जी महाराज की जीवनी पर आधारित फीचर फिल्म के पोस्टर का अनावरण किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए कुप्पाघाट के मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया था। स्थानीय पुलिस बल और अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। कुप्पाघाट के प्रवेश द्वार से जो भी अंदर जा रहा था उसकी जांच की जा रही थी उसके बाद अंदर प्रवेश कराया जा रहा था।

26 अधिकारियों का तबादला, 7 नए आईपीएस की पोस्टिंग

पटना, 10 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार प्रशासनिक सेवा में बिहार सरकार ने बड़ा फेरबदल किया है। गुरुवार को राज्यपाल के आदेश से कुल 26 अधिकारियों का तबादला किया गया है। इनमें उप सचिव स्तर एवं अपर समाहर्त्ता स्तर के पदाधिकारी शामिल हैं।

सरकार के अवर सचिव सतीश कुमार तिवारी ने तबादले की लिस्ट जारी की है। इनमें छह वैसे पदाधिकारी हैं जो पदस्थापना के इंतजार में थे। इसके अलावा बिहार सरकार को सात नए आईपीएस अधिकारी भी मिले हैं। इनमें तीन पुलिस अधिकारी 2020 बैच के हैं तो चार पुलिस अधिकारी 2021 बैच के हैं। राज्यपाल के आदेश से सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में जिलों में पोस्टिंग मिली है।

कांस्टेबल प्रभा भारती हत्याकांड में एक गिरफ्तार

आरोपी हसन दो सालों से शादी के लिए कर रहा था ब्लैकमेल

कटिहार, 10 फरवरी (एजेंसियां)। कांस्टेबल प्रभा भारती को हाइवे 81 पर बुधवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुरुवार को सात आरोपियों में से एक की गिरफ्तारी की है। बताया जा रहा है कि हसन नाम का एक व्यक्ति दो सालों से प्रभा भारती को ब्लैकमेल कर रहा था। इस मामले में प्रभा भारती ने पुलिस से शिकायत भी की थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी। मृतका के परिजनों ने बताया कि हसन नाम का युवक उसे दो सालों से ब्लैकमेल कर रहा था। हसन जबरन विवाह करने के लिए दबाव बना रहा था। इसके लिए वह उसकी गंदी तस्वीर वायरल करने का धमकी दे रहा था। कुछ तस्वीर वह वायरल कर भी दिया था। उसको जान से मारने की धमकी भी दी इसको लेकर प्रभा भारती ने कोढ़ा थाना और पुलिस मुख्यालय में शिकायत भी कर चुकी थी। इसके बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और हसन ने ही इस हत्याकांड को अंजाम दिया। मृतका प्रभा भारती की बहन प्रतिभा ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि कटिहार के ही हसन नाम का युवक ने अपने प्रेम जाल में फंसाकर शादी करना चाह रहा था लेकिन प्रभा जब शादी से इनकार करते हुए विरोध करने लगी तो दोनों का प्रेम संबंध में ब्रेकअप आ गया। इस बात से खफा होकर छोटू उर्फ हसन अहमद ने दोनों के निजी संबंध का कुछ फोटो वायरल कर उसको शादी के लिए दबाव बनाने लगा। आगे प्रभा भारती की बहन प्रतिभा ने बताया कि इसको लेकर प्रभा ने कई बार कटिहार पुलिस के वरीय अधिकारी से संपर्क कर फरियाद भी की थी लेकिन इस मामले में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। बुधवार की रात प्रभा भारती मुंगेर जमालपुर अपने घर से छुट्टी के बाद कटिहार लौट रही थी। कोढ़ा थाना क्षेत्र के भटवाड़ा पंचायत भवन के पास उसे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

फीस न देने की सजा, बच्चे को 4 घंटे खड़ा रखा

पैरालाइज अटैक से खड़ा होना भी मुश्किल

बलिया, 10 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया में एक टीचर की बर्बरता का मामला सामने आया है। आरोप है कि टीचर ने एक सात साल के बच्चे को चार घंटे तक स्कूल में खड़ा रखा। इससे बच्चे अचेत होकर नीचे गिरा और लकवाग्रस्त हो गया।

इस संबंध में बच्चे के परिजनों ने पुलिस में आरोपी टीचर समेत स्कूल प्रबंधन के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल टीचर, प्रिंसिपल और स्कूल प्रबंधक तीनों फरार हैं।

चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर पुलिस मुस्तैद, सरकारी आवासों की बढ़ाई गई सुरक्षा

चंडीगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मोहाली बॉर्डर पर पुलिस शुक्रवार को पूरे दल-बल के साथ डटी हुई है। पुलिस दोनों ओर से प्रदर्शनकारियों पर नजर रख रही हैं। वहीं दूसरी तरफ कौमी इंसाफ मोर्चा के सदस्य चंडीगढ़ स्थित पंजाब के सरकारी आवास की तरफ कूच करने के प्रयास में है। पुलिस की मानें तो बुधवार को हुए प्रदर्शन में 12 खालिस्तानी संगठन भी शामिल थे। उन्होंने चंडीगढ़ मोहाली बॉर्डर, सेक्टर 52-53 के बैरियर पर हिंसा कर चंडीगढ़ के 13 से अधिक पुलिसकर्मियों को घायल कर दिया। सूत्रों की मानें तो पुलिस को पहले दिन लाठीचार्ज का आदेश नहीं मिला था। इसलिए प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के वाटर कैन भी लूट लिए। चंडीगढ़ पुलिस ने हिंसा में शामिल कई नामजद आरोपियों व अन्यों के खिलाफ हत्या के प्रयास की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शुक्रवार को कंटीली तारें लगाकर बैरिकेडिंग की है। लेकिन ट्रैक्टरों पर सवार होकर आए प्रदर्शनकारियों ने तलवार, डंडों और रॉड समेत अन्य हथियारों से पुलिसकर्मियों पर हमला किया, बैरिकेड्स समेत टियर गैस गन और अन्य सामान भी लूट ले गए थे। पक्का मोर्चा के तहत जिन सिख कैदियों की रिहाई की मांग की जा रही है उनमें पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह का हत्यादोषी और बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी जगतार सिंह हवारा भी है। उसकी फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलते हुए कोर्ट ने उसे आजीवन जेल में ही रखने का फैसला दिया था। वहीं बेअंत सिंह हत्याकांड में फांसी की सजा पाने वाला बलवंत सिंह राजोआणा और दिल्ली के 1993 बम ब्लास्ट का दोषी दविंदर पाल सिंह भुल्लर अहम है।

प्रपोज-डे पर लड़की ने शादी का प्रस्ताव ठुकराया, सिरफिरे आशिक ने चला दिया देशी कट्टा!

इंदौर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। फरवरी का महीना 'प्रेम' का महीना कहा जाता है। वेलेंटाइन-डे मनाने को लेकर युवाओं में क्रेज रहता है। इस महीने में कई युवा प्रेम और शादी के बंधन में बंध जाते हैं। लेकिन मध्य प्रदेश के इंदौर से ऐसी खबर सामने आई है जिसे सुनकर सभी लोग दंग रह गए हैं। जी हां, एक सिरफिरे आशिक का कारनामा सबको चौंका कर रख दिया है। मामला प्रपोज-डे के दिन का है। इस दिन शादी का प्रस्ताव ठुकराने से नाराज एक सनकी प्रेमी ने लड़की पर देशी कट्टे से हमला कर दिया। इस दौरान लड़की का सहकर्मी संस्कार वर्मा बीच-बचाव के लिए आ गया और गोली उसके सिर में लग गई जिससे उसकी मौत हो गई। ये पूरी घटना इंदौर रेलवे स्टेशन परिसर में देर शाम को हुई। जब राहुल यादव नाम के युवक ने अपनी भाभी की छोटी बहन को गोली मारने की नीयत से देशी कट्टा निकाला। यह देख बीच-बचाव करने युवती का सहकर्मी आ गया जिससे लड़की की जान तो बच गई लेकिन उसके सहकर्मी की मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी अपने परिवार सहित घर छोड़कर फरार हो गया है। वहीं 20 साल के युवक के मर्डर से गुस्साए लोगों ने गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर विरोध जताया।

अब दक्षिण अफ्रीका से लाए जाएंगे 16 चीते

सिंधिया ने बताया पूरा प्लान, ये है विकास का नया मॉडल

भोपाल, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत में खत्म हो चुके चीतों की वापसी के लिए प्रोजेक्ट चीता अभियान लांच किया गया है. पिछले साल नामीबिया से चीतों को भारत लाया गया. बताया जा रहा है कि अब जल्द ही एक और चरण में चीते भारत आने वाले हैं. नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कल यानी कहा कि केंद्र सरकार "प्रोजेक्ट चीता" के दूसरे चरण के तहत अगले कुछ महीनों में 14 से 16 और चीतों को भारत लाने की योजना बना रही है. गौरतलब है कि 1952 में छत्तीसगढ़ में आखिरी चीते के शिकार के 71 साल बाद सरकार ने भारत में चीतों की वापसी के लिए "प्रोजेक्ट चीता" लांच किया. प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर नामीबिया से आठ चीते भारत लाए. प्रोजेक्ट चीता के तहत कुनो नेशनल पार्क में पिछले साल 17 सितंबर को ये चीते लाए गए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद चीतों को पार्क में छोड़ा था

दक्षिण अफ्रीका से लाए जाएंगे चीते

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अगले चरण के लिए सरकार की योजनाओं को साझा करते हुए, सिंधिया ने संवाददाताओं से कहा कि आने वाले महीनों में चौदह से सोलह और चीतों को भारत में स्थानांतरित किए जाने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में सरकार प्रोजेक्ट चीता के दूसरे चरण पर काम कर रही है. सरकार ने इसके लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं. उन्होंने बताया कि चीतों को दक्षिण अफ्रीका से लाया जाएगा.

वन्य प्राणियों की संख्या बढ़ी

एक रिपोर्ट के मुताबिक ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार की रणनीति चार प्रमुख स्तंभों जनसंख्या, नीति, लोग और बुनियादी ढांचे पर आधारित है. आपको बता दें कि 2014 के बाद से, भारत में बाघों की आबादी में 33% की वृद्धि दर्ज की गई है. 2018 में बाघों की संख्या 2,226 से बढ़कर 2,967 हो गई. एशियाई शेरों की संख्या भी जहां 2010 में 411 थी वहीं 2020 में बढ़कर 684 हो गई है. जबकि तेंदुओं की संख्या बढ़कर 12,852 हो गई है. वहीं पूर्वोत्तर में गैंडों की आबादी 2016 में जहां 2,600 थी अब बढ़कर 3,000 हो गई है. जबकि देश भर में हाथियों की संख्या 2007 में लगभग 27,000 से बढ़कर अब 32,000 से अधिक हो गई है.

जम्मू कश्मीर के उधमपुर में बस पलटी

कई लोग घायल, मौके पर पुलिस मौजूद

जम्मू, 10 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर के उधमपुर जिले के मोंगरी इलाके में एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से कई लोग घायल हो गए हैं। बस उधमपुर से मोंगरी जा रही थी। ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। मौके पर पुलिस मौजूद है। बीते साल अक्टूबर के महीने भी जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में भयानक बस हादसा हो गया था। सड़क हादसे में एक शख्स की मौत जबकि 67 लोग जख्मी बताए हो गए थे। घायलों को उधमपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ये हादसा उधमपुर के मानसर मोड़ पर हुआ था। उस वक्त भी बताया गया कि ड्राइवर ने बस पर से अचानक नियंत्रण खो दिया और यात्रियों से भरी बस खाई में जा गिरी। पिछली साल अगस्त के महीने में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बड़ा हादसा हो गया था। यहां आईटीबीपी के जवानों से भरी एक बस नदी में गिर गई थी। हादसे में 7 जवान शहीद हो गए थे। कई जवान घायल हुए थे। घायल जवानों में से भी कई जवानों की हालत गंभीर थी, इसलिए उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट करके श्रीनगर ले जाया गया था। जिस बस का एक्सीडेंट हुआ था, उसमें कुल 39 जवान सवार थे। इसमें 37 जवान आईटीबीपी के थे और 2 जवान जम्मू कश्मीर पुलिस के थे। ये हादसा बस के ब्रेक फेल होने की वजह से हुआ और ये जवान चंदनवाड़ी से पहलगाम की ओर जा रहे थे। ये वही जवान थे, जिनकी अमरनाथ यात्रा में ड्यूटी लगी हुई थी।

हरियाणा में चौटाला परिवार की सियासत

डिप्टी सीएम ने पैर छुए तो दादा ने दिया आशीर्वाद

दुष्यंत ने लिखा- चट्टान से इरादों का साथ

हिसार, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाण के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने एक बार फिर से अपने दादा के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया है। साथ ही दोनों के बीच कुछ पल बातचीत भी हुई। दुष्यंत ने अपने सोशल मीडिया अकांउट पर इसकी फोटो शेयर की है। साथ ही लिखा है कि दादा से बात, आशीर्वाद के रूप में हाथ, मजबूत हौसलों, चट्टान से इरादों का साथ। हरियाणा के पूर्व सीएम और पूज्य दादा चौधरी ओमप्रकाश चौटाला से एक वैवाहिक समारोह में पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

दोनों के चेहरे पर मुस्कान

आशीर्वाद लेते समय दुष्यंत के चेहरे पर भी मुस्कान थी और ओपी चौटाला के चेहरे पर भी। ऐसे में दोनों की मुस्कान से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भविष्य में दोनों परिवारों में फिर से सुलह हो सकती है। दुष्यंत की यह फोटो वायरल होते ही उनके पार्टी पदाधिकारियों ने इसे अपने सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया।

दादा के खिलाफ कभी नहीं बोले दुष्यंतः दिग्विजय

गौरतलब है कि हरियाणा के बड़े राजनीतिक घराने चौटाला परिवार में 2018 में मतभेद पैदा हो गए थे। इसके बाद अजय चौटाला ने जननायक जनता पार्टी का गठन किया। इनेलो से अलग होने के बाद भी अजय चौटाला, दुष्यंत और दिग्विजय चौटाला ने ओपी चौटाला के प्रति कोई बयानबाजी नहीं की। साथ ही पार्टी वर्करों को भी इसकी नसीहत दी थी। हालांकि तीनों अभय चौटाला पर समय-समय पर वार करते रहे हैं।

विकास यात्रा ले जा रहे भाजपा विधायक धर्मेंद्र सिंह को वॉर्डवासियों ने रोका, चार साल का मांगा हिसाब

दमोह, 10 फरवरी (एजेंसियां)। दमोह में विकास यात्रा लेकर बादीपुरा गांव जा रहे जबेरा के भाजपा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी का काफिला चोंरई वॉर्ड के निवासियों ने रोक लिया और अपनी समस्या से अवगत कराते हुए उनसे पिछले साढ़े चार साल के कामकाज का हिसाब मांगा। इस दौरान एक युवक ने विधायक पर उससे अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों के साथ थाने में आवेदन दे दिया। बता दें, चोंरई तेंदूखेड़ा नगर परिषद के अंतर्गत आता है और यहां पर तीन वॉर्ड आते हैं। स्थानीय लोग यहां की मूलभूत समस्याओं से परेशान हैं। वॉर्डवासियों का आरोप है कि नगर परिषद में वह शिकायत करने जाते हैं तो ना अध्यक्ष सुनते हैं न सीएमओ इसलिए उन्होंने

विधायक को रोककर अपनी समस्या से अवगत कराया है। चोंरई के अंतर्गत नगर के वॉर्ड 13, 14 और 15 आते हैं। यहां के लोगों ने विधायक को रोका और उनसे कहा कि उनके वॉर्ड में गंदगी फैली है साफ सफाई नहीं होती, जिससे मच्छर पनप रहे हैं। आवागमन के लिए मार्ग भी नहीं है, जिससे उनके छोटे-बड़े वाहन निकलने में काफी समस्या आती है। साथ ही जो आवास योजना है उसका भी लाभ नहीं मिला है। जिन्हें मिला है उनको तीसरी किस्त अभी तक नहीं मिली है। जिससे उनके मकान आज भी अधूरे पड़े हुए हैं। वॉर्डवासियों की बात सुनकर विधायक तत्काल अपने वाहन से उतरे और उन्होंने वॉर्डवासियों की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन देते हुए मौके से ही फोन लगाया और उसके बाद आगे बढ़े। विधायक के जाने के लगभग दो घंटे बाद भगवती संगठन के सदस्य तेंदूखेड़ा थाने पहुंचे और उन्होंने एक लिखित आवेदन दिया, जिसमें उन्होंने बताया कि जिस समय चौरई में विधायक लोगों की समस्याएं सुन रहे थे, उसी समय भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्य और लक्ष्मण रैकवार भी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने विधायक और वॉर्डवासियों के बीच हुए वार्तालाप का वीडियो बनाना शुरू किया,

पंजाब सीएम भगवंत मान की पत्नी के साथ अब 15 के बजाय चलेंगे 40 पुलिसवाले

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर की सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। पहले उनके उनके साथ 15 पुलिसवाले चला करते थे अब करीब 40 जवान उनकी सुरक्षा में तैनात होंगे। भगवंत मान ने पिछले साल जुलाई में गुरप्रीत कौर से शादी की थी।

क्यों बढ़ाई गई सुरक्षा?

एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट (एस पी यू) एके पांडे ने सभी जिला पुलिस प्रमुखों, पुलिस आयुक्तों और पुलिस रेंज के प्रमुखों को सीएम की पत्नी के लिए सुरक्षा कवर बढ़ाने का निर्देश दिया है। एडीजीपी पांडे ने कहा, "यह मेरे संज्ञान में लाया गया है कि मुख्यमंत्री की पत्नी गुरप्रीत कौर मान के दौरे के दौरान अक्सर लोगों को सुरक्षा घेरा तोड़कर उनके पास पहुंच जाते हैं। बड़ी संख्या में संरक्षित व्यक्ति की स्पर्श दूरी।" एडीजीपी के द्वारा यह निर्देश 6 फरवरी को जारी किया गया था। हिंदुस्तान टाइम्स ने उस पत्र को हासिल कर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रकाकिश की है। पत्र में कहा गया है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि सुरक्षा प्राप्त करने वाले को कोई शारीरिक नुकसान न हो, उसके दौरे के दौरान नए सुरक्षा उपायों को तुरंत लागू करने की आवश्यकता है।

कौन हैं गुरप्रीत कौर?

गुरप्रीत कौर पेशे से डॉक्टर हैं। उनका जन्म 28 नवंबर 1990 में हुआ था। वह एक सिख परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनकी उम्र 33 साल है। उन्होंने अंबाला के मौलाना मेडिकल कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई की है। सीएम मान के लिए गुरप्रीत कौर को उनकी मां और बहन ने चुना था। दोनों परिवारों में पहले से दोस्ताना रिश्ता भी है। डॉक्टर कौर का परिवार मूल रूप से हरियाणा का रहने वाला है। हालांकि वर्तमान में परिवार पंजाब के राजपुरा में रहता है। गुरप्रीत कौर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की दूसरी पत्नी हैं। मान की पहली इंदरप्रीत कौर थीं, जिनसे उनका तलाक साल 2015 में हो गया था। इंदरप्रीत कोर वर्तमान में अपने दो बच्चों के साथ अमेरिका में रहती हैं। तलाक के सात साल बाद मान ने 7 जुलाई 2022 में गुरप्रीत कौर से दूसरी शादी की थी। डॉ कौर पहले राजपुरा में प्रैक्टिस कर रही थी। लेकिन अब उन्हें राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते देखा जा रहा है। कुछ महीने पहले वह पंजाब की महिला आप कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करती नजर आयी थीं। साथ ही वह भगवंत मान के साथ कई प्रमुख कार्यक्रमों में भी शिरकत करने देखी जा रही हैं।

हिसार में कश्मीरी युवकों के 3.45 लाख रुपए चुराए

हिसार सिटी, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार में शाल बेचने वाले कश्मीरी युवक के घर दिन दहाड़े चोरी हो गई। चोर 10-15 मिनट में ही 3 लाख 45 हजार रुपए निकालकर फरार हो गया। शाल बेचने के बाद व्यक्ति वापस आए तो कमरों के दरवाजे खुले थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। 7 कश्मीरी युवक 3 महीने से गली-गली शाल बेच रहे थे और ये रुपए एकत्रित किए थे। एचटीएम थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घर से निकला एक संदिग्ध युवक सीसीटीवी में कैद हुआ है।

कमल नाथ के चुनाव लड़ने पर बढ़ा सस्पेंस, बयानों के बीच ढाल बनी पार्टी, दिल्ली तक हलचल

भोपाल, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेशलगता है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस में चुनाव से पहले नेताओं के बीच अंदरुनी संग्राम शुरू हो गया हैं। सीएम फेस को लेकर हो रही चिक-चिक दिल्ली तक गूंजी, जिस पर आलाकमान ने नाराजगी जताई। अब कमलनाथ ने विधानसभा चुनाव न लड़ने का बयान देकर नई हलचल मचा दी। हालांकि सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुए नाथ के बयान के बाद पार्टी ने कुछ देर बाद खंडन भी जारी किया। कहा गया कि कमलनाथ के चुनाव न लड़ने की ख़बरें पूरी तरह से भ्रामक है। दूसरी तरफ पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने अरुण यादव

और राहुल सिंह को अपरिपक्व नेता करार दिया। एमपी कांग्रेस में पार्टी के अंदर ही नेताओं के बयान एक के बाद एक विस्फोट कर रहे हैं। सीएम फेस को लेकर कमलनाथ के खिलाफ पूर्व अध्यक्ष अरुण यादव फिर नेता प्रतिपक्ष राहुल सिंह ने बयान देकर धमाका किया। फिर कमलनाथ ने राजधानी भोपाल में मीडिया के सामने चुनाव न लड़ने की बात कहकर नई बहस को जन्म दे दिया। सोशल मीडिया पर जैसे ही कमलनाथ का यह बयान वायरल हुआ तो पार्टी खेमे के दिग्गज नेताओं में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पार्टी की ओर से थोड़ी देर बाद नाथ के चुनाव न लड़ने के बयान का खंडन किया। बताया गया कि मीडिया में चल रही ख़बरें भ्रामक है। इधर सीएम फेस को लेकर कमलनाथ ने भी स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी पद की लालसा नहीं है। उनका मकसद सिर्फ मप्र को सुरक्षित रखना है। वह सिर्फ एक सीट पर रहकर फंसना नहीं चाहते, उन्हें सभी 230 सीट देखना हैं। जिन जगहों पर कांग्रेस लगातार हार का मुंह देख रही है, वहां अच्छे चेहरों की तलाश कर रहे है ताकि प्रत्याशियों को चुनावी तैयारी का भरपूर वक्त मिले। सीएम फेस के मुद्दे पर गरमाई सियासत पर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा भी मैदान में आ गए। उन्होंने कहा कि अरुण यादव और राहुल सिंह अपरिपक्व नेता है। इन बयानों के बीच फिलहाल कमलनाथ के चुनाव लड़ने को लेकर सस्पेंस जरुर बढ़ गया।

पानीपत में बेटी पैदा होने पर मां को निकाला बाहरः4 साल पहले कोर्ट मैरिज हुई थी

पानीपत, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के एक गांव की महिला को बेटी पैदा होने पर ससुरालियों ने उसे बेटी समेत घर से बाहर निकाल दिया। आरोपी, पहले महिला को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। इसके बाद उसे बेटी पैदा हुई तो उसे घर से ही बाहर निकाल दिया। जिसकी शिकायत महिला ने पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी पति, सास और मौसी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

रतलाम में दर्दनाक हादसा, बाइक सवार महिला को डंपर ने कुचला, मौके पर ही मौत

रतलाम, 10 फरवरी (एजेंसियां)। रतलाम जिले के जावरा चौपाटी क्षेत्र में गुरुवार की शाम एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी महिला डंपर के पिछले टायर की चपेट में आ गई, जिसके चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी डंपर छोड़कर मौके से भाग गया। दर्दनाक सड़क हादसे की पूरी तस्वीर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस के अनुसार घटना में गोठड़ा निवासी अंगूरबाला की मौत हुई है। अंगूरबाला गांव के ईश्वर नामक व्यक्ति के साथ जावरा बस स्टैंड की ओर आ रही थी। वह जावरा चौपाटी क्षेत्र में पहुंचे ही थे कि तभी पीछे से तेज रफ्तार डंपर उन्हें ओवरटेक कर आगे निकलने के चक्कर में टक्कर मारकर निकल गया। टक्कर लगते ही चालक बाइक सहित सड़क पर आ गिरा और महिला डंपर के पिछले हिस्से की चपेट में आ गई। जावरा चौपाटी पर हुई घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल पहुंचाया। घटना में बाइक सवार युवक को मामूली चोटें आई है, उसका प्राथमिक उपचार कर डिस्चार्ज कर दिया गया है। वहीं, पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। साथ ही महिला की मौत पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जम्मू-कश्मीरः पुंछ के बालाकोट में छात्राओं से बदसलूकी का आरोप

शिक्षक को निलंबित कर दफ्तर में किया गया अटैच

पुंछ, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पुंछ के मेंढर उपजिला की बालाकोट तहसील के एक सरकारी मिडिल स्कूल में छात्राओं से बदसलूकी करने के आरोप में एक शिक्षक को निलंबित किया गया है। साथ ही उसे उप मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अटैच करने किया गया है। आरोपी शिक्षक की पहचान मोहम्मद ताज नियाजी के रूप में हुई है। बालाकोट जोनल शिक्षा अधिकारी मोहम्मद इफतिखार अहमद ने मिडिल स्कूल धार घलून का दौरा किया था। इस दौरान एक शिक्षक ही उपस्थित मिला, जबकि पांच में से एक महिला शिक्षक कैजुअल लीव पर थी। सभी गैरहाजिर शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं, एक अन्य हायर सेकेंडरी स्कूल का दौरा किया, जहां दो छात्राओं को रोते हुए देखा। पूछने पर उन्होंने शिक्षक की ओर से की गई बदसलूकी की जानकारी दी। आरोप एवं अपराध की

संगीनता को देखते हुए उसे निलंबित करने के साथ ही उप मुख्य शिक्षा अधिकारी पुंछ के मेंढर कार्यालय में अटैच किया गया है। जम्मू के जानीपुर पुलिस ने नाबालिग के साथ अश्लील हरकत करने पर एक आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सतवीर सिंह निवासी सुंदरबनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सतवीर सिंह जानीपुर में रिश्तेदार के घर शादी में शामिल होने गया था। इस दौरान उसने 12 साल की नाबालिग के साथ अश्लील हरकत की। नाबालिग के घर वालों ने पुलिस थाने में शिकायत की। परिवार के सदस्यों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

एक बार फिर जोर पकड़ सकता है किसान आंदोलन

20 मार्च को दिल्ली कूच की तैयारी

चंडीगढ़, 10 फरवरी (एजेंसियां)। किसानों का आंदोलन फिर एक बार जोर पकड़ सकता है। संयुक्त किसान मोर्चा ने दोबारा एक बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। किसान 20 मार्च को दिल्ली कूच कर महापंचायत की तैयारी में हैं। हरियाणा के कुरुक्षेत्र की जाट धर्मशाला में गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा की एक बैठक हुई। इस बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा ने 20 मार्च को दिल्ली कूच कर महापंचायत करने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार किसान आंदोलन के दौरान सरकार ने जो किसानों से वादे किए थे, वो अभी तक पूरे ना होने की वजह से किसान दोबारा दिल्ली में एक महापंचायत की तैयारी करने जा रहे हैं। आपको बता दें कि पिछली बार किसान आंदोलन बहुत लंबा चला था और किसानों ने सरकार के सामने अपनी कुछ मांगे रखी थी। सरकार ने किसानों की मांगें सुनकर किसानों के साथ बात कर आंदोलन को शांत कराया था। संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारियों का कहना है कि लंबित मांगों को लेकर किसान फिर से आंदोलन करने को मजबूर हुए हैं। इन मांगों को लेकर देशभर के किसान अब 20 मार्च को दिल्ली की ओर कूच करेंगे। उनका कहना है किसान आंदोलन के समय सरकार ने जो वादे किए थे वो अभी तक पूरे नहीं किए हैं। सरकार अपने वादों को भूल गई है। ऐसे में सरकार को उन वादों को याद दिलाने के लिए दिल्ली में महापंचायत की जाएगी। वहीं इसी महापंचायत में किसान आंदोलन को लेकर फैसला किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा की इस बैठक में यूपी, हरियाणा, पंजाब समेत कई प्रदेशों के किसान संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए थे।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 11 फरवरी- 2023

आरोप पर आरोप

जब से देश की राजधानी दिल्ली में आप पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री बने हैं तभी से सरकार किसी न किसी आरोपों में हमेशा घिरी ही रहती है। एक आरोप से छुटकारा मिलता नहीं कि दूसरा घेर लेता है। इससे आए दिन राजधानी का सियासी पारा चढ़ जाता है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया नई आबकारी नीति के जरिए हुए घोटाले के आरोप से जूझ ही रहे हैं कि उन पर अब जासूसी कराने का आरोप लग गया है। सीबीआई ने उपराज्यपाल से उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की है। खबरों के अनुसार करीब सात साल पहले दिल्ली सरकार ने भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के मकसद से 'फीडबैक यूनिट' का गठन किया था, जिसके जरिए उस पर राजनीतिक खुफिया जानकारी इकट्ठा करने का आरोप है। इस तथ्य का भंडाफोड होने के बाद भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर हल्लाबोल दिया है। पता चला है कि उपराज्यपाल ने सीबीआई की सिफारिश मंजूर करते हुए कार्रवाई की सिफारिश राष्ट्रपति के पास भेज दी है। ऐसे में एक बार फिर आम आदमी पार्टी आबकारी ने अपना पुराना राग अलापते हुए कहना शुरू कर दिया है कि केंद्र सरकार मनीष सिसोदिया को जेल भेजने के बहाने तलाश रही है। इसके लिए वह जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। मगर पारदर्शिता का दावा करने वाली दिल्ली सरकार को अपने किसी मंत्री या नेता के ऊपर लगे किसी आरोप को बयानबाजी के जरिए निपटाने के बजाय तथ्यों के जरिए साफ करने का प्रयास करना चाहिए। दिल्ली सरकार ने सतर्कता विभाग को मजबूत बनाने और विभिन्न सरकारी दफ्तरों के कामकाज की जानकारी इकट्ठा करने के लिए 'फीडबैक यूनिट' का गठन किया था। यह यूनिट जब गठित हुई थी तभी इसे उचित नहीं माना गया था। बाद में खुद सतर्कता निदेशालय के एक अधिकारी ने सीबीआई से इस विभाग की शिकायत की थी। तत्कालीन उपराज्यपाल नजीब जंग ने उसके गठन को नामंजूर कर दिया था। हालांकि सीबीआइ का मानना है कि उस एक साल के भीतर दिल्ली सरकार ने उस इकाई के जरिए करीब सात सौ सूचनाएं एकत्र की थी। माना कि सरकारों को अपने विभागों में अनियमितताओं पर नजर रखने और उन्हें रोकने के लिए उपाय जुटाने का अधिकार है। लेकिन इसके लिए पहले से एक स्थापित ढांचा है। सरकारी दफ्तरों में अनियमितताओं पर नजर रखना सतर्कता विभाग का ही काम है। इसलिए दिल्ली सरकार से अपेक्षा की जाती थी कि वह उसी को सुदृढ़ करे, न कि उसके समांतर एक नई व्यवस्था खडी कर दे। इसलिए सतर्कता निदेशालय के अधिकारियों की पीड़ा समझी जा सकती है। फिलहाल, बात यहीं तक होती, तो गनीमत थी। बताया जा रहा है कि सतर्कता विभाग के समांतर गठित 'फीडबैक यूनिट' विभिन्न राजनेताओं और अधिकारियों के बारे में जासूसी करती थी। अगर इस बात में तनिक भई सच्चाई है, तो इससे एक बात तो स्पष्ट है कि दिल्ली सरकार इस इकाई के मार्फत अपने खिलाफ गतिविधियों में संलग्न लोगों पर नजर रखने, उनकी बातचीत सुनने की कोशिश कर रही थी। बता दें कि जासूसी के लिए संवैधानिक नियम-कायदों के मुताबिक एजेंसियों का गठन किया गया है। उनके ढांचे में तोड़-फोड़ या उनके समांतर कोई अलग एजेंसी खड़ी करने का अधिकार किसी को भी नहीं है। फिर, बिना आवश्यक वैधानिक आधार के किसी की जासूसी करना जुर्म नहीं तो और क्या है? इसीलिए पेगासस का मामला उजागर हुआ तो केंद्र सरकार भी निशाने पर आ गई थी। हालांकि दिल्ली सरकार के खिलाफ सीबीआई की ताजा सिफारिश में कितनी सच्चाई है, यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। बहरहाल, 'फीडबैक यूनिट' को वैधानिक मान्यता नहीं मिल पाई थी, फिर भी उसने कैसे, क्यों और क्या जासूसी की, इसकी जांच तो होना जरूरी है ही।

चीन का वेलेंटाइन अमेरिका

सुनील कुमार महला

यूं तो गुब्बारा बच्चों के खेलने-खिलाने की विषय-वस्तु है लेकिन एक गुब्बारा दो देशों के बीच तनाव बढ़ा सकता है, ये हमें हाल ही में समझ में आया। अमरीका भी कमाल का कंट्री है, चीन के गुब्बारे को सुपरसोनिक मिसाइल से नष्ट किया, और चीन-अमरीका के बीच कूटनीतिक संकट पैदा हो गया। अब बात ये है कि आदमी को इतना भी एडवांस नहीं होना चाहिए कि कम्प्यूटर यह कहने लगें कि अब आप जा सकते हैं, मुझे आपकी जरूरत नहीं है। अमरीका का दावा है कि यह गुब्बारा मामूली नहीं था और यह उनके सैन्य-ठिकानों की जासूसी कर रहा था। यदि अमरीका की इस बात को एकदफा मान भी लिया जाए तो गुब्बारे को राजनीतिक स्टंट दिखाते हुए मिसाइल से नष्ट करने की भला कहाँ तक जरूरत थी ? वैसे चीन की भी दाद देनी पड़ेगी कि उसने अमरीका तक गुब्बारा उड़ा दिया। चीन गुब्बारा उड़ाने में माहिर है और अमरीका मिसाइल चलाने में।

चीन का कहना है कि यह 'मौसमी गुब्बारा' मात्र था और अमरीका का कहना है कि यह 'निगरानी गुब्बारा' था। जो भी हो, लेकिन एक बात तो तय है कि दोनों ही देशों ने 'टेक्नोलॉजी' की दिशा में कमाल कर दिया। चीन से अमरीका की दूरी लगभग 9600 किलोमीटर है। जब चीन एक गुब्बारे को इतनी दूरी तक उड़ा सकता है और अमरीका उसे अपनी 'सुपरसोनिक मिसाइल' से मार सकता है तो हमें लगता है कि दोनों देश गुब्बारा-गुब्बारा,मिसाइल-मिसाइल खेल रहे हैं और खेल-खेल में अपनी टेक्नोलॉजी का बेहतरीन उपयोग कर रहे हैं। खैर, हमें तो लगता है कि चीन ने वेलेंटाइन डे को नजदीक देखकर गुब्बारा उड़ाया था और उसे पूरी उम्मीद थी कि 12 फरवरी, यानी 'हग-डे' तक गुब्बारा अमेरिका पहुंच जाएगा। चीन गुब्बारे की सहायता से अमरीका को 'हग' करना चाहता है और अमेरिका के साथ अपने छत्तीस के आंकड़ें को ठीक करना चाहता था लेकिन अमेरिका ने बड़ा 'बेआबरू' होकर अपनी सुपरसोनिक मिसाइल से 'चीन के हग' की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। गुब्बारे के कूचे से 'हग' की बजाय 'मिसाइल' निकल गई। अब चीन चिल्ला रहा है-' चीन का हग। अमेरिका ठगों का है ठग। इस तरह से चीन की वेलेंटाइन उम्मीदों पर 'मिसाइल' फिर गई। वेलेन्टाइन-डे अभी चौदह फरवरी को है, दो दिन बाकी है। चीन ने अपना वेलेंटाइन पाने के खातिर दूसरा गुब्बारा छोड़ा है और गा रहा है-'जहाँ मैं (गुब्बारा) जाऊं वहाँ न चले आना, चोरी-चोरी मिसाइल न चलाना, मेरे वेलेंटाइन के बारे में किसी ओर को न बताना।' चीन-झीन चुंग सुंग अब भी अब सुर में सुर मिलाने लगे हैं और अमेरिका को संबोधित करते हुए गाने लगे हैं-'अहसास तेरा होगा हम पर, दिल चाहता है गुब्बारा सीमा में पहुंचने दो, हमें तुमसे मुहब्बत हो गई है, हमें अमरिका सीमा में रहने दो...!'

राष्ट्रीय चुनौतियां बनाम दीनदयाल उपाध्याय

जैसा कि सभी को विदित है, भरतपुर आरंभ से ही एक जाट रियासत रही है अतः जातिवाद के अनुरूप जाट वहां की राजनीति में प्रभावी थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय भरतपुर में जनसंघ की एक बैठक ले रहे थे। बैठक के दौरान उन्होने कहा कि सभी जातियों को जनसंघ से जोडना चाहिए और इस तरह से सभी का समावेश करके हम अपना कार्य सर्वस्पर्शी बनायें, यह प्रयास होना चाहिए। इस पर वहां पर उपस्थित एक कार्यकर्ता ने दीनदयाल जी से सवाल किया कि हम तो एक तरफ जातिवाद का विरोध करते है और दूसरी तरफ जातियों को लेने की बात करते है, कया यह दोहरा आचरण नही?इस पर पंडित दीनदयाल ने जो जवाब दिया वह सचमुच आंखे खोल देने वाला था उन्होने कहा कि हमें जनसंघ का जातीयकरण नही बल्कि सभी जातियों का भारतीयकरण करना है, लेकिन इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमें अपने कार्य को सर्वस्पर्शी बनाना होगा और सभी जातियों का समावेश पार्टी में हो यह आवश्यक है, पर जातिवाद पार्टी में न हो यह भी हमें ध्यान रखना होगा। पंडित जी का स्पष्ट मानना था कि जातियों के भारतीयकरण से देश मे जातिवादी समस्या कभी नही आयेगी। अब यह कहने की जरूरत नही कि यदि स्वतंत्र भारत के शासको में आरंभ से ही यह दृष्टि रही होती तो आज भारत को न उस भयावह जाति की विभीषिका से सामना करना पडता और न उस अलगाववादी साम्प्रदायिक समस्या से। जातीयता का भीषण निहितार्थ यह है कि एक ओर तो अधिकांश जातियॉ आरक्षण के घनचक्कर में है, तो दूसरी तरफ देश की आजादी के इतने दिनों बाद और संविधान में जातिविहीन एवं वर्गविहीन समाज की स्थापना का संकल्प लेने के बावजूद हमारी सरकार जातियों के आधार पर जनगणना करा रही है। अब आगे इसके क्या अंजाम होगा कहां नही जा सकता। पर ऐसी आशंका है कि कही जातियों की संख्या के आधार पर सुविधाए और हक मागने की दौड न शुरू हो जाय। वस्तुतः दीनदयाल जी की दृष्टि मे इन चुनौतियों का एक ही जवाब था- सभी जातियों का ही नही सम्प्रदायों का भी भारतीयकरण हो। भारतीय राजनीति के आज का परिदृश्य कैसा है, नेताओं का आचरण कैसा है, अपना झूठा प्रचार एवं वैभव दिखाने की जहां होड लगती हो, स्वार्थो के पूर्ति के लिए जहां शर्मो - हया किनारे कर दी जाती हो। वही पंडित जी रेल्वे कें द्वितीय श्रेणी के डिब्बो मे यात्रा करते थे, गतब्य के पूर्व के स्टेशनों पर उन्हे उतरना व जय-जयकार के नारो व मालाओं से चिढ़ थी। स्टेशन पर उतरने पर ही रिक्शा, तांगा जो भी मिल जाता था, उसमें बेझिझक बैठ जाते थे। वह अपने कपडे स्वतः धोते और जरूरत पडने पर सिलाई भी कर लेते थे। कल्पना की जावे कि यदि भारत को ऐसे राजनैतिक प्रतिनिधि मिले तो क्या देश की सूरत और सीरत नही बदल सकती ? क्योंकि देश की सारी समस्याओं की जड फिजूलखर्ची,प्रदर्शनप्रियता और''लूट सकै से लूट'' के राजनैतिक दर्शन में निहित है। एकात्म मानववाद का प्रवर्तन करते समय उसमें चर्चा हेतु सैकडों व्यक्तियों को उन्होने आमंत्रित किया था। विस्तृत चर्चा के उपरांत भी उन्होने कहां कि कार्यकर्ता इस पर विरोधी विचारधारा वाले लोगो यहां तक कि कम्युनिष्टों तक से चर्चा करें व अपने संशोधन व सुझाव भेजे। जैसा कि अपने शास्त्रो मे कहा गया है कि वादे-वादे जायते तत्व बोधे। यानी कि कई तरह के बहस के उपरांत ही तत्व का बोध होता है। पंडित जी ने उसी दर्शन के अनुरूप अपने पांचवें वेद सरीखे ''एकात्म मानववाद'' पर सभी किस्म की बहस व विचार के लिए आंमत्रित किया। ऐसा थी पंडित जी की सहिष्णुता और विरोधियों तक के प्रति सम्मान की वृत्ति। अपनी बातो के लिये कोई दुराग्रह नही, सर्वत्र खुलापन और विचार-विमर्श जो किसी भी लोकतंत्र का प्राण तत्व है। आज के राजनैतिक परिवेश में जब विभिन्न दलो के नेताओं में ही नही एक ही दल के नेताओं में आपस मे इतनी कटु- स्पर्धा और अपने विचार के प्रति दुराग्रह देखने को मिलता है, तो क्या पंडित जी को उपरोक्त वृत्तियां आज इन ज्वलन्त राष्ट्रीय चुनौतियों का जबाव नही। पंडित जी ऐसे अर्थ-संकल्प के पूरी तरह खिलाफ थे जिस अर्थ-संकल्प के चलते गरीबों का अर्थ-संकल्प बिगड़ता हो। अब इस संदर्भ में देखा जा सकता है कि स्वतंत्र भारत में सरकारों की आर्थिक नीतियों के चलते अमीर और अमीर हुआ तथा गरीब और गरीब हुआ है। जीडीपी बढ़ाने के चक्कर में महगाई का घनचक्कर ऐसा बढ़ा है कि गरीबों का जीवन अत्यन्त कष्टसाध्य हो गया। पंडित जी की राष्ट्रनीति में स्व. अन्यंत महत्वपूर्ण था। जैसे स्वतंत्रता,स्वराज्य, स्वभाषा, स्वालम्वन स्वदेशी इत्यादि। उनकी स्वतंत्रता की अवधारणा इन सभी स्व के पूरा होने पर ही निर्मित होती है। यह कहने की जरूरत नही थी इस कसौटी पर हम खरे नही उतर सके है। पंडित जी हमारी दुव्यवस्था का मूल कारण बताते हुये कहते हैं कि हमने अर्थशास्त्र का नीतिशास्त्र से कोई संबधं नही रक्खा और न ही राजनीति शास्त्र का संबंध धर्मशास्त्र से रक्खा। उनका कहना था कि किसी भी पद्धति, प्रणाली या वाद का भवन यदि धर्म, देशप्रेम और एकात्म समाज की नीव पर खड़ा होगा तभी वह कल्याणकारी होगा। पंडित जी की अर्थनीति लकीरी-फकीरी के आधार पर नही, बल्कि यथार्थ के भित्ति पर आधारित थी। वह किसी रूस या अमरीका के नकल पर भी आधारित नही थी। एसी लकीरी- फकीरी नेताओं का ही परिणाम यह हुआ कि हमारी सरकारों ने गोवंश हत्या को चालू रखकर गोबर खाद को नष्ट होने दिया और विदेशों से रासायनिक खाद मंगाकर खेतो को बंजर बनाने और पर्यावरण को बिगाड़ने में योगदान दिया। पंडित जी इस सूत्र को भली-भांति समझते थे कि ''राजा कालस्य कारण'' यानि राजा ही काल का कारण होता है। कहने का आशय कि शासक के चरित्र एवं नीतियों पर ही जन एवं देश प्रभावित होता है। राम जैसे राजाओं के चलते रामराज आता है, इसीलिये पंडित जी मानते थे कि सत्ता प्रकृत्ति- क्रम से नही आती बल्कि इतिहास क्रम से आती है। उन्होने उदाहरण देकर बताया कि औरंगजेब के बाद मुगलों का साम्राज्य चाहे जितना कमजोर हुआ हो, पर यदि शिवाजी का अभ्युदय न हुआ होता तो मुगल साम्राज्य नष्ट न होता। कहने का आशय यह कि समय की धारा को शिवाजी सदृश्य लोग ही बदल सकते है। जैसा कि वर्तमान में नरेन्द्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री में यह क्षमता देखी जा रही है। आज जब सम्पूर्ण राष्ट्र में, राजनैतिक दलों में सत्ताकांक्षा सिद्धान्तहीनता के चलते अनुशासन का घोर संकट व्याप्त है। तब पंडित जी के लिए दल के कार्यकताओं के अनुशासन का प्रश्न केवल संगठन को पूर्ण स्वस्थ्य रखने के लिये ही नही, जनता के आचरण पर उसके प्रभाव की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। उनका कहना था कि जनता में विधि-व्यवस्था का संरक्षक बनने की आकांक्षा रखने वाले दलो को स्वयं इस दिशा में उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उनका मानना था कि यदि राजनैतिक दल स्वयं को शासित नही कर सकते तो समाज से स्वशासित रहने की अपेक्षा कैसे कर सकते है ? इसीलिए उनका कहना था कि राजनैतिक दल एक आचरण संहिता निर्धारित करें और कड़ाई से उसका पालन करें। राजनैतिक दलों में अनुशासन का उनके लिये वही महत्व था जो समाज के लिए धर्म की। उनकी विराट और चिति की अवधारणा राष्ट्रीय चुनौतियों का एक मात्र जवाब है क्योंकि विराट जहां देश की संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से राष्ट्र की प्राणशक्ति है वही चिति हमारी राष्ट्रीय चेतना का सारभूत स्वरूप है। स्वतंत्र भारत ने दोनो को योजनानुसार कमजोर किया गया। संवैधानिक संस्थाओं में दागी और व्यक्तिनिष्ठा से भरपूर लोगो को बैठाकर तो चिति को भगवा आतंकवाद या हिन्दु आंतकवाद कहकर कमजोर करने का प्रयास किया गया। इस तरह से समग्रता में पंडित जी का चितंन जहां एक ओर राष्ट्रीय चुनौतियों का समाधान है वही वैभवशाली और महान राष्ट्र बनाने का एकमेव रास्ता है।

-वीरेन्द्र सिंह परिहार

पंचायतों पर पहरा, ग्रामीण विकास ठहरा

डॉ सत्यवान सौरभ

आजकल हमें ऐसी ख़बरें सुनने और पढ़ने को मिल रही है कि देश के अमुक गांव के सरपंच ने कर्ज के चलते आत्महत्या कर ली। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? भारत की पंचायती राज प्रणाली में गाँव या छोटे कस्बे के स्तर पर ग्राम पंचायत या ग्राम सभा होती है जो भारत के स्थानीय स्वशासन का प्रमुख अवयव है। सरपंच, ग्राम सभा का चुना हुआ सर्वोच्च प्रतिनिधि होता है। प्राचीन काल से ही भारतवर्ष के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक जीवन में पंचायत का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। सार्वजनिक जीवन का प्रत्येक पहलू इसी के द्वारा संचालित होता था। वर्तमान में ई-पंचायत के विरोध में हरियाणा प्रदेश भर में ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवों द्वारा धरने दिए जा रहे हैं और बीडीपीओ कार्यालय को ताले जड़े जा रहे हैं, सरकार ग्राम पंचायत में ई-प्रणाली शुरू करने जा रही है। हरियाणा के सरपंचों का कहना है कि ग्राम पंचायत में इस तरह की प्रणाली पर काम नहीं हो पाएगा। ऐसे में गांवों के विकास कार्य प्रभावित होंगे। विकास कार्य न होने पर ग्रामीण भी सड़कों पर उतर जाएंगे। भारतीय संविधान में 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए स्थानीय लोगों की भागीदारी का प्रावधान किया गया है। 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों के तीन दशक से भी अधिक समय के बाद, राज्य सरकार, स्थानीय नौकरशाही के माध्यम से, पंचायतों पर काफी विवेकाधीन अधिकार और प्रभाव का प्रयोग करना जारी रखती हैं। भारत में, स्थानीय निर्वाचित अधिकारियों (जैसे कि तेलंगाना में ये सरपंच) की शक्तियाँ राज्य सरकारों और स्थानीय नौकरशाहों द्वारा कई तरह से गंभीर रूप से सीमित रहती हैं, जिससे स्थानीय रूप से निर्वाचित अधिकारियों को सशक्त बनाने के लिए संवैधानिक संशोधनों की भावना कमजोर होती है। ग्राम पंचायत रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए राज्य और केंद्र से मिलने वाले अनुदान (विवेकाधीन और गैर-विवेकाधीन अनुदान) पर आर्थिक रूप से निर्भर रहती हैं। मोटे तौर पर, पंचायतों के पास धन के तीन मुख्य स्रोत -राजस्व के अपने स्वयं के स्रोत (स्थानीय कर, सामान्य संपत्ति संसाधनों से राजस्व, आदि), केंद्र और राज्य सरकारों से सहायता अनुदान, और विवेकाधीन या योजना-आधारित धन होते हैं । राजस्व के अपने स्वयं के स्रोत (कर और गैर-कर दोनों) कुल पंचायत निधियों के एक छोटे से अनुपात का गठन करते हैं। पंचायतों के लिए विवेकाधीन अनुदानों तक पहुंच राजनीतिक और नौकरशाही संबंधों पर निर्भर करती है। स्वीकृत धनराशि को पंचायत खातों में स्थानांतरित करने में अत्यधिक देरी से स्थानीय विकास रुक जाता है। उन्हें आबंटित धन का उपयोग कैसे करना हैं, इस पर भी गंभीर प्रतिबंध हैं। राज्य सरकारें प्रायः पंचायत निधियों के माध्यम से विभिन्न व्ययों पर खर्च की सीमाएँ लगाती हैं। जैसे हाल ही में हरियाणा में सरकार ग्राम पंचायत में ई-प्रणाली शुरू करने जा रही है। ग्राम पंचायत में इस तरह की प्रणाली पर काम नहीं हो पाएगा। ऐसे में गांवों के विकास कार्य प्रभावित होंगे। विकास कार्य न होने पर ग्रामीण भी सड़कों पर उतर जाएंगे। पंचायत निधि खर्च करने के लिए दोहरे प्राधिकरण की व्यवस्था करती है। सरपंचों के साथ ही, भुगतान के लिए नौकरशाही की सहमति की आवश्यकता होती है। सरपंच और पंचायत सचिव को पंचायत निधि से भुगतान के लिए जारी किए गए चेक पर सह-हस्ताक्षर करना चाहिए । राज्य सरकार स्थानीय नौकरशाही के माध्यम से स्थानीय सरकारों को बाध्य करती हैं। उदाहरण के लिए, सार्वजनिक निर्माण परियोजनाओं के अनुमोदन के लिए अक्सर ग्रामीण विकास विभाग के स्थानीय अधिकारियों से तकनीकी स्वीकृति और प्रशासनिक अनुमोदन की आवश्यकता होती है, सरपंचों के लिए एक थकाऊ प्रक्रिया जिसके लिए सरकारी कार्यालयों में बार-बार जाने की आवश्यकता होती है। स्थानीय कर्मचारियों पर प्रशासनिक नियंत्रण रखने की सरपंचों की क्षमता सीमित है। कई राज्यों में, पंचायत को रिपोर्ट करने वाले स्थानीय पदाधिकारियों, जैसे ग्राम चौकीदार या सफाई कर्मचारी, की भर्ती जिला या ब्लॉक स्तर पर की जाती है। अक्सर सरपंच के पास इन स्थानीय स्तर के कर्मचारियों को बर्खास्त करने की शक्ति भी नहीं होती है। अन्य स्तरों पर निर्वाचित अधिकारियों के विपरीत, सरपंचों को पद पर रहते हुए बर्खास्त किया जा सकता है। कई राज्यों में ग्राम पंचायत अधिनियमों ने जिला स्तर के नौकरशाहों, ज्यादातर जिला कलेक्टरों को आधिकारिक कदाचार के लिए सरपंचों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दिया है। पूरे देश भर में, नौकरशाहों द्वारा सरपंचों को पद से बर्खास्त करने का निर्णय लेने के नियमित उदाहरण देखने को मिलते हैं। हाल के वर्षों में अधिक सरपंचों को पद से बर्खास्त किया गया है। सरपंचों सार्थक विकेन्द्रीकरण के लिए प्रशासनिक या वित्तीय स्वायत्तता की आवश्यकता है। पंचायत मंत्रालय को यह सुनिश्चित करने के लिए वित्त आयोग के अनुदानों की रिलीज और व्यय की निगरानी करनी चाहिए कि उनकी रिहाई में कोई देरी न हो। पंचायतों को स्थानीय ऑडिट नियमित रूप से करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि वित्त आयोग के अनुदान में देरी न हो। पंचायत मंत्रालय को पंचायतों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सहायक और तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और नियुक्ति की दिशा में गंभीर प्रयास करने चाहिए। क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के माध्यम से पंचायतों के सुदृढ़ीकरण को केंद्र और राज्य सरकार की ओर से और अधिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए । इससे वे बेहतर ग्राम पंचायत विकास योजनाएं तैयार करने में सक्षम होंगे, साथ ही नागरिकों की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनेंगे। राज्य सरकारों के लिए अपने संबंधित ग्राम पंचायत कानूनों के प्रावधानों की फिर से जांच करने और स्थानीय सरकारों को धन, कार्यों और पदाधिकारियों के अधिक से अधिक हस्तांतरण पर विचार करने के लिए एक जगाने वाली कॉल है।

इतनी बर्बरता आती कहां से है ?

मनोज कुमार अग्रवाल

आए दिन एलीट समझे जाने वाले पढ़े लिखे कथित शिक्षित व सम्पन्न परिवार के लोगों द्वारा हाउसमेड (घरेलू नौकरानी) के साथ हैवानियत भरा बर्बर सलूक करने के मामले सामने आ रहे हैं इन मामलों को पड़ताल करने पर पता चलता है कि इंजीनियर वकील व अन्य उच्च शिक्षा की डिग्री हासिल सरकारी या निजी क्षेत्र में कार्यरत अथवा सम्पन्न उद्यमी परिवारों के लोग भी कितने क्रूर बेहया कर्कश और दुर्व्यवहारी होते हैं जो उन बालिग नाबालिग दूरदराज से पेट तन पालने के लिए सैकड़ों हजारों किलोमीटर दूर से आई मेड के साथ इंसानियत के बरखिलाफ व्यवहार करते हैं और अपने दुर्व्यवहार से सैकड़ों सालों पहली दास प्रथा को जीवित करने की कोशिश करते हैं। यह लोग कितने बुरे हैं जो अपने घर परिवार से दूर चंद रूपयों की नौकरी के लिए अपने जीवन को समर्पित करने वाले अभावों के शिकार लोगों को संरक्षण देने के स्थान पर उनके साथ मारपीट दुर्व्यवहार उत्पीड़न शोषण करते हैं। सही अर्थों में ऐसे लोगों को इंसान कहने में भी शर्म महसूस होती है। ताजा मामला हरियाणा के गुरुग्राम से सामने आ रहा है। यहां 13 साल की नाबालिग को एक दंपती ने काम पर रखा, फिर उस पर बेइंतहा जुल्म किए। उसके शरीर को गर्म चिमटे से दागा और डंडों से पीटा। यही नहीं, कई दिनों तक उसे खाना भी नहीं दिया। नाबालिग डस्टबिन से खाना उठाकर अपना पेट भरती थी।नाबालिग की तस्वीर वायरल होने के बाद एक स्वयंसेवी संगठन की मदद से गुरुग्राम पुलिस ने उसे आरोपी दंपती के कब्जे से छुड़ाया। पुलिस ने दंपती को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी दंपती ने पिछले साल प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से अपने 3 महीने के बच्चे की देखभाल के लिए 13 साल की नाबालिग को घर में रखा था। पीड़ित बच्ची मूल रूप से झारखंड की रहने वाली है। बाद में पति-पत्नी कभी खाना चुराने का आरोप लगाकर तो कभी काम ठीक से नहीं करने की बात पर उसे पीटने लगे। पुलिस ने बताया कि उसे खाना तक नहीं दिया जाता था। अपनी भूख मिटाने के लिए नाबालिग कूड़ेदान में फेंका गया खाना खाती थी। नाबालिग के शरीर पर गर्म चिमटे से दागे जाने और दंपती की पिटाई के निशान मिले हैं। 7 फरवरी को ही पीड़ित की तस्वीर ट्विटर पर वायरल हुई। इस पर एक एनजीओ ने गुरुग्राम पुलिस से संपर्क किया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद पीड़ित बच्ची को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पीड़ित को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। जांच की जा रही है कि कहीं उसका यौन उत्पीड़न तो नहीं हुआ था। डॉक्टर उसका मेडिकल परीक्षण भी कर रहे हैं। होम मेड के साथ दुर्व्यवहार का यह इकलौता मामला नहीं है इस से पहले भी अभी हाल ही में यूपी के नोएडा की हाइराइज सोसाइटी में नौकरानी के साथ लिफ्ट में मारपीट का मामला सामने आया । लिफ्ट में एक महिला घरेलू काम करने वाली लड़की को जबरन घसीटते नजर आ रही थी । नौकरानी की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था । बाद में पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल भी कराया था यह मामला नोएडा की क्लियो काउंटी सोसाइटी का है। यह सोसाइटी सेक्टर 120 में है। पुलिस ने शिकायत के अनुसार बताया कि मारपीट का आरोप शेफाली कौल नाम की महिला पर है। उसने 20 साल की युवती अनीता को अपने यहां 24 घंटे के एग्रीमेंट पर घरेलू काम करने के लिए रखा था। अनीता ने बताया कि शेफाली दिन-रात घर का काम कराती और मारती भी। जब भी अनीता घर जाने की कोशिश करती तो उसकी पिटाई करती। नौकरानी का आरोप है कि 6 महीने से उसे बंधक बनाकर रखा था । महिला पर घरेलू कामगार को बंधक बना कर काम कराने व शारीरिक और शाब्दिक उत्पीड़न का आरोप है। फ़िलहाल नोएडा पुलिस ने आरोपी महिला शेफाली कौल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आप को बता दें कि बीती 27 दिसंबर को पीड़ित घरेलू कामगार ने कौल के चौथी मंजिल के अपार्टमेंट से रस्सी के सहारे भागने की कोशिश कर रही थी। जिसकी जानकारी आसपास रहने वाले लोगों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर उसको बचा लिया गया और स्थानीय पुलिस स्टेशन लाया गया।

घरेलू कामगार के पिता की शिकायत के आधार पर महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उनका आरोप है कि उनकी बेटी को लगभग दो महीने तक बंदी बनाकर रखा गया और कौल द्वारा शारीरिक और शाब्दिक दुर्व्यवहार किया गया।गौरतलब है कि शेफाली कौल पेशे से एक वकील हैं।उन्हें अपने व्यवहार की मर्यादा पता होना चाहिये।

गैंग्स ऑफ बायकॉट

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गैंग्स ऑफ बायकॉट ने जो रहम और करम खान पर दिखाई है उससे मुझ जैसे दो कौड़ी के निकम्मे को भी फिल्म बनाने का हौंसला मिला है। आपने बायकॉट करने के नाम पर सफलता के नए सूत्र प्रतिपादित किए हैं। इन सूत्रों को ध्यान में रखते हुए आने वाले समय में सभी फिल्म निर्माताओं को एक से बढ़कर एक वाहियात फिल्में बनानी चाहिए। मुझे तो उस समय बड़ी खुशी हुई जब आपने फिल्म का नाम बदले बिना, निर्माता-निर्देशक, अभिनेता-अभिनेत्री से हाथापाई किए बिना, मुँह पर लीपा-पोती किए बिना, फिल्म का कोई सीन कट किए बिना या बदले बिना आपने उसे अपनी पब्लिसिटी दे दी। मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि आप लोग गीदड़-सियार तो कतई नहीं हो सकते। हाँ मच्छरों और मक्खियों से गए गुजरे जरूर हो।

गीदड़ भभकियों के नाम पर आप डरातो तो हो लेकिन एक्शन की बारी आते ही टॉय-टॉय फिस्स हो जाते हो।

मैं आपको पूरा विश्वास दिलाता हूँ कि मैं ऐसी फिल्म बनाऊँगा जिससे आप लोगों को ऐसी-ऐसी जगह पर मिर्ची लगेगी न बताने लायक रहेंगे और न दिखाने लायक। मैं इस बात का पूरा ध्यान रखूँगा कि अभिनेत्री तुम्हारी भावनाओं को आहत करने वाली हर अदा धड़ल्ले से करे। अभिनेता अपनी बीच वाली अंगुली उठाकर आपको भड़काने की पूरी कोशिश करेगा। मैं ऐसे-ऐसे गाने रखूँगा कि न उसे तुम सुन पाओगे और न तुम्हारे घर वाले। इतना जरूर कहना चाहूँगा कि आपके पैर क्लब या बार में जाने पर अवश्य थिरक उठेंगे। मैं तुम्हारी संस्कृति, परंपरा, आस्थाओं, भावनाओं सबकी ऐसी बैंड बजाऊँगा कि आप सोच में पड़ जायेंगे कि कौनसा सीन सबसे ज्यादा शर्मींदा करने वाला है।

मैं आपको भड़काने, बहकाने, लड़ने-झगडने, हिलन-डुलने के सभी अवसर उपलब्ध कराऊँगा, लेकिन मेरी आपसे केवल एक प्रार्थना है कि आप मुझ पर इतने केस कर दें कि लोग गूगल करने पर मजबूर कर दें कि यह बंदा आखिर कौन हैं। अपने आकाओं वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों, गृहमंत्रियों या बिन सिर-पैर के बात करने वाले पहुँचे हुए तीसमारखानों से मेरी फिल्म के खिलाफ फतवा जारी करवा दें। इससे मीडिया के केंद्र में पहुँचने में आसानी होगी। मैं अपनी हरकतों के लिए चुल्लू भर पानी में डूब मरूँगा या नहीं लेकिन आपको मरने नहीं दूंगा। आप हैं तो पब्लिसिटी है। पब्लिसिटी है तो वाहियात फिल्मों का बोलबाला है। वाहियात फिल्में हैं इसलिए देश विकास कर रहा है। देश विकास कर रहा है इसीलिए हम बेरोजगारों को ठिकाने पर लगा पा रहे हैं। कुल मिलाकर आपका बायकॉट सभी मर्ज की एक दवा है।

समृद्धि और लंबी उम्र देने वाला महीना

फाल्गुन मास में शिव पूजा से दूर होती हैं बीमारियां

हिंदी कैलेंडर का आखिरी महीना यानी फागुन मास 6 फरवरी से शुरू हुआ है और 7 मार्च को होली के साथ खत्म हो जाएगा। पुराणों में इस महीने को धर्म कर्म के लिए खास माना गया है। इस हिंदी महीने में श्रीकृष्ण के साथ भगवान शिव की पूजा करने का भी विधान ग्रंथों में बताया गया है।

दान का विशेष महत्व

फाल्गुन में दान का ज्यादा महत्व है। इस महीने में अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद लोगों को दान देने और पितरों के लिए तर्पण जरूर करना चाहिए। फाल्गुन मास में शुद्ध घी, तेल, सरसों का तेल, मौसमी फलों का दान करने से सुख और समृद्धि बढ़ती है।

इस महीने में शिवजी का अभिषेक करने से उम्र बढ़ती है। बीमारियां भी दूर होती हैं। फाल्गुन में घी और फलों के रस से रूद्राभिषेक करने से हर तरह की परेशानियां दूर होने लगती हैं। शिवजी को चंदन चढ़ाने से समृद्धि बढ़ती है। इस महीने दान का भी विशेष महत्व है। बीमारियों से बचने के लिए शिव पूजा पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि धर्म ग्रंथों में फागुन को बीमारियों से छुटकारा पाने का महीना माना जाता है। मान्यता है कि रोगों से मुक्ति के लिए फाल्गुन महीना उत्तम है। इस महीने में भोले शंकर को सफेद चंदन अर्पित करने से स्वास्थ्य लाभ होता है। मां लक्ष्मी की पूजा करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन देवताओं को अबीर और गुलाल अर्पित करना चाहिए।

आठ दिन का होलाष्टकः शुभ कामों की मनाही

होलाष्टक 8 दिनों का होता है। इसमें शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। पौराणिक कथा के मुताबिक कामदेव द्वारा भगवान शिव की तपस्या भंग करने के कारण शिवजी ने फाल्गुन शुक्ल अष्टमी पर कामदेव को भस्म कर दिया था।

दूसरी कथा के मुताबिक राजा

हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका के साथ मिलकर अपने पुत्र प्रह्लाद को भगवान विष्णु की भक्ति से दूर करने के लिए 8 दिनों में कई यातनाएं दी थीं, इसलिए होलाष्टक काल को विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन समारोह जैसे अधिक शुभ कार्यों को करने के लिए अशुभ माना गया है।

शनिदेव की टेढ़ी नजर से बचना है, तो करें ये उपाय

हिंदू धर्म में शनिवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। यह दिन शनिदेव को समर्पित माना जाता है। इस दिन शनिदेव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता है कि शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करने और व्रत रखने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। उनके आशीर्वाद से आपके जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। ऐसे में शनिवार के दिन कुछ विशेष उपाय करने से आपको शनिदेव को खुश कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको शनिदेव के दिन किए जाने वाले कुछ छोटे-बड़े उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं।

शनिवार को करें ये उपाय

इस दिन सुबह स्नान कर साफ-सुथरे कपड़े पहनें। इसके बाद शनिदेव की पूजा करें। पीपल के पेड़ की सात बार परिक्रमा करें। इस दौरान ऊं शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जाप करें। शनिवार की शाम को पीपल के पेड़ के नीचे चौमुखी दीपक जलाएं। मान्यता है कि इससे घर में धन, यश और वैभव की कमी नहीं होती है। इसके साथ ही शनिदेव की कृपा बनी रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर आपको व्यापार में कोई लॉस हो रहा है या कोर्ट-कचहरी के चक्करों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो इस दिन पीपल के 11 पत्तों से एक माला बना लें। इसके बाद ये माला मंदिर में जाकर शनि देव को चढ़ाएं। माला अर्पित करते समय 'ऊँ श्रीं ह्रीं शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का लगातार जाप करते रहें।

काले कुत्ते को सरसों के तेल लगी रोटी खिलाएं। माना जाता है इससे कुंडली में राहु-केतु से संबंधित दोष दूर हो जाते हैं। इस दिन सरसों के तेल का दान करना चाहिए। इसके अलावा उड़द की दाल, तिल, लोहा, पुखराज रत्न और काले कपड़ों का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। अपने भक्तों की मनचाही मुरादों को पूरा करते हैं।

इसके अलावा शनिवार को शनि यंत्र की पूजा करने से भी लाभ होता है।

शनिवार के दिन पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इस दीपक में काला तिल जरूर डालें।

श्रीराम के भाई शत्रुघ्न की सीख

काम बड़ा हो तो उसकी तैयारी पुख्ता करनी चाहिए। काम शुरू करने से पहले अपने गुरु, संत-महात्मा की सलाह जरूर लें, तभी सफलता मिलेगी। ये बात श्रीराम के छोटे भाई शत्रुघ्न से सीख सकते हैं। जानिए श्रीराम और शत्रुघ्न से जुड़ा एक किस्सा... श्रीराम के छोटे भाई शत्रुघ्न से जुड़ा एक प्रसंग काफी प्रचलित है। एक दिन श्रीराम ने शत्रुघ्न को आदेश दिया कि मधुवन नाम की जगह पर एक राक्षस है, जो च्यवन ऋषि के साथ ही अन्य ऋषि-मुनियों को सता रहा है। तुम जाओ और उसका वध करो, इसके बाद तुम वहां का राजा बन जाओगे। बड़े भाई का आदेश मिलने के बाद शत्रुघ्न मधुवन पहुंचे। शत्रुघ्न को मालूम हुआ कि उस असुर के पास एक अजय शस्त्र है, जिसे पराजित कर पाना असंभव है। इसके बाद शत्रुघ्न च्यवन ऋषि से मिलने पहुंचे। शत्रुघ्न ने ऋषि को प्रणाम किया और कहा कि आप मुझे कोई ऐसा रास्ता बताएं, जिससे मैं यहां आतंक मचा रहे असुर का वध कर सकूं। च्यवन ऋषि ने शत्रुघ्न से कहा कि आप उस असुर पर तब हमला करें, जब वह भोजन करने जाता है। वो असुर भोजन करने से पहले अपना अजय शस्त्र अपने घर में छोड़ देता है। उसे उसके घर में घुसने से पहले ही मारना होगा। जब वह असुर अजय शक्ति के बिना असावधान दिखे, उस समय तुम उसका वध कर सकते हो। च्यवन ऋषि की सलाह मानकर शत्रुघ्न ने उस असुर का वध कर दिया। असुर को मारने के बाद शत्रुघ्न श्रीराम के पास पहुंचे और पूरी बात बताई तो श्रीराम बहुत खुश हुए और छोटे भाई मधुवन का राजा घोषित कर दिया।

प्रसंग की सीख

इस किस्से में शत्रुघ्न ने हमें सीख दी है कि बड़ा काम करने से पहले अपने गुरु, संत-महात्मा, विद्वान या किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर लेनी चाहिए। जब हमें इन लोगों की सलाह के मुताबिक काम करते हैं तो हमें सफलता जरूर मिलती है।

बुध के राशि परिवर्तन का फल

7 फरवरी को बुध, धनु से निकलकर मकर राशि में आ गया है। जो इस महीने की 27 तारीख को अगली राशि में चला जाएगा। वहीं, अब 13 फरवरी तक बुध और सूर्य, साथ होने से बुधादित्य योग बनेगा।

मेषः नौकरीपेशा लोगों के लिए समय शुभ रहेगा। आपकी वैचारिक क्षमता का विकास होगा। हर क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। दुश्मनों पर जीत हासिल कर सकते हैं।

वृषः समय सामान्य रहेगा। नौकरी और बिजनेस में काम पूरे तो होंगे लेकिन थोड़ी रुकावटें आ सकती हैं। घर में खुशनुमा माहौल रहेगा।

मिथुनः जॉब और बिजनेस में अच्छा बोलकर कुछ काम पूरे करवा लेंगे। धन लाभ हो सकता है। कुछ लोगों के राज की बातें आपको पता चल सकती है। खुशियां मिल सकती हैं।

कर्कः कामकाज में दबाव महसूस कर सकते हैं। तनाव बढ़ सकता है। कामकाज में देरी होने की आशंका है। विरोधियों से सावधान रहना होगा।

सिंहः दुश्मनों पर जीत मिल सकती है। धन लाभ होने के योग हैं। पुराने निवेश का फायदा मिलने के योग हैं।

कन्याः आर्थिक मामलों में इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। लेकिन शादीशुदा जीवन में तनाव बढ़ सकता है। उत्साह और मन की शांति बनाए रखें।

तुलाः लेनदेन और निवेश में सावधान रहना होगा। यात्राएं और दौड़भाग में धन हानि होने की आशंका है।

वृश्चिकः आर्थिक स्थिति डगमगा सकती है। खर्चा बढ़ सकता है। पैसा उलझ सकता है। निवेश की योजना सावधानी से बनाएं।

धनुः अच्छे काम के लिए तारीफ होगी। परिवार वालों से मदद मिल सकती है। तर्क शक्ति बढ़ेगी। रोजमर्रा के काम समय से पूरे हो सकते हैं। नौकरी और बिजनेस में फायदा होगा।

मकरः खुद को मजबूत महसूस करेंगे। विरोधियों से मुकाबला करेंगे और जीत मिलेगी। मानसिक तनाव बढ़ सकता है। निवेश या किसी लेनदेन को लेकर फैसला नहीं कर पाएंगे।

कुंभः समस्याओं का समाधान नहीं हो पाएगा। उलझनें रहेंगी। बेचैनी और सिरदर्द हो सकता है। दौड़भाग और खर्चा बढ़ने की आशंका है।

मीनः नई नौकरी मिलने या नया बिजनेस शुरू हो सकता है। धन लाभ और सफलता मिलने के योग हैं। मेहनत बढ़ेगी, लेकिन उसका फायदा भी मिलेगा।

घर में लगाएं गुड़हल का पौधा
नौकरी और बिजनेस की समस्याएं होंगी दूर

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में और घर के आसपास लगने वाले पेड़-पौधे और फूल घर के सदस्यों की जीवन को प्रभावित करते हैं। वास्तु शास्त्र में पेड़ पौधों के बारे में बहुत सी जानकारियां दी गई हैं। इन फूलों को घर में लगाने से आपके ग्रह तो मजबूत होते हैं साथ ही घर के लोगों को आर्थिक तंगी से भी छुटकारा मिलता है। बहुत से फूलों में से एक है गुड़हल का फूल, वास्तु शास्त्र में गुड़हल के फूल के कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं। गुड़हल के पौधे को घर में लगाने से आर्थिक परेशानियां खत्म होती हैं और यह फूल माता लक्ष्मी के भी प्रिय माने जाते हैं। गुड़हल का पौधा यदि घर में लगाया जाए तो सूर्य मजबूत होता है। आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से तो गुड़हल के फूल के कुछ उपायों के बारे में।

सूर्य दोष के लिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में उस व्यक्ति को अपने घर की पूर्व दिशा की तरफ गुड़हल का पेड़ लगाना चाहिए। ऐसा करने से सूर्य की स्थिति मजबूत होगी और कुंडली में सूर्य की स्थिति अच्छी होने से आर्थिक समस्याएं नहीं आएंगी। घर में पिता से भी रिश्ते अच्छे बने रहेंगे।

मंगल दोष के लिए मंगल ग्रह की स्थिति कुंडली में ठीक ना होने से विवाह में देरी होना स्वभाविक है। ऐसे में यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष है तो उसे अपने घर में गुड़हल का पौधा जरूर लगाना चाहिए। माना जाता है ऐसा करने से मंगल ग्रह मजबूत होता है और विवाह में आ रही अड़चनें दूर होती हैं।

मां लक्ष्मी को करें अर्पित

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गुड़हल का फूल माता लक्ष्मी को बेहद प्रिय होता है। ऐसा मानते हैं कि माता लक्ष्मी पर गुड़हल के फूल अर्पित करने से घर के सदस्यों को कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता और घर में सदैव धनधान्य बना रहता है।

सकारात्मक ऊर्जा के लिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार गुड़हल का पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। इसलिए अपने घर के आंगन में गुड़हल का पौधा लगाना शुभ माना गया है। ऐसा करने से घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है।

बिजनेस और करियर के लिए वास्तु शास्त्र के अनुसार माना गया है कि यदि किसी व्यक्ति को उसकी नौकरी या बिजनेस में समस्याएं लगातार आ रही हैं, या फिर कोई काम बनते बनते रुक जाता है तो ऐसे में उस व्यक्ति को प्रातः काल उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए और साथ में गुड़हल का फूल भी अर्पित करना चाहिए। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से नौकरी और बिजनेस में तरक्की के रास्ते खुलते हैं।

कुंभ संक्रांति पर करें 3 वस्तुओं का दान

13 फरवरी दिन सोमवार को कुंभ संक्रांति है। कुंभ संक्रांति के दिन कुंभ राशि में ही सूर्य और शनि की युति बनेगी। सूर्य शनि की युति से सभी 12 राशि के जातकों पर प्रभाव पड़ना तय है। किसी को लाभ होगा तो किसी को नई चुनौतियों का सामना करना होगा। सूर्य शनि की युति से बचने के लिए कुंभ संक्रांति पर दान करना लाभदायक होता है। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि कुंभ संक्रांति पर किन वस्तुओं का दान करने से सूर्य शनि की युति होने पर दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है।

कब है होगी सूर्य शनि की युति?

सूर्य देव अभी मकर राशि में गोचर कर रहे हैं। वे 13 फरवरी को सुबह 09 बजकर 57 मिनट पर कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे, उस समय ही कुंभ संक्रांति होगी। उस समय से ही कुंभ में शनि और सूर्य की युति बन जाएगी। फिर 15 मार्च तक कुंभ राशि में सूर्य और शनि की युति रहेगी। 15 मार्च को सुबह 06:47 बजे कुंभ से मीन में सूर्य का प्रवेश होगा और यह युति खत्म हो जाएगी। कुंभ संक्रांति 2023 पुण्यकाल 13 फरवरी को कुंभ संक्रांति का पुण्यकाल सुबह 07 बजकर 02 मिनट से सुबह 09 बजकर 57 मिनट तक है। ऐसे में आप कुंभ संक्रांति पर सुबह में स्नान करें और दान करें। इस दिन आप सूर्य देव की पूजा करें और शनि आराधना भी कर लें। इससे दोनों ग्रहों का शुभ फल प्राप्त होगा और इनके दुष्प्रभाव कम होंगे।

कुंभ संक्रांति 2023 दान की महत्वपूर्ण वस्तुएं

1। कुंभ संक्रांति भगवान सूर्य की पूजा का दिन है। इस वजह से आप 13 फरवरी को सुबह स्नान और पूजा के बाद गुड़, गुड़हल या लाल फूल और गेहूं या घी का दान करें। इस दान से सूर्य ग्रह की स्थिति आपकी कुंडली में मजबूत होगी। सूर्य के मजबूत होने से आपको करियर में सफलता मिलेगी और सूर्य दोष है तो वह दूर होगा। उसका उसकी नकारात्मकता खत्म होगी।

2. कुंभ संक्रांति के दिन सूर्य और शनि की युति बन रही है, इससे कुछ राशियों पर नकारात्मक असर भी होगा। ऐसे में कुंभ संक्रांति को प्रातः स्नान के बाद शनि देव का स्मरण करके काले तिल, काली उड़द और नीले फूल का दान करें।

पत्नी नम्रता संग छुट्टियां मनाने स्विट्जरलैंड निकले महेश बाबू

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की सोशल मीडिया पर काफी फैन फॉलोइंग है। महेश बाबू लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं, लेकिन अपनी छुट्टियों के चलते वह चर्चा में आ गए हैं। हाल ही में, महेश बाबू को उनकी पत्नी नम्रता शिरोडकर के साथ हैदराबाद हवाई अड्डे पर देखा गया। कपल छुट्टियां मनाने स्विट्जरलैंड जा रहे थे। एयरपोर्ट से महेश और नम्रता की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

गौरतलब है कि पिछले काफी समय से महेश बाबू फिल्म निर्माता त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ अपनी आगामी तेलुगु फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे। इस फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा करने के बाद महेश बाबू छुट्टी पर चले गए।

एयरपोर्ट से अभिनेता की तस्वीरें और वीडियो फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रही है। महेश बाबू बेज पैंट और ब्लू स्वेटशर्ट में काफी डैशिंग लग रहे थे। वहीं दूसरी ओर उनकी पत्नी नम्रता सफेद शर्ट और ब्लू जींस में का फी सुंदर लग रही थीं। फैंस को म हे श बाबू का एयरपोर्ट लुक काफी भा गया और वह अभिनेता की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

आपको बता दें कि महेश बाबू की आगामी तेलुगु फिल्म में पूजा हेगड़े भी नजर आएंगी। फिल्म में महेश एक नए रूप में दिखाई देंगे। कुछ समय पहले ही अभिनेता की पत्नी नम्रता शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर महेश की नए लुक में एक तस्वीर साझा की थी, जिसे देख फैंस द्वारा कयास लगाया जा रहा था कि यह फिल्म निर्माता त्रिविक्रम के साथ उनकी अगली फिल्म का लुक है। महेश का यह लुक फैंस को बेहद पसंद आया था।

बता दें कि महेश बाबू एसएस राजामौली की फिल्म 'पाइप लाइन' में भी नजर आने वाले हैं। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह हॉलीवुड फिल्म फ्रेंचाइजी इंडियाना जोन्स की तर्ज पर एक ग्लोब-ट्रॉटिंग एक्शन-एडवेंचर फिल्म है। महेश बाबू को आखिरी बार 'सरकारु वैरी पाटा' में एक लोन एजेंट की भूमिका निभाते हुए देखा गया था, जिसने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी।

राम चरण ने बताया कौन सा था 'आरआरआर' का सबसे मुश्किल सीन

तीन महीने बेड पर करना पड़ा था आराम

एसएस राजामौली की आरआरआर की लहर फिलहाल रुकने का नाम नहीं ले रही है. हाल ही में, चरण ने द हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ बाकचीत में शूट किए जाने वाले कुछ सबसे मुश्किल सीन्स के बारे में बात की. यह कहते हुए कि आरआरआर ने दोस्ती और मानवता की अपनी मूल भावना के कारण सीमाओं को सफलतापूर्वक पार कर लिया है, अभिनेता ने कहा कि उनके चरित्र अल्लूरी सीताराम राजू का शुरुआती दृश्य जहां वह एक बड़े पैमाने पर विरोध करने वाली भीड़ पर अपना डंडा चलाता है, उसे शूट करना थोड़ा मुश्किल था.

उन्होंने कहा, फिल्म शूट से 30 से 40 दिन पहले पूरी टीम द्वारा की गई रिहर्सल की थी. शूटिंग के लिए हमारे पास एक दिन में 5,000 से 10,000 लोग थे और उनमें से किसी को चोट नहीं आई. एक खरोंच तक नहीं. यह आपको दिखाता है कि इसमें किस तरह का गहन पूर्वाभ्यास किया गया था. हमारे स्टंटमैन, हमारे फाइट डायरेक्टर मिस्टर सोलोमन और हजारों लोगों के लिए मुबारकबाद." राम चरण ने आगे कहा कि यह सुनने में जितना अविश्वसनीय लगता है, शूटिंग के दौरान उन्हें कभी भी खरोंच नहीं आई, और जब उन्होंने अपने लिगामेंट को फाड़ा, तो यह रिहर्सल के दौरान था, जिसके बाद उन्होंने बहुत ही ऊर्जावान नातु नातु गीत शूट किया.

उन्होंने बताया, मुझे पता है कि यह क्रेजी लगता है, लेकिन फिल्म के निर्माण के दौरान मुझे एक भी खरोंच नहीं आई. रिहर्सल के दौरान मेरे लिगामेंट में चोट लग गई थी, जिसकी वजह से मैं साढ़े तीन महीने शूटिंग से दूर रहा. तो यह रिकवरी के तीन महीने की थी, लेकिन अब मैं ठीक हूं. ठीक होने के ठीक बाद, मैंने 'नातू नातू' सीक्वेंस की शूटिंग की."

एयरपोर्ट पर फैन ने अचानक किया कुछ ऐसा कि चौंक गईं सारा

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को मुंबई एयरपोर्ट पर हाल ही में स्पॉट किया गया था। जहां अभिनेत्री के साथ एक अजीबोगरीब घटना हुई। दरअसल, सारा अली खान राजस्थान से वापस मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई। जहां वह पपराजी को पोज देते-देते अपने फैंस के साथ भी सेल्फी क्लिक करवा रही थी। तभी ऐसे में एक फैन ने उनके चेहरे को छूने की कोशिश की। पहले वह महिला सारा से हाथ मिलाती है। इसके बाद वह कुछ ऐसा करती नजर आती है। जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया।

सारा अली खान को एयरपोर्ट पर गुरुवार को स्पॉट किया गया। वयरल वीडियो के अनुसार वह रास्ते में कई फैंस से मिलती नजर आई। उन्होंने फैंस के साथ सेल्फी भी ली और उनके साथ अच्छा व्यवहार भी किया। इसी दौरान एक महिला ने उनसे पहले हाथ मिलाया और उनके गालों को छूने का प्रयास किया। जिसे देख पहले तो सारा चौंकी और फिर पैपराजी भी हैरान रह गए। लेकिन एक चीज जो सब से ज्यादा काबिल ए तारीफ थी कि सारा ने इतना सब होने के बाद भी अपना आपा नहीं खोया और जैसे तैसे एयरपोर्ट से निकलकर अपनी गाड़ी तक पहुंचीं।

अभिनेत्री सारा हमेशा की तरह शानदार लुक में नजर आईं। वह व्हाइट सूट पर गुलाबी दुपट्टे के साथ सारा काफी खूबसूरत लग रही थीं लेकिन जैसे ही लोगों की नजर उन पर गई तो हर कोई उन्हीं की तरफ दौड़ पड़ा। विडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही अब यूजर्स जमकर ऐसा करने वाले लोगों को लताड़ लगा रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'यह महिला उसकी ज्वेलरी चोरी करने का प्रयास कर रही है यह कितना बुरा है।' वहीं एक दूसरे यूजर ने

कमेंट करते हुए लिखा, 'कोई किसी की निजी स्पेस में कैसे घुस सकता है।'

तो वहीं फैंस दूसरी तरफ सारा को शांत रहने के लिए बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है, 'सारा बहुत मैच्योर हो गई है। उनकी मम्मी ने उनको बहुत ही अच्छे से पाल पोसकर बड़ा किया है। उनकी विनम्रता देखने लायक है'। बता दें की सारा हाल ही में अपनी मां के जन्मदिन के अवसर पर अपनी मां के साथ उदयपुर ट्रिप पर गई थी।

नवाजुद्दीन की पत्नी की बढ़ीं मुश्किलें, कोर्ट ने इस मामले में आलिया को भेजा समन

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी बीते कुछ वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल अभिनेता अपनी पत्नी आलिया के साथ घरेलू विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच विवाद इस कदर बढ़ गया है कि मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। कुछ वक्त पहले अभिनेता की मां मेहरूनिसा और आलिया के बीच संपत्ति विवाद का मामला सामने आया था। वहीं, अब नवाजुद्दीन की पत्नी आलिया को कोर्ट ने समन भेजा है।

छेड़छाड़ को लेकर दर्ज कराई थी शिकायत

दरअसल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी की मां मेहरूनिसा ने आलिया के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने आलिया को थाने पूछताछ के लिए बुलाया था। इस मामले के बाद नवाजुद्दीन की पत्नी आलिया ने पति और ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कई शिकायतें दर्ज कराईं। फिलहाल पुलिस इस मामले में क्लोजर रिपोर्ट दर्ज कर चुकी है। हालांकि, आलिया को कोर्ट ने समन भेजा है। दरअसल, साल 2020 में आलिया ने मुंबई के वर्सोवा थाने में अपने देवर पर उनके साथ गलत हरकत को लेकर शिकायत दर्ज करवाई थी। उन्होंने कहा था कि वह साल 2012 के समय अपने ससुराल गई थीं। उसी दौरान उनके देवर ने गलत हरकत की, जिसके बाद उन्होंने वर्सोवा थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले को लेकर विचार विमर्श के लिए बुढ़ाना कोतवाली भेज दिया गया था।

इस शिकायत के बाद आलिया को एक बार कोर्ट में भी पेश होना पड़ा, जिसमें उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया था। हालांकि इस पूरे मामले की जांच होने के बाद किसी भी प्रकार का सबूत न मिलने पर पॉक्सो कोर्ट ने क्लोजिंग रिपोर्ट दर्ज कर दी थी। आलिया को इस केस के अंतर्गत कोर्ट में पेशी के लिया बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं पहुंचीं। इसके बाद बुधवार के दिन इस मामले की कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन आलिया वहां नहीं पहुंचीं। आलिया के लगातार कोर्ट में पेश न होने के कारण एडीजीसी कुलदीप पुंडीर ने समन भेजा। आलिया को 22 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के लिए यह समन जारी किया गया है।

'कांतारा' के मेकर्स को मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाइकोर्ट का फैसला

फिल्म 'कांतारा' के मेकर्स को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, मेकर्स पर फिल्म के 'वराह रूपम' गाने को लेकर साहित्यिक चोरी का आरोप लगा है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए 'कांतारा' के निर्माता-निर्देशक विजय किरागंदुर और ऋषभ शेट्टी को राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है, जिसमें कहा गया था कि 'वराह रूपम' गाना फिल्म में नहीं दिखाया जाएगा।

फिल्म 'कांतारा' के निर्देशक और निर्माता को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से अग्रिम जमानत मिल गई है। साथ ही कोर्ट ने गाने को फिल्म से हटाए जाने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा है, 'फिल्म के निर्माता-निर्देशक विजय किरागंदुर और ऋषभ शेट्टी जब गाने के कॉपीराइट उल्लंघन की जांच के संबंध में 12 और 13 फरवरी को पूछताछ के लिए पेश होंगे तो उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।'

बता दें कि ऋषभ शेट्टी की फिल्म की रिलीज के बाद फिल्म के गाने 'वराह रूपम' पर केरल के बैंड ताईकुडम ब्रिज ने साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि फिल्म बनाने वालों ने उनके गाने 'नवरसम' से कॉपी किया है। इसके बाद लीगल एक्शन लेते हुए 'वराह रूपम' के वीडियो को यूट्यूब से डिलीट कर दिया गया था। हालांकि, गाना फिल्म से नहीं हटाया गया था। हाईकोर्ट ने फिल्म से भी गाने को हटाए जाने का निर्देश दिया था। लेकिन, अब हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 'कांतारा' से 'वराह रूपम' गाने को हटाए जाने के निर्देश पर रोक लगाई है, साथ ही फिल्म के निर्माता-निर्देशक को भी अग्रिम जमानत मिल गई है। बता दें 'कांतारा' 30 सितंबर 2022 को रिलीज हुई थी। कम बजट की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन किया।

आदिल को लेकर राखी के एक्स हसबैंड का चौंकाने वाला बयान, बोले- वह हर चीज पर जमाना चाहता था कब्जा

राखी सावंत इन दिनों अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में जहां एक्ट्रेस की मां का निधन हुआ था, तो उसके बाद से ही वह पति आदिल खान दुर्रानी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे कर चुकी हैं। एक्ट्रेस ने आदिल के खिलाफ ओशिवारा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है, जिसके बाद आदिल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। राखी ने आदिल पर डेढ़ करोड़ के गबन और घरेलु हिंसाओं की धाराओं में केस दर्ज कराया है। अब ऐसे में राखी के एक्स हसबैंड रितेश सिंह का बयान सामने आया है।

राखी सावंत के एक्स हसबैंड रितेश ने लाइव आकर अपनी बात रखी थी। रितेश ने कहा कि राखी ने उन्हें तीन महीने पहले फोन करके अपने और आदिल के बारे में बताया था। उन्होंने कहा, 'राखी की आंखों में सच्चाई देखी जा सकती है, लेकिन इसका फैसला कोर्ट तो करना है। राखी झूठ नहीं बोल रही हैं। मैं कहना चाहता हूं कि दिल टूटने का गम आपको पता चल रहा होगा। मैं तुम्हारे साथ हूं लेकिन मैं भी परेशान रहा हूं। मैंने दो बार दिल लगाया और दो बार धोखा खा चुका हूं। मैं तुम्हारे साथ हूं। तुम्हारा भाई भी तुम्हारे साथ था। ये उन लड़कियों के लिए सबक है जो लव जिहाद के चक्कर में फंसी हैं।'

रितेश ने आगे कहा कि मुझे पता है कि राखी मेस में उतर चुकी हैं, लेकिन पहले उसे इस मुद्दे में बोलना होगा। इसके बाद ही मैं इस मुद्दे में आ सकता हूं। मुझे राखी और आदिल के बारे में सब पता है। मुझे लग रहा है कि राखी के साथ ऐसा दोबारा कैसे हो गया। मेरे साथ भी ये सब हुआ है और इसका मतलब ये नहीं कि मैं गलत हूं, ऐसे ही राखी भी गलत नहीं है। राखी मेरे लिए जरूरी है, मेरे माता-पिता के बाद उसने ही मुझे इतना प्यार दिया।

वहीं, इंटरव्यू के दौरान रितेश ने कहा, 'राखी मेरे बारे में सब कुछ जानती थी। ऐसे में मैंने कभी उन्हें धोखा नहीं दिया। उसकी एक करीबी दोस्त वैनिटी में आई और उसने मुझे प्रपोज किया। ऐसा नहीं था कि मेरे पास ऑप्शन नहीं था। मेरे पास कई ऑप्शन थे। राखी की इस हालत के लिए उसके दोस्त भी कुछ हद तक जिम्मेदार हैं। राखी के दोस्तों ने ही हमारा रिश्ता बर्बाद किया और आदिल को उसकी जिंदगी में ले आए। मैं आदिल को नहीं जानता था, लेकिन जब उसके बारे में पता किया तो उसने कहा कि बिहार आकर मुझे मारेगा। उसके धमकी देने पर मैंने भी कहा कि आ जा। उसने मेरे खिलाफ राखी को भी भड़काया। उसने राखी के सभी पासवर्ड हैक कर लिए और उसका प्लान था कि वह राखी से जुड़ी हर चीज को हथिया ले। मैं बस राखी से कहना चाहता हूं कि वह दूसरी की बातों में आना छोड़ दे और खुद ही अपनी जिम्मेदारी ले।'

ट्रोल्स के निशाने पर आईं दीपिका, ओवरकोट में देख यूजर बोले- अरे दीदी इतनी ठंड भी नहीं

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी फिल्म 'पठान' की बॉक्स ऑफिस पर मिली शानदार सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। फिल्म रिलीज के बाद से ही अच्छा प्रदर्शन कर रही है और कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। 25 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली इस फिल्म में दीपिका शाहरुख खान और जॉन अब्राहिम के साथ नजर आई हैं। वहीं, अब एक्ट्रेस को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां अपने लुक के चलते वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं।

दरअसल, दीपिका पादुकोण का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दीपिका ब्लैक हाई नेक के साथ ब्लैक पैंट पहने नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने अपने लुक को पिंक और व्हाइट चेक ओवकोट के साथ कंप्लीट किया है, जिसकी वजह से वह ट्रोल हो रही हैं। सोशल मीडिया यूजर को उनका ओवरकोट पहनना समझ नहीं आ रहा है और इसी बात पर उन्हें आड़े हाथ ले लिया गया है। दीपिका के लुक को लेकर यूजर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, इतनी ठंड तो नॉर्थ में भी नहीं पड़ रही है', तो दूसरे ने कहा, 'अरे दीदी एयरपोर्ट पहुंचने के बाद कोर्ट उतार दिया करो, इतनी ठंड नहीं है।' वहीं, एक अन्य ने कहा, 'आलिया के कहने के बाद से ये अब ज्यादा ही स्माइल करने लगी हैं', तो दूसरे ने लिखा, 'जब आपके पास बहुत सारा पैसा हो और आप समझ न पाओ कि क्या करना है तो गर्मी में ओवरकोट खरीद लो।'

बता दें कि दीपिका पादुकोण इस वक्त अपनी फिल्म 'फाइटर' की शूटिंग में व्यस्त चल रही हैं। इस फिल्म में दीपिका ऋतिक रोशन के साथ नजर आने वाली हैं, जिसके पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो चुकी है। वहीं, अब जल्द ही एक्ट्रेस दूसरे शेड्यूल की शूटिंग भी शुरू करने वाली हैं। इसके अलावा दीपिका 'प्रोजेक्ट के' में प्रभास के साथ और 'सिंघम 3' में नजर आएंगी।

शहनाज के चैट शो में पहुंचे शाहिद कपूर

एक्ट्रेस शहनाज गिल का चैट शो 'देसी वाइब्स विथ शहनाज गिल' काफी सुर्खियों में है। हाल ही में उनके शो में शाहिद कपूर अपनी वेब सीरीज फर्जी का प्रमोशन करने पहुंचे थे, जिसका प्रोमो सामने आया है। प्रोमो में शहनाज ये कहती नजर आई कि अगर उन्हें पता रहता कि सामने वाला आदमी शाहिद कपूर है तो वो उन्हें पकड़ लेतीं और उनसे जरूर मिलतीं। इस बात का मजाक बनाते हुए शाहिद ने भी कहा कि वो भी उन्हें पकड़ लेते और जरूर बात करते। दरअसल, शहनाज अपना एक चैट शो 'देसी वाइब्स विथ शहनाज गिल' चलाती हैं, जिसमें कई सेलेब्स अपनी फिल्म का प्रमोशन करने आते हैं।

शाहिद कपूर जल्द ही शहनाज के शो में नजर आने वाले हैं। शेयर किए गए प्रोमो में शहनाज मस्ती मजाक करती नजर आईं। शहनाज ने कहा- 'उन्होंने शाहिद को यशराज के ऑफिस से बाहर निकलते देखा था, लेकिन शाहिद ने शेड्स पहना था तो वो उन्हें पहचान नहीं पाईं।' आगे उन्होंने कहा कि अगर वो पहचान जाती कि सामने वाला आदमी शाहिद है, तो वो उन्हें पकड़ लेती और हाए बोलती। शाहिद ने भी मजेदार जवाब देते हुए कहा- 'अगर कोई मुझे पकड़ता है तो मैं भी उसे पकड़ लेता हूं।' इस पर शहनाज हंसते हुए कहा- 'कोई बात नहीं, मैं बहुत चिल हूं।'शाहिद कपूर की वेब सीरीज फर्जी कल रिलीज होने वाली है। सीरीज में उनके साथ विजय सेतुपति, के के मेनन, राशि खन्ना, अमोल पालेकर, रेजिना कैसेंड्रा और भुवन अरोड़ा भी मुख्य भूमिका में शामिल हैं। ये एक क्राइम ड्रामा है, जिससे शाहिद कपूर और विजय सेतुपति अपना OTT डेब्यू कर रहे हैं।

शाहरुख के हमशक्ल को देखने के लिए उमड़ी भीड़ यूजर्स बोले डुप्लीकेट का ये हाल है तो

शाहरुख खान की फिल्म पठान बॉक्स ऑफिस दमदार परफॉर्मेंस दे रही है। इस बीच फिल्म से केवल किंग खान को ही नहीं, बल्कि उनके हमशक्लों को भी जबरदस्त फेम मिल रहा है। शाहरुख के डूप्लीकेट इब्राहिम कादरी ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो फैंस से घिरे हुए नजर आ रहे हैं। ये वीडियो पटना का है, जिसमें इब्राहिम किसी इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान पब्लिक ने उन्हें घेर लिया। लोग उनके साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए इकट्ठा हो गए। पोस्ट शेयर करते हुए इब्राहिम ने लिखा- 'पटना के सभी सपोर्टर्स और फैंस को बहुत सारा प्यार।' बता दें कि इब्राहिम कादरी एक फेमस इन्फ्लुएंसर है। इनके इंस्टाग्राम पर 4 लाख 3 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वो शाहरुख खान की कॉपी करने के लिए जाने जाते हैं। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पठान के गाने 'झूम जो पठान' पर डांस किया था, जिसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। शाहरुख के डुप्लीकेट का यह वीडियो देखकर एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा-' शाहरुख का क्रेज देखिए कि उनके जैसे दिखने वालों को भी कितना फेम मिल रहा है। एक अन्य यूजर ने लिखा- 'लगता है फैंस नकली शाहरुख को असली समझ बैठे।'

डेब्यू करने वाले गेंदबाज का फिर शिकार बने कोहली

टेस्ट की लगातार 37वीं पारी में नहीं लगा सके शतक

भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का टेस्ट में खराब फॉर्म जारी है। वह नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मैच के दूसरे दिन शुक्रवार (10 फरवरी) को रविचंद्रन अश्विन के आउट होने के बाद कोहली क्रीज पर उतरे। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ 16 रन की साझेदारी की ही थी कि अपना पहला टेस्ट खेल रहे टॉड मर्फी ने उन्हें आउट कर दिया। विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने विराट का कैच लिया।

विराट टेस्ट की लगातार 37वीं पारी में शतक नहीं लगा सके। उन्होंने पिछला शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था।

तब कोहली ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए डे-नाइट टेस्ट में 136 रन की पारी खेली थी। उसके बाद कोहली ने छह अर्धशतक लगाए हैं। विराट लगातार 10वीं पारी में अर्धशतक नहीं लगा पाए हैं। उन्होंने पिछला अर्धशतक केप टाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जनवरी 2022 में लगाया था। तब विराट ने 79 रन की पारी खेली थी।

डेब्यू करने वाले मर्फी ने किया कोहली को आउट

कोहली अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 19वीं बार डेब्यू करने वाले गेंदबाज का शिकार बने हैं। मर्फी ने उन्हें आउट कर करियर की यादगार शुरुआत की है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 664 मैच में सबसे ज्यादा 35 बार डेब्यू करने वाले गेंदबाज का शिकार बने थे।

मर्फी ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट की पहली ही पारी में पांच विकेट हासिल कर लिए। मर्फी ने केएल राहुल, रविचंद्रन अश्विन, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली और केएस भरत को आउट किया। वह डेब्यू टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के लिए एक पारी में पांच विकेट लेने वाले चौथे ऑफ स्पिनर बन गए।

डेब्यू करने वाले गेंदबाज का सबसे ज्यादा शिकार होने वाले खिलाड़ी

बल्लेबाज	देश	कुल अं	मैच कितनी बार आउट
सचिन तेंदुलकर	भारत	664	35
महेला जयवर्धने	श्रीलंका	652	23
महमूदुल्ला	बांग्लादेश	386	23
मो अजहरुद्दीन	भारत	433	23
डेसमंड हेंस	वेस्टइंडीज	354	22
स्टीव वॉ	ऑस्ट्रेलिया	493	20
राहुल द्रविड़	भारत	509	20
वीवीएस लक्ष्मण	भारत	220	20
विराट कोहली	भारत	490	19
कुमार संगकारा	श्रीलंका	594	19

17 महीने बाद रोहित का टेस्ट में शतक

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जड़ा पहला सैकड़ा

भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाया। उन्होंने शुक्रवार (10 फरवरी) को मैच की पहली पारी में अपना शतक पूरा किया। हिटमैन ने टेस्ट में 17 महीने बाद सैकड़ा लगाया है। पिछली बार उन्होंने सितंबर 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में 127 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के शतक लगाकर रोहित ने इतिहास भी रच दिया।

रोहित बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) में शतक लगाने वाले भारत के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वह ऐसा करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस और पाकिस्तान के बाबर आजम बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट में शतक लगा चुके हैं। रोहित वनडे में बतौर कप्तान तीन और टी20 में दो शतक लगा चुके हैं।

रोहित ने इस मामले में कपिल देव को छोड़ा पीछे

रोहित के टेस्ट करियर का यह नौवां शतक है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने पहली बार टेस्ट मैच में शतक लगाया है। रोहित भारत के लिए सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में पूर्व दिग्गज कप्तान कपिल देव से आगे निकल गए हैं। कपिल देव ने 131 टेस्ट में आठ शतक लगाए हैं। हिटमैन ने नौवां शतक लगाकर पूर्व ओपनर गौतम गंभीर और नवजोत सिंह सिद्धू की बराबरी कर ली है। गंभीर ने 58 और सिद्धू ने 51 टेस्ट में नौ-नौ शतक लगाए थे।

चला राहुल, पुजारा, कोहली और सूर्यकुमार का बल्ला नहीं

नागपुर की जिस पिच पर रोहित शर्मा ने शतक लगाया है उसी पर भारत के कई दिग्गज बल्लेबाज फेल हो गए। केएल राहुल, चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली बड़ी पारी नहीं खेल पाए। वहीं, डेब्यू करने वाले सूर्यकुमार यादव भी सस्ते में चलते बने। भारत ने 168 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। राहुल पहले दिन आउट होने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी थे। वह 20 रन बनाकर आउट हुए। मैच के दूसरे दिन रविचंद्रन अश्विन 23, चेतेश्वर पुजारा सात, विराट कोहली 12 और सूर्यकुमार यादव आठ रन बनाकर आउट हुए।

किरण नवगिरे सर्वश्रेष्ठ विस्फोटक महिला बल्लेबाज से सम्मानित, एक साल में जड़े 69 छक्के

भारत की स्टार क्रिकेट किरण नगविरे को 'हार्ड हिटर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान क्रिकहीरोज अवॉर्ड में दिया गया। इस कार्यक्रम में भारत की महिला क्रिकेटरों को 10 कैटेगरी में सम्मानित किया गया। किरण ने पिछले साल शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 38 पारियों में 69 छक्के जड़े थे। उनके अलावा जयपुर की तनिका शर्मा को बैटर ऑफ द ईयर और बॉलर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से भी सम्मानति किया गया। गुरुग्राम की साची ग्रोवर की 223 रन की पारी को इनिंग ऑफ द ईयर चुना गया। कुरुक्षेत्र की अक्षरा सैनी को 'फील्डर ऑफ द ईयर' और नई दिल्ली की निशिका सिंह को 'विकेटकीपर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार मिला। इस संस्थान के फाउंडर अभिषेक देसाई ने कहा कि हम सभी के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि यहां हम उन महिलाओं का समर्थन और प्रोत्साहन कर रहे हैं जो क्रिकेट में बदलाव लाने वाली भी हैं।

भारत के बाहर समुदाय के सदस्यों को मान्यता देने के लिए पुरस्कारों में पहली बार आउटसाइड इंडिया श्रेणी की शुरुआत की गई थी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अजमान के किरण मोहन को लेदर बॉल श्रेणी में 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज' घोषित किया गया, जबकि यूएई में ही रास अल खैमाह के जेरिन जेवियर ने टेनिस बॉल श्रेणी में समान पुरस्कार जीता। रास अल खैमाह के हैदर अली और कराची के मुहम्मद आकिफ को क्रमशः टेनिस और लेदर बॉल श्रेणियों में 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' का पुरस्कार मिला। दुबई के रेमेश रसीन और मजहर हुसैन को क्रमशः टेनिस और लेदर बॉल श्रेणी में 'ऑल राउंडर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार मिला। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारत पुरुष वर्ग में 46 पुरस्कार प्रदान किए गए जिनमें अंपायर ऑफ द ईयर, स्कोरर ऑफ द ईयर, लाइव स्ट्रीमर ऑफ द ईयर, टूर्नामेंट ऑर्गनाइजर ऑफ द ईयर आदि शामिल थे।

बेंगलुरु के प्रवीण चन्नप्पा और नोएडा के राहुल चौधरी को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। लेदर और टेनिस बॉल श्रेणियों में 'बैटर ऑफ द ईयर' जबकि धवल दर्जी और धीरज वाधवा को विभिन्न बॉल श्रेणियों में 'बॉलर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नागपुर टेस्ट के बीच सचिन तेंदुलकर ने इन तीन खिलाड़ियों की तारीफ की

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला नागपुर में खेला जाएगा। मैच के पहले दिन गुरुवार (नौ फरवरी) को रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की फिरकी का जादू देखने को मिला। वहीं, दूसरे दिन कप्तान रोहित शर्मा ने शानदार शतक लगा दिया। मैच में फिलहाल टीम इंडिया मजबूत स्थिति में है। उसने ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी में 177 रन पर ऑलआउट कर दिया था। वहीं, भारत ने पहली पारी में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक सात विकेट पर 321 रन बना लिए हैं। वह पहली पारी में 144 रन से आगे है।

जडेजा ने पहली पारी में पांच और अश्विन ने तीन विकेट लिए थे। इसके बाद रोहित ने 212 गेंद पर 120 रनों की पारी खेली। जडेजा 66 और अक्षर पटेल 52 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने आठवें विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी कर ली है। अश्विन ने बल्लेबाजी में भी योगदान दिया।

उन्होंने 24 रन बनाए। रोहित शर्मा, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा के शानदार प्रदर्शन को सचिन तेंदुलकर ने एसएस राजामौली की फिल्म RRR से जोड़ दिया।

सचिन ने क्या ट्वीट किया?

तेंदुलकर ने ट्विटर पर रोहित, अश्विन और जडेजा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने टीम इंडिया से RRR का कनेक्शन जोड़ते हुए लिखा, "RRR...रोहित, रवींद्र और रविचंद्रन की तिकड़ी ने इस टेस्ट में टीम इंडिया को आगे कर दिया है। रोहित ने शतक लगाकर आगे से टीम को लीड किया है। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने महत्वपूर्ण विकेट लिए।"

रोहित ने रचा इतिहास

रोहित ने टेस्ट में 17 महीने बाद सैकड़ा लगाया है। पिछली बार उन्होंने सितंबर 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में 127 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के शतक लगाकर रोहित ने इतिहास भी रच दिया। रोहित बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) में शतक लगाने वाले भारत के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

वह ऐसा करने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी हैं।

श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान, दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस और पाकिस्तान के बाबर आजम बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट में शतक लगा चुके हैं। रोहित वनडे में बतौर कप्तान तीन और टी20 में दो शतक लगा चुके हैं।

जडेजा से पहले भी भारतीय खिलाड़ियों पर लगे हैं झूठे आरोप

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में रवींद्र जडेजा ने दमदार वापसी की है। उन्होंने मैच की पहली पारी में पांच विकेट झटके और ऑस्ट्रेलिया को 177 रन के स्कोर पर समेटने में अहम योगदान दिया। हालांकि, मैच खत्म होने के बाद जडेजा विवादों में आ गए और अंत में टीम इंडिया को इस मामले पर सफाई पर भी देनी पड़ी।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने जडेजा के एक वीडियो पर सवाल खड़े किए थे, जिसमें वह सिराज के हाथ से लेकर कुछ अपनी गेंदबाजी करने वाली अंगुली में लगा रहे थे। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने इसे बॉल टेंपरिंग से जोड़ने की कोशिश की। हालांकि, टीम इंडिया ने मैच रेफरी बताया कि जडेजा अपने अंगुली पर दर्द निवारक क्रीम लगा रहे थे। 15 ओवर की गेंदबाजी के बाद उनके हाथ में दर्द होने लगा था। इसके बाद उन्होंने दर्द से राहत पाने के लिए क्रीम का इस्तेमाल किया।

यह पहला मौका नहीं है, जब ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने भारतीय खिलाड़ियों या भारतीय टीम पर झूठे आरोप लगाए हैं। इससे पहले भी कई बार ऐसा हो चुका है।

साल 2008 में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर थी। यहां सिडनी में मैच के दौरान हरभजन सिंह और एंड्रयू साइमंड्स के बीच बहस हो गई थी। इसके बाद साइमंड्स ने हरभजन पर आरोप लगाए कि उन्हें बंदर कहा गया है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने इस पर जमकर बवाल किया और हरभजन पर तीन मैच का बैन लग गया। मामला सिडनी कोर्ट तक पहुंचा और भज्जी निर्दोष साबित हुए। इस दौरान भारत और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड के संबंध भी खराब हो गए थे।

रवींद्र जडेजा के सामने नहीं चलता स्मिथ का बल्ला

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर में चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। पहली पारी में कंगारू टीम 63.5 ओवर में 177 रन पर सिमट गई। जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 77 रन बना लिए हैं। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही। पांच महीने बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन ने कहर बरपाया और मिलकर आठ विकेट झटके।

जडेजा ने मैच में 22 ओवर में 47 रन देकर पांच विकेट झटके, जबकि अश्विन ने 42 रन देकर तीन विकेट लिए। जडेजा के टेस्ट करियर का यह 11वां पारी में पांच विकेट रहे। उन्होंने मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, मैट रेनशॉ, पीटर हैंड्सकॉम्ब और मर्फी के विकेट लिए। इन सबमें स्मिथ का विकेट सबसे शानदार रहा। जडेजा ने स्मिथ को क्लीन बोल्ड किया। वह 107 गेंदों में 37 रन बना सके।

जडेजा ने 13 पारियों में स्मिथ को तीन बार क्लीन बोल्ड किया है। वहीं, भुवनेश्वर और हेराथ ने छह-छह, एंडरसन ने 36 और ब्रॉड ने 40 पारियों में स्मिथ को दो-दो बार क्लीन बोल्ड किया है। हालांकि, स्मिथ को टेस्ट में सबसे ज्यादा बार आउट करने का रिकॉर्ड ब्रॉड के नाम है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को नौ बार पवेलियन भेजा है। वहीं, एंडरसन आठ बार के साथ दूसरे, पाकिस्तान के यासिर शाह सात बार के साथ तीसरे और अश्विन छह बार के साथ चौथे स्थान पर हैं।

मैच की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के लिए लाबुशेन, स्मिथ, हैंड्सकॉम्ब और एलेक्स कैरी ही दहाई से ऊपर का आंकड़ छू सके। लाबुशेन 123 गेंदों में 49 रन, स्मिथ 107 गेंदों में 37 रन, हैंड्सकॉम्ब 84 गेंदों में 31 रन और कैरी 33 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा डेविड वॉर्नर एक रन, उस्मान ख्वाजा एक रन, पैट कमिंस छह रन और स्कॉट बोलैंड एक रन बनाकर आउट हुए। मैट रेनशॉ, मर्फी तो खाता भी नहीं खोल सके। जडेजा और अश्विन के अलावा शमी और सिराज को एक-एक विकेट मिला।

भारत के 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी ऐसी ही घटना सामने आई थी, जब ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने भारतीय खिलाड़ियों पर आरोप लगाए थे कि टीम इंडिया के खिलाड़ी क्वारंटीन में नहीं रहना चाह रहे हैं और शिकायत कर रहे हैं, जबकि हकीकत इससे पूरी तरह अलग थी। वहीं, भारतीय खिलाड़ी जब घूमने निकले थे, तब ऑस्ट्रेलिया की तरफ से उनकी तस्वीरें वायरल कर दी गईं और कई गंभीर आरोप लगाए गए। इन आरोपों में भी हकीकत नहीं थी। हालांकि, भारत ने खेल के मैदान पर इन सभी आरोपों का जवाब दिया और गाबा में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सीरीज अपने नाम की थी।

सोने का दाम फिर हुआ धड़ाम, सस्ता हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सोने का आज का भाव को भारत में सोने की कीमत तेजी से नीचे आई है। दो दिन चढ़ने के बाद आज सोने के रेट में ताबड़तोड़ गिरावट देखने को मिली है। शॉर्ट-टर्म यील्ड बढ़ने के दबाव के बीच सोने की कीमतें लगभग एक महीने के निचले स्तर पर रहीं, लेकिन बाद में इनमें तेजी आई। मिले-जुले वैश्विक संकेतों से शुक्रवार को सोने की कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है, जबकि चांदी की कीमत 0.82% नीचे है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, सोना अप्रैल वायदा 232 रुपये या 0.41% की गिरावट के साथ 57,170 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी मार्च वायदा 549 रुपये की गिरावट के साथ 67,324 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रहा था। यूएस फेड द्वारा जारी ब्याज दर में बढ़ोतरी की संभावना के कारण, वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतें सपाट रहीं। हाजिर सोना 1,861.11 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा। अमेरिकी सोना वायदा 0.3% गिरकर 1,873.00 डॉलर पर आ गया। शॉर्ट-टर्म यील्ड बढ़ने के दबाव के बीच सोने की कीमतें लगभग एक महीने के निचले स्तर पर मंडराती रहीं। फेड अधिकारियों द्वारा मिलने वाले सख्त संकेतों ने सोने को दबाव में रखा, क्योंकि फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल और कई अन्य वक्ताओं ने चेतावनी दी कि ब्याज दरों में और वृद्धि होने की संभावना है। अमेरिकी मंदी को लेकर अनिश्चितता भी बढ़ी, क्योंकि गहराता संकट अर्थव्यवस्था पर चेतावनी के संकेत भेज रहा है। आज का फोकस यूके की जीडीपी, भारत के आईआईपी पर है। कॉमेक्स पर सोने की कीमत की व्यापक रुझान 1835-1870 डॉलर के दायरे में हो सकती है।

मुकेश अंबानी करेंगे यूपी में 75 हजार करोड़ का निवेश

1 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आज से तीन दिवसीय यूपी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (यूपी जीआईएस 2023) का शुभारंभ हो गया है। आयोजन के लिए लखनऊ पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बटन दबाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया है। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस मौके पर मौजूद थे और उन्होंने इसे ट्वीट भी किया है। इस कार्यक्रम में देश के जाने-माने उद्योगपति जैसे मुकेश अंबानी, कुमार मंगलम बिड़ला मौजूद भी रहे।

5 सालों के भीतर ही उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा-मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने इस मौके पर समिट में कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार और ईज आफ डूइंग बिजनेस में सुधार के कारण यूपी नए भारत के लिए आशा का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए इंडस्ट्री और सहयोग दोनों की जरूरत है जिसे उत्तर प्रदेश पूरा कर रहा है। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी ने अगले चार सालों के दौरान उत्तर प्रदेश में 75 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। इस निवेश से करीब 1 लाख नए रोजगार पैदा होने का अनुमान है। लखनऊ में आयोजित 'यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में बोलते हुए मुकेश अंबानी ने दावा किया कि 5 सालों के भीतर ही उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर की

अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मुकेश अंबानी ने 2023 के आखिर तक यूपी के सभी शहरों में 5जी रोलआउट करने की बात भी कही।

क्या है रिलायंस इंडस्ट्रीज का यूपी के लिए प्लान

रिलायंस ने यूपी में बायो-गैस एनर्जी बिजनेस में उतरने का एलान भी किया है। इस पर मुकेश अंबानी ने कहा कि बायो-गैस से पर्यावरण में सुधार तो होगा ही किसानों को भी बड़ा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि 'हमारे किसान अन्न दाता तो हैं ही, अब ऊर्जा दाता भी बनेंगे'। वहीं एक और एलान में मुकेश अंबानी ने कहा कि आरआईएल उत्तर प्रदेश में 10 गीगावॉट की रिन्यूबल एनर्जी क्षमता को स्थापित करेगा। यह उत्तर प्रदेश में अब तक की सबसे बड़ी अक्षय ऊर्जा परियोजना होगी।

दो पायलट प्रोजेक्ट्स भी चलाएगा रिलायंस समूह

मुकेश अंबानी ने यूपी के गांवों और छोटे शहरों में किफायती शिक्षा के साथ हेल्थकेयर सर्विसेज के लिए रिलायंस के जियो प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से दो पायलट प्रोजेक्ट्स की भी घोषणा की। जियो-स्कूल और जियो-एआई-डॉक्टर के साथ ही यूपी के कृषि और गैर-कृषि उत्पादों की सोर्सिंग को कई गुना बढ़ाने का इरादा भी मुकेश अंबानी ने जताया। इससे किसानों, स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और छोटे व मझौले उद्योगों को फायदा मिलेगा।

रिलायंस का उत्तर प्रदेश में कुल निवेश 1.25 लाख करोड़ हो जाएगा

मुकेश अंबानी के यूपी में 75 हजार करोड़ रुपये के निवेश के एलान के बाद रिलायंस का कुल निवेश 1.25 लाख करोड़ हो जाएगा। इससे 1 लाख नए रोजगार पैदा होंगे और नई नौकरियां आने से प्रदेश के युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। साल 2018 से अब तक रिलायंस 50 हजार करोड़ का निवेश पहले ही उत्तर प्रदेश में कर चुकी है। मुकेश अंबानी ने कहा कि नए भारत के लिए उत्तर प्रदेश आशा का केंद्र बन गया है। नोएडा से गोरखपुर तक, लोगों में जोश और उत्साह दिख रहा है। हम सब साथ मिलकर भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य को भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक में बदल देंगे।यूपी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के लिए लखनऊ में डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 25 हजार वर्गमीटर में फाइव स्टार होटल की तर्ज पर 5 बड़े पंडाल और टेंट सिटी बसाई गई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर यूपी पुलिस अलर्ट पर है। नेपाल और पड़ोसी राज्यों की सीमा पर पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है।

बजट में जरूरतों और आर्थिक सीमाओं का संतुलन रखा गया

वित्त मंत्री ने बताया बजट का सार

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में आम बजट 2023-24 पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। वित्त मंत्री ने बजट 2023-24 के सार के बारे में बोलते हुए कहा कि यह बजट राजकोषीय विवेक की सीमाओं के भीतर भारत के विकास अनिवार्यताओं की आवश्यकताओं को संतुलित करता है। वित्त मंत्री ने लोकसभा में कहा कि करप्शन पर बोलने का कांग्रेस को बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारें बिना सोचे समझे कदम उठातीं हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की नवनिर्वाचित कांग्रेस सरकार को भी शपथ ग्रहण के बाद पेट्रोल-डीजल पर वैट लगाने के लिए निशाने पर लिया। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पिछले साल का बजट पढ़ने पर उन्होंने कहा कि ऐसा किसी के भी साथ हो सकता है। ऐसी गलती कोई भी कर सकता है पर ऐसा होना नहीं चाहिए। मनरेगा पर उन्होंने कहा कि 2019 के बजट में 60 हजार करोड़ था। उसके बाद के बजट में इसमें लगातार बढ़ोतरी की गई।

उन्होंने कहा कि गरीबी पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस इस मामले में खुद शीशे के घर में हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी उस समय मनरेगा के लिए जो राशि जारी की जाती थी वह भी खर्च नहीं हो पाती थी। विपक्ष के लोग आरोप लगाते हैं कि हम

गरीबों की बात नहीं करते हैं। जब मैं आंकड़े देकर बात कर रही हूं तो वे हंस रहे हैं। क्या ये सही है? वित्त मंत्री ने जीएसटी कंपेनसेशन बकाए पर कहा कि पश्चिम बंगाल को 823 करोड़ रुपये कंपेनसेशन नहीं जारी किए गए हैं क्योंकि राज्य की ओर से एजी की रिपोर्ट सबमिट नहीं की गई है। इस कारण ये राशि राज्य को जारी नहीं की जा सकती है। पिछले कई वर्षों से राज्य ने ये रिपोर्ट नहीं भेजी है। कंपेनसेशन की राशि इसलिए जारी नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हम राशि जारी करने के लिए तैयार हैं पर जो प्रक्रिया है उसे राज्य सरकार को पूरा करना चाहिए।

उतार-चढ़ाव के बाद 123 अंक फिसल कर बंद हुआ सेंसेक्स

मेटल व आईटी सेक्टर पर दिखा दबाव

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार लान निशान पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 123.52 अंकों की गिरावट के साथ 60,682.70 और निफ्टी 36.95 अंक फिसलकर 17856.50 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सेशन में सेंसेक्स में 9% जबकि अदाणी एंटरप्राइजेस के शेयरों में 5% की गिरावट दर्ज की गई। वहीं दूसरी

ओर टाटा मोटर्स और यूपीएल के शेयरों में डेढ़-डेढ़ प्रतिशत की मजबूती दिखी।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन के शेयर बाजार में मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों पर सबसे अधिक दबाव दिखा।

देश में पहली बार लिथियम मिला

जम्मू-कश्मीर के रियासी में 59 लाख टन का भंडार, यहां सोने के 5 ब्लॉक भी

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। देश में पहली बार लिथियम का भंडार मिला। इसकी कैपेसिटी 59 लाख (5.9 मिलियन) टन है। लिथियम के साथ ही सोने के 5 ब्लॉक भी मिले हैं। लिथियम (जी3) की यह पहली साइट है, जिसकी पहचान जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) ने जम्मू-कश्मीर के रियासी में की है। लिथियम एक ऐसा नॉन फेरस मेटल (अलौह धातु) है, जिसका उपयोग मोबाइल-लैपटॉप, इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) समेत अन्य चार्जेबल बैटरी बनाने में किया जाता है। यह एक रेअर अर्थ एलिमेंट है। भारत लिथियम के लिए अभी पूरी तरह दूसरे देशों पर निर्भर है। भारत अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। 2020 से भारत लिथियम आयात करने के मामले में दुनिया में चौथे नंबर पर रहा। भारत अपनी लिथियम-ऑयन बैटरियों का करीब 80% हिस्सा चीन से मंगाता है। भारत इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए अर्जेंटीना, चिली, ऑस्ट्रेलिया और बोलिविया जैसे लिथियम के धनी देशों की खदानों में हिस्सेदारी खरीदने पर काम कर रहा है। 62वीं सीजीपीबी की मीटिंग के दौरान जीएसआई ने लिथियम और गोल्ड समेत 51 खनिज के ब्लॉक्स की रिपोर्ट राज्य सरकारों को सौंपी। इनमें से 5 ब्लॉक सोने के भंडार हैं। इनके अलावा, पोटाश, मोलिब्डेनम, बेस मेटल से जुड़े हुए हैं। ये मेटल्स 11 राज्यों के अलग-अलग जिलों में मिले हैं। इन राज्यों में जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु और तेलंगाना शामिल हैं। यूक्रेन के खिलाफ रूस की युद्ध छेड़ने की एक प्रमुख वजह वहां धरती के नीचे छिपा वाइट गोल्ड यानी लिथियम का अकूत भंडार है।

ट्विटर पर घटती रीच से चिंता में एलन मस्क !

टॉप इंजीनियर को दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। एलन मस्क के ट्विटर टेकओवर के बाद से ही यह माइक्रोब्लॉगिंग साइट लगातार सुर्खियों में है। अब ट्विटर को लेकर एक और खबर आई है। एलन मस्क ने ट्विटर पर अपनी घटती रीच को देखते हुए कंपनी के टॉप इंजीनियर को नौकरी से निकालने का फैसला किया है। आईएएनएस की खबर को मुताबिक पिछले हफ्ते एलन मस्क ने अपने अकाउंट को कुछ देर को लिए प्राइवेट कर दिया था। उन्होंने ऐसा ट्विटर के पब्लिक और प्राइवेट फीचर को चेक करने के लिए ही किया था। इसके बाद उन्होंने देखा कि उनकी अकाउंट रीच में काफी कमी आई थी। इसके बाद मस्क ने अपने टॉप इंजीनियरों की टीम से इस बारे में जवाब मांगा।

ट्विटर की लगातार घट रही है रीच

कुछ दिन पहले ही ट्विटर ने पब्लिक और

प्राइवेट पोस्ट के फीचर को लॉन्च किया है। इस फीचर के लॉन्च होने के बाद से ही लगातार ट्विटर यूजर्स इससे जुड़ी अपनी शिकायतें साझा कर रहे थे। इसके बाद मस्क ने इसे चेक करने के लिए एक दिन के लिए अपने अकाउंट को प्राइवेट कर दिया, जिसमें उन्होंने पाया कि उनकी रीच बेहद कम हो गई है। इसके अलावा यूजर्स की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए मस्क ने मंगलवार को ट्विटर के हेडक्वार्टर में इंजीनियरों और एडवाइजर्स की टीम की बैठक बुलाई। इस बैठक में उन्होंने इसके बारे में ट्विटर के टॉप इंजीनियर से सवाल किया कि पिछले एक साल में उनके अकाउंट की रीच में कमी कैसे आई है? कोई ठोस जवाब न मिलने पर उन्होंने इंजीनियर को नौकरी से निकालने का फरमान जारी कर दिया।

इंजीनियरों के काम से खुश नहीं हैं मस्क

ट्विटर के मौजूदा इंप्लाई के मुताबिक एलन मस्क ट्विटर की गिरती रिच को लेकर बेहद चिंताजनक है। इसके साथ ही वह ट्विटर के टॉप इंजीनियरों के काम से भी बेहद खुश नहीं हैं। ऐसे में उन्होंने कई कर्मचारियों अपने खाते को हर डाटा को सही तरीके से चेक करके कंपनी रीच को बढ़ाने के लिए काम करने का आदेश दिया है। वहीं गुरुवार के दिन भारत समेत पूरी दुनिया में कुछ घंटों के ट्विटर की सेवाएं कुछ देर के लिए बाधित हुई जिसे बाद में बहाल कर लिया गया।

44 बिलियन डॉलर में खरीदा ट्विटर

एलन मस्क ने पिछले साल अक्टूबर के महीने में ट्विटर की डील पूरी करते हुए इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को पूरे 44 बिलियन डॉलर में खरीद लिया था। मस्क के ट्विटर टेकओवर के बाद से ही इस सोशल मीडिया साइट पर कई बड़े बदलाव किए गए हैं। सबसे पहले कंपनी के 50 फीसदी कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। इसके अलावा मस्क ने इसके बाद मस्क ने 'पेड ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन' जैसे कई नई फीचर्स को भी शुरू किया है। इसमें ट्विटर के वेरिफाइड अकाउंट को हर महीने शुल्क देना पड़ता है।

अमेरिका एच-1बी वीजा पर नई पहल, भारत समेत अन्य देशों के पेशेवरों को राहत

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। एच-1बी और एल1 वीजा धारक हजारों विदेशी तकनीकी कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने के लिए अमेरिका पायलट आधार पर कुछ श्रेणियों में 'घरेलू वीजा पुनः सत्यापन' प्रक्रिया फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है। इस साल के अंत में शुरू होने वाली पायलट परियोजना जब पूरी तरह से लागू हो जाएगी तो संयुक्त राज्य अमेरिका में हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह एक बड़ी राहत होगी। 2004 तक गैर-आप्रवासी वीजा की कुछ श्रेणियों विशेष रूप से एच 1 बी को अमेरिका के अंदर नवीनीकृत या मुद्रित किया जा सकता था। उसके बाद से यह सुविधा उपलब्ध नहीं थी। 2004 के बाद इस तरह वीजा के नवीनीकरण के लिए विशेष रूप से एच -1 बी पर रहने वाले विदेशी तकनीकी कर्मचारियों को देश से बाहर जाना पड़ता है। ज्यादातर लोगों को अपने पासपोर्ट पर एच-1 बी की अवधि विस्तार के लिए मुहर लगवाने अपने देश जाना पड़ता है। सभी एच-1बी वीजा धारकों के लिए जब उनके वीजा का नवीनीकरण किया जाता है तो उन्हें अपने पासपोर्ट पर मुहर लगाने की आवश्यकता होती है। यह जरूरी है अगर वे अमेरिका के बाहर यात्रा करना चाहते हैं या अमेरिका में फिर से प्रवेश करना चाहते हैं। अभी तक अमेरिका में एच-1बी वीजा के नवीकरण की अनुमति नहीं है। रिस्टैम्पिंग केवल किसी भी अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में ही की जा सकती है। यह विदेशी अतिथि श्रमिकों और उनके कर्मचारियों के लिए भी एक बड़ी असुविधा थी।

अलीबाबा ने समेटा भारत से अपना कारोबार

पेटीएम में खत्म की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। चीन की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा ने भारत से अपना कारोबार पूरी तरह बंद करने की तैयारी कर ली है। अलीबाबा ने आज एक ब्लॉक डील के जरिए पेटीएम में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। बता दें कि पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में अपनी बची हुई हिस्सेदारी यानी करीब 2.1 करोड़ शेयर्स (या 3.4 प्रतिशत इक्विटी) बेच दिए हैं। इस ब्लॉक डील के बाद अलीबाबा अब पेटीएम में स्टेकहोल्डर नहीं है। कंपनी ने जनवरी में पेटीएम में 6.26 फीसदी इक्विटी में से करीब 3.1 फीसदी की बिक्री की थी।इस डील के बाद अलीबाबा के भारत से बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह से साफ हो चुका है। चीनी कंपनी ने इससे पहले जोमैटो और बिगबास्केट में अपनी हिस्सेदारी बेच दी थी। अलीबाबा

पेटीएम के शुरुआती निवेशकों में शामिल है। दिसंबर तिमाही में बेहतर प्रदर्शन के चलते पेटीएम के घाटे में कमी आई है जिसके बाद से ही कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। कंपनी ने 3 फरवरी को अक्टूबर-दिसंबर 2022 के नतीजे जारी किए थे और तब से लेकर कल यानी 9 फरवरी तक पेटीएम करीब 34 फीसदी से अधिक मजबूत हुआ था। इससे पेटीएम के पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में 9 फीसदी तक गिरावट आई। दोपहर 2.30 बजे यह यह 8.25 फीसदी की गिरावट के साथ 653.75 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। कंपनी ने दिसंबर तिमाही में ऑपरेटिंग प्रॉफिटैबिलिटी की घोषणा की थी। इस दौरान कंपनी का घाटा पिछले साल के 779 करोड़ रुपये से घटकर 392 करोड़ रुपये रह गया है। इससे कंपनी के शेयरों में तेजी देखी जा रही थी। लेकिन अलीबाबा के शेयर बेचने से आज इसमें गिरावट आई। अक्टूबर-दिसंबर 2022 में पेटीएम की पैरेंट कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 41 फीसदी बढ़कर 2062 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं इसका नेट लॉस सालाना आधार पर 778 करोड़ रुपये से घटकर 392 करोड़ रुपये रह गया। जो कंपनी के लिए राहत देने वाली खबर थी। सितंबर 2022 में इसका घाटा 572 करोड़ रुपये था। पेटीएम ने 6.1 मिलियन डिवाइस की तैनाती के साथ ऑफ़लाइन भुगतान में अपने नेतृत्व को मजबूत किया।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-05 बजे
चंद्र-	कन्या	में	कुंभ -	06-55 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	08-34 बजे
बुध-	मकर	में	मेष--	10-10 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	11-54 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	13-55 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-07 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-19 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-26 बजे
			तुला	22-31 बजे
			वृश्चिक.	00-41 बजे
			धनु.....	02-55 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी **-09 -08** तक उपरान्त,षष्ठी
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , शनिवार **Feb 11**
नक्षत्र -चित्रा- **01 -39** तक उपरान्त स्वाति
योग - शूल - **16 - 21** - तक उप गण्ड
करण- तैतिल-**09 - 08** - तक उप- गर
विशेष:- सर्प पूजन- **09-08** तक
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:38 से 11:04 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल.	06:48 - 08:12 अशुभ	लाभ	18:12 - 19:49 शुभ
शुभ.	08:12 - 09:38 शुभ	उत्पात	19:49 - 21:23 अशुभ
रोग	09:38 - 11:04 अशुभ	शुभ	21:23 - 22:56 शुभ
उत्पात	11:04 - 12:30 अशुभ	अमृत	22:56 - 00:30 शुभ
चंचल	12:30 - 13:57 शुभ	चंचल	00:30 - 02:04 शुभ
लाभ	13:57 - 15:23 शुभ	रोग	02:04 - 03:38 अशुभ
अमृत	15:23 - 16:49 शुभ	काल	03:38 - 05:12 अशुभ
काल	16:49 - 18:12 अशुभ	लाभ	05:12 - 06:48 शुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं। सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नहीं होगा। गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी। यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा ,लेकिन अगर एक बार आप यह कर गये तो आपका जीवन ही बदल जाएगा।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे। हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।आपको आज गिरकर छोटी-मोटी चोट लग सकती है।

मिथुन का की कू घ ड झ के को हा

आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे ।आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे ।आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे ।आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें ।अब फिजूलखर्ची से बचना होगा। आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी। आप कई कारणों से अपने फिटनेस और स्वास्थ्य कार्यक्रम का पालन नही कर पा रहे थे।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है ।आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा। जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ट पे पो

संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे। आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चों पर लगाम लगाएंगे।

तुला स री रु रे से ता तू ते

आज आपका मूड बदलता रहेगा ।आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे। फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बनें रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी। आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है। हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं। आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जो पिछली बातों से आपको मिले हैं।

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं ।आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं। इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे। ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है। थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे वास्थ्य सम्बन्धी ऐसी समस्याएं जिन्हें आप काफी समय से नजरअंदाज करते आ रहे हैं।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है। आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे। महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे। अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा आप आज ऊर्जा और आशा से भरे हैं।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो च घी

आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है। अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें। अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें। आपके ऑफिस में काम का दबाव आपको तनाव दे रहा है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

महिला नागा पीठाधीश्वर पर पुरुष नागा ने तलवार मारी

108 बार गंगा में डुबकी, खुद का पिंडदान कर बनती हैं साध्वी

जूनागढ़, गुजरात , 10 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। दिन मंगलवार, शाम साढ़े पांच बजे का वक्त। गिरनार क्षेत्र के जूना अखाड़े की पीठाधीश्वर नागा संन्यासिनी जयश्रीकानंद माताजी से बातचीत करने के बाद उनके साथ आश्रम के बाहर टहलते हुए वीडियो कटआउट्स बन रहा था। सामने शिवा नाम का एक नागा साधु बैठा था। उसके दोनों हाथ में धारदार तलवारें थीं। जैसे ही उसने हमें देखा वह चीखने लगा। ऐ इधर मत आ, इधर मत आ। वह जयश्रीकानंद को गाली दे रहा था। जयश्रीकानंद नहीं मानीं और सड़क पार उसके पास पहुंच गई। दोनों के बीच तू-तू मैं-मैं होने लगी। हवा में तलवार लहराते हुए शिवा कह रहा था, 'मैं हिजड़ा नहीं हूं। तुझसे पूछकर बाबा नहीं बना हूं। तुम्हें मार दूंगा।' लाख गुहार लगाने के बाद भी एक-दो साधुओं को छोड़कर कोई आगे नहीं आया। उन लोगों का कहना था कि हम बीच में नहीं आएंगे। वह लगातार मां-बहन की गालियां दे रहा था। फिर उसने जयश्रीकानंद माताजी के साथ मार-पीट शुरू कर दी। धक्का देकर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। वे कुछ बोल रही थीं, लेकिन मुझे सुनाई नहीं दे रहा था। इसी बीच उसने उनके सीने में तलवार मार दी। उनके शरीर से खून बहने लगा।

मैं पहली बार किसी को अपनी आखों के सामने इस तरह तलवार से हमला करते देखा। वह हवा में तलवार लहरा रहा था। कोई उसके पास नहीं जा रहा था। उसने मुझे भी वीडियो बनाने से रोका, मारने की कोशिश की। 20 मिनट तक वह उत्पात मचाता रहा और वहां लोग तमाशाबीन बने देखते रहे। जयश्रीकानंद का भगवा चोला खून से लाल हो चुका था।

जयश्रीकानंद माताजी दर्द के मारे करहाते हुए बोलीं, 'मैंने इंटरव्यू में झूठ कहा कि अखाड़ों में संन्यासिनी का शोषण नहीं होता है। बहुत कठिन जिंदगी है हमारी। तुमने देख ही लिया कि क्या-क्या होता है हमारे साथ। डर की वजह से हम मुंह नहीं खोलते हैं।'

करीब 20 मिनट बाद हम सिविल अस्पताल पहुंच गए। यहां इलाज के लिए 20 रुपए की पर्ची बनवानी थी। मेरे पास मेरा पर्स नहीं था और ऑनलाइन पेमेंट वे लोग ले नहीं रहे थे। कार में जयश्रीकानंद ने अपना पर्स मुझे दिया था और कहा था कि इसे अपने पास रखना।

मैं उनका पर्स नहीं खोलना चाहती थी, लेकिन उनकी जान बचाने लिए मुझे पर्स खोलना पड़ा। जैसे ही उनका पर्स खोला, मैं चौंक गई। हजारों रुपए कैश। मेरी हिम्मत नहीं हुई पर्स में हाथ डालने की।

मैंने रिसेप्शन पर बैठे शख्स से कहा कि किसी की जिंदगी का सवाल है। आप पर्ची दे दीजिए। मैं किसी से मांगकर 20 रुपए आपको देती हूं। इसके बाद मुझे पर्ची मिली। तब जाकर इनका इलाज शुरू हुआ। जख्म गहरा था। बीपी डाउन हो गया था। सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। थोड़ी देर बाद आश्रम और अखाड़ों के साधु वहां जमा होने लगे। पुलिस-प्रशासन के बड़े अधिकारी, डिप्टी मेयर और पत्रकारों की भीड़ लग गई।

डीएसपी हितेष डांडलिया को जयश्रीकानंद ने बताया कि शिवा ने शराब पी रखी थी। परसों उसने दो सन्यासिनियों के साथ बदतमीजी की थी। मैंने उस पर नाराजगी जाहिर की थी। इसी वजह से उसने मेरी हत्या की कोशिश की।' कुछ देर बाद शिवा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस शिवा पर आईपीसी की धारा 307 के तहत केस दर्ज किया है।

बता दें कि जयश्रीकानंद 45 साल पहले घर छोड़कर संन्यासिनी बनी थीं। 2013 में जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर बनीं। चार साल पहले उन्हें गिरनार पीठाधीश्वर बनाया गया। वे पहली महिला पीठाधीश्वर हैं। वे बताती हैं, 'हम नागा साधु शिव भक्त होते हैं। हमारे इष्ट दतात्रेय भगवान हैं और मां अनुसुइया। शंकराचार्य ने धर्म की रक्षा के लिए नागा परंपरा की शुरुआत की थी। पहले सिर्फ पुरुष ही नागा साधु होते थे। बाद में महिलाएं भी इसमें शामिल होने लगीं। नागा साध्वियों को अवधूतानी भी कहा जाता है।'

नागा संन्यासिनी कैसे बनती हैं?

जयश्रीकानंद बताती हैं, 'पिछले कुछ सालों में नागा संन्यासिनी की संख्या बढ़ी है। पढ़ी-लिखी लड़कियां भी नागा बन रही हैं, लेकिन नागा बनना इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरना होता है। सबसे पहले एक गुरु धारण करना होता है। गुरु शिष्या को जनेऊ, गुरु मंत्र और भगवा चोला देते हैं। शुरुआत के 12 साल तक महिला को उसके घर आने-जाने की छूट होती है, लेकिन धीरे-धीरे उसे मोह-माया का त्याग करना होता है। 12 साल पूरा होने के बाद महिला अपने गुरु को बताती है कि वह अपने परिवार के बिना रह ससकती है। इसके बाद गुरु महिला से आजीवन ब्रह्मचर्य पालन का वचन लेते हैं। कुंभ के मौके पर विधि-विधान से उसे अखाड़े में प्रवेश दिलाते हैं। उसे 5 मीटर का भगवा कपड़ा देते हैं, जिसे वह गर्दन के पास से गांठ बांध लेती हैं। यही कपड़ा ही उसका वस्त्र होता है।

इसके बाद 16 संस्कार होते हैं। इसकी प्रक्रिया भी लंबी होती है। महिला को एक दिन उपवास रहना होता है। अगले दिन उसे गोबर, दही, दूध, हल्दी, भभूत और चंदन से नहलाया जाता है। फिर मुंडन होता है। गोमूत्र पिलाया जाता है। गंगा में 108 बार डुबकी लगवाई जाती है। इस दौरान मंत्र और हवन जारी रहते हैं।

आधी रात को धूणा तपाया (आग के सामने बैठाना) जाता है। अगले दिन धूप में बिठाया जाता है। फिर खुद ही वह अपना पिंड दान करती है। तब जाकर वह नागा संन्यासिनी बनती है। इसके बाद परिवार से उसका नाता-रिश्ता खत्म हो जाता है। अब कभी वह अपने घर में प्रवेश नहीं कर सकती है। हालांकि अब कई लोग कुंभ के दौरान भी अपना गुरु धारण करके नागा संन्यासी बन जाते हैं।'

जयश्रीकानंद बताती हैं, 'दोनों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों का पंथ एक ही है, इष्ट भी एक ही हैं और विधि-विधान भी एक जैसा ही है। 12 साल पूरा होने के बाद जहां महिला नागा को ब्रह्मचर्य पालन का वचन देना होता है, वहीं पुरुषों का लिंग संस्कार किया जाता है। गुरु जोर-जोर से तीन बार उनका लिंग खींचते हैं। ताकि आगे कभी उसमें संबंध बनाने की इच्छा नहीं रह जाए। पुरुष नागा हमेशा बिना कपड़ों के रहते हैं। जबकि ज्यादातर नागा संन्यासिनी भगवा चोले में रहती हैं। हां कुछ संन्यासिनी बिना वस्त्र के जंगलों और घुफाओं में रहती हैं। वे सिर्फ कुंभ के दौरान ही बाहर निकलती हैं।'

कुंभ के हिसाब से तय होते हैं नाम

जयश्रीकानंद बताती हैं, 'चार जगह लगने वाले कुंभ में जगह के हिसाब से इन नागा साधुओं को अलग-अलग नाम दिए जाते हैं। प्रयागराज के कुंभ में नागा साधु बनने वाले को नागा, उज्जैन में खूनी नागा, हरिद्वार में बर्फानी नागा और नासिक में खिचड़िया नागा कहा जाता है। पुरुष नागा साधुओं के साथ भी ऐसा ही होता है।

किसी सरकार की तरह होता है जूना अखाड़े का बजट

जूना अखाड़ा देश का सबसे बड़ा और पुराना अखाड़ा है। देशभर में 9 करोड़ साधु-संन्यासी इससे जुड़े हैं। इनमें महिला साधु-संतों की संख्या 1.75 करोड़ है। 2013 में पहली बार इससे महिला नागा संन्यासिनी जुड़ीं थीं। सबसे ज्यादा महिला नागा इसी अखाड़े में हैं।

इसके अलावा आह्वान अखाड़ा, निरंजन अखाड़ा, महानिर्वाणी अखाड़ा, अटल अखाड़ा और आनंद अखाड़े में भी महिला नागा हैं। अखाड़ा ही इनकी देखरेख करता है।

जूना अखाड़े की व्यवस्था वैसी है, जैसे किसी सरकार की होती है। इसमें अंतरराष्ट्रीय संरक्षक, अंतरराष्ट्रीय सभापति, महामंत्री, सचिव, पीठाधीश, महामंडलेश्वर, थानापति, कोतवाल और पुजारी जैसे पद होते हैं।

जूना अखाड़े के राष्ट्रीय सचिव नागा बाबा अमृत बताते हैं, 'जूना अखाड़ा तो करोड़ों की चाय पी जाता है। बजट का कोई आंकड़ा नहीं है। बस यह जान लो कि सरकार के बजट से कम बजट हमारा नहीं है। भक्तों का चढ़ावा मिलता है। कोई महामंडलेश्वर को अपने यहां बुलाता है तो वह पैसे देते हैं। इसके अलावा बाकी अखाड़े अपनी आय का आधा हिस्सा जूना अखाड़े को देते हैं।'

पुरुष नागा साधुओं का रहता है वर्चस्व

इसके बाद मेरी मुलाकात नागा संन्यासिनी विद्या गिरी से हुई। कुछ साल पहले वे अपने पति के साथ नागा बनी हैं। कहती हैं, 'पैसा देकर अखाड़े में पद मिलते हैं। ऐसे में यहां ताकतवर लोगों का ही दबदबा रहता है।'

नागा संन्यासिनी श्रीमहंत भगवतपुरी बताती हैं, महिला संन्यासिनी को पीछे रखा जाता है। कोई साधु बोलता है कि मेरी सेविका बन जा, मेरी शिष्या बन जा। मैं इस कान से सुनती हूं, उस कान से निकाल देती हूं। मुझे पता है कि मैं कुछ बोलूंगी तो वो बहुत गुस्सा होगा।

कुछ गलत करेगा मेरे साथ। मंदिरों और धार्मिक स्थलों में यहां-वहां रहने के अलावा हमारे पास कोई चारा नहीं है। हमारा हाल मवेशियों की तरह है। घूमना कहीं, खाना कहीं और विश्राम कहीं और।'

इन आरोपों को लेकर मैंने श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर महेंद्र नंद गिरी जी से बात की। पहले तो उन्होंने किसी भी तरह के शोषण और भेदभाव ने इनकार किया। जब मैं उन्हें घटना के बारे में बताई, तो उन्होंने कहा कि जो भी हुआ है, वह गलत है। इससे हम शर्मिंदा हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

इमरजेंसी कॉल के लिए फोन मांगा, निकाल लिए 10 हजार

मिस्ड कॉल आई और कट गए 50 लाख, ठगी के नए-नए पैंतरे

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)) जनवरी 2023 में पुणे की 24 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने इंस्टाग्राम पर एक लड़के से चैट शुरू की। उसने खुद को अमीर और अमेरिका में सेटल्ड बताया। दोनों ने नंबर एक्सचेंज किए, फिर कॉल और वॉट्सऐप पर बात होने लगी। लड़के ने लड़की को गोल्ड और डायमंड की ज्वैलरी गिफ्ट में भिजवाई।

लड़के ने कहा कि गिफ्ट कस्टम में अटका है, इसलिए वो कस्टम ड्यूटी भेज दे। लड़की ने पैसे ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद गिफ्ट के ट्रांसफर चार्ज और इधर-उधर के बहाने से 11 लाख रुपए ऐंठ लिए गए। आखिरकार लड़की को एहसास हुआ कि वो एक स्कैम का शिकार हो गई है। उसने 7 फरवरी को पुणे के वाकड़ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई है।

धोखाधड़ी करने वाले अब बैंक डिटेल्स, ओटीपी जैसे पुराने तरीके नहीं, बल्कि मिस्ड कॉल, बिजली बिल, पार्सल जैसे नए-नए पैंतरे अपना रहे हैं। आज हम इन नए तरीकों से ठगी के शिकार लोगों की कहानी और इससे बचाव के तरीके बता रहे हैं।

नौकरी का मैसेज भेजकर ठग लिए 8.81 लाख रुपए

29 अगस्त 2022 को रोहतक के रहने वाले मनोज कुमार के मोबाइल पर पार्ट टाइम जॉब के लिए एक मैसेज आता है। मनोज नौकरी पाने के चक्कर में दिए हुए नंबर पर रिप्लाई करता है। इसके बाद मनोज को रोज के 5,000 की कमाई का लालच दिया जाता है। 13 दिनों तक बातचीत चलती है और इस बीच मनोज साइबर ठगों के बुने हुए जाल में इस तरह फंसता है कि बिना सोचे-परखे सामने वाले के अकाउंट में 8.81 लाख रुपए ट्रांसफर कर देता है। बाद में उसे पता चलता है कि उसके साथ ठगी की गई है।

फैक्ट चेकर को नोटिस भेजकर 90 हजार मांगे

10 जनवरी 2023 को दिल्ली की रहने वाली गीतिका रस्तोगी को पार्सल कंपनी एफईडीएक्स के नाम से एक कॉल आता है। गीतिका को बताया गया कि 800 ग्राम गांजा, क्रेडिट कार्ड, पासपोर्ट और आधार कार्ड के साथ उसका एक पार्सल पकड़ा गया है। 3 साल के लिए जेल भेजने की बात कहकर उससे 90 हजार रुपए देने की मांग की जाती है। इसके बाद जब पेशे से पत्रकार और फैक्ट चेकर गीतिका वकील के साथ मुंबई आने की बात कहती है तो कॉल कट जाता है।

बिजली बिल के बहाने 16,500 रुपए ठगे

जुलाई 2022 में उत्तर प्रदेश के शिवपुर में रुद्र अपार्टमेंट निवासी चंद्रशेखर सिंह के फोन पर पावर कॉर्पोरेशन के नाम से वॉट्सऐप मैसेज आता है। इसमें बिजली बिल बकाया होने की वजह से कनेक्शन काटने की बात लिखी थी। कुछ दिनों बाद बिजली ऑफिस से एक कॉल आया और बिजली विभाग का एक ऐप डाउनलोड करके उस पर 100 रुपए ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कहा गया। पेमेंट करते ही उसके खाते से 16,500 रुपए कट गए।

मिस्ड कॉल आया और 50.63 लाख रुपए निकाल लिए

ये घटना 13 नवंबर 2022 की है। दिल्ली के कापसहेड़ा में सिक्योरिटी एजेंसी चलाने वाले एक शख्स के खाते से 50.63 लाख रुपए निकाल लिए गए। उसने बताया कि एक रोज उसके फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल रिसीव करने पर दूसरी ओर से कोई आवाज नहीं आई। फिर अलग-अलग नंबर से कई बार मिस्ड कॉल आए। इसके बाद उसके फोन से अचानक पैसे कट गए। इसके बाद शख्स ने एफआईआर दर्ज कराई।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर राहुल से इमरजेंसी कॉल के बहाने एक शख्स ने फोन मांगा। उस शख्स ने फोन लगाया तो दूसरी ओर से फोन स्विच ऑफ आया। इसके बाद दोबारा डायल करके उसने मोबाइल राहुल को वापस दे दिया। घंटे भर बाद ही राहुल के खाते से 10 हजार रुपए कट गए। राहुल ने किसी को ओटीपी नहीं दिया था। वह इस तरह पैसा कटने से हैरान था।

पार्सल भेजने की बात 3.65 लाख रुपए की ठगी

3 जून 2022 सुबह 9 बजे अंबाला के सेक्टर-बी डिफेंस कॉलोनी निवासी जेपी पारिक के पास एक लड़की का कॉल आया। उसने कहा कि वह दिल्ली एयरपोर्ट से बोल रही है। लंदन से उसकी दोस्त ने एक पार्सल भेजा है। इसके बाद लड़की की बात में आकर अलग-अलग मौके पर पारिक ने 3.65 लाख रुपए भर दिए, लेकिन इसके बावजूद उसे पार्सल नहीं मिला। जैसे ही उसे फ्रॉड के बारे में पता चला तो तुरंत उसने एसएसपी के पास शिकायत देकर केस दर्ज करवाई है। धोखाधडी के सारे केसों की जांच ही चल रही है लेकिन अभी तक कोई भी आरोपी पकड में नहीं आ सका है।

हाईकोर्ट ने नोटिस जारी करने पर लगाई रोक

राज्यपाल सचिवालय को पहले नोटिस जारी करने का दिया था आदेश

बिलासपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य का जातिगत आरक्षण मामला फिर हाईकोर्ट पहुंच गया थागुरुवार को राज्यपाल सचिवालय हाईकोर्ट में नोटिस रोकने की मांग करते हुए याचिका लगाई थी। जिस पर कोर्ट में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। शुक्रवार को कोर्ट ने फैसला जारी करते हुए अपने दिए जाने वाले नोटिस पर रोक लगा दी है। जस्टिश रजनी दुबे की कोर्ट में चल रहा है आरक्षण मामला। इस बार राज्यपाल सचिवालय को मिले नोटिस पर सचिवालय ने कोर्ट में रिकॉल याचिका दायर की थी। इस याचिका में हाईकोर्ट की जस्टिस रजनी दुबे की कोर्ट में बहस हुई थी और मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा लिया था। आरक्षण विधेयक बिल को राजभवन में रोकने को लेकर राज्य शासन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर राज्यपाल सचिवालय को कोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया था। छत्तीसगढ़ में आरक्षण को लेकर मचे संसय में फिर एक नया मोड़ आ गया है। इस बार राज्यपाल सचिवालय को दिए जाने वाले नोटिस पर कोर्ट ने अपने ही नोटिस पर रोक लगा दी है। पहले राज्य शासन की याचिका पर कोर्ट ने राजभवन सचिवालय को नोटिस जारी किया था। जिस पर राज्यपाल सचिवालय ने कोर्ट में एडवोकेट बी गोपा कुमार के माध्यम से रिकॉल की संवैधानिकता पर सवाल उठाया था। राज्यपाल सचिवालय ने हाईकोर्ट की नोटिस को चुनौती देते हुए कहा है कि आर्टिकल 361 के तहत किसी भी केस में राष्ट्रपति या राज्यपाल को पक्षकार नहीं बनाया जा सकता। गुरुवार को इस मामले में अंतरिम राहत पर बहस के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। प्रकरण में हाईकोर्ट की नोटिस पर रोक लगाने की मांग की गई थी कोर्ट ने राज्यपाल सचिवालय की मांग को स्वीकारते हुए अपने नोटिस पर रोक लगा दी है।

जातिगत आरक्षण विधेयक बिल को राजभवन में रोकने को लेकर राज्य शासन ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद राज्यपाल सिर्फ सहमति या असमति दे सकते हैं। बिना किसी वजह के बिल को इस तरह से लंबे समय तक रोका नहीं जा सकता राज्यपाल संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग कर रही है। राज्य सरकार ने दो महीने पहले विधानसभा के विशेष सत्र में राज्य में विभिन्न वर्गों के आरक्षण को बढ़ा दिया था। जिसमे छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति के लिए 32 फीसदी, ओबीसी के लिए 27 फीसदी, अनुसूचित जाति के लिए 13 फीसदी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 4 फीसदी आरक्षण कर दिया गया। इस विधेयक को राज्यपाल के पास स्वीकृति के लिए भेजा गया है। राज्यपाल ने इसे स्वीकृत करने से फिलहाल इनकार कर दिया है। आरक्षण बिल अभी राजभवन में ही रखा है।

राज्यपाल के विधेयक स्वीकृत नहीं करने को लेकर एडवोकेट हिमांक सलूजा ने और राज्य शासन ने याचिका लगाई थी। राज्य शासन ने आरक्षण विधेयक बिल को राज्यपाल की ओर से रोकने को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस केस की अभी सुनवाई लंबित है।

15 लाख के इनामी नक्सली ने सरेंडर किया

104 मामलों में वांछित था

रांची, 10 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के रांची जिले में 15 लाख रुपये के इनामी नक्सली ने शुक्रवार को सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। आईजी (अभियान) अमोल वी होमकर ने बताया कि भाकपा (माओवादी) का क्षेत्रीय कमांडर मिथिलेश सिंह उर्फ दुर्योधन महतो राज्य के विभिन्न जिलों में 104 मामलों में वांछित था।

होमकर ने बताया कि वह झारखंड के लुगु, झुमरा और पारसनाथ इलाकों में सी पी आ ई (माओवादी) के लिए एक स्तंभ थे। आईजी ने कहा कि झारखंड पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से राज्य में भाकपा (माओवादी) और अन्य संगठनों के खिलाफ अभियान चला रही हैं। होमकर ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में 1,300 से अधिक माओवादियों को गिरफ्तार किया गया, लगभग 50 लाल विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण किया और उनमें से 31 मुठभेड़ के दौरान मारे गए। उन्होंने बताया कि माओवादियों का आधार क्षेत्र सिकुड़ गया है, और वे अब राज्य के कुछ इलाकों तक ही सीमित हैं।

एनटीपीसी के राखड़ से ग्रामीणों को नहीं मिली राहत, बढ़ रहा आक्रोश

प्रबंधन अपने अड़ियल रवैये पर बरकरार

कोरबा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। एनटीपीसी जमनीपाली पावर प्लांट के राखड़ से ग्रामीणों को अब तक कोई राहत नहीं मिली है। आंदोलन के दौरान एनटीपीसी के अधिकारियों ने समस्या दूर करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी भी समस्या जस के तस बनी हुई है। राखड़ उड़कर घरों में जा रहा है। इससे ग्रामीणों का जीना दुभर हो गया है। ग्रामीणों में भी आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जिम्मेदार एनटीपीसी प्रबंधन राखड़ के लिए कोई इंतजाम नहीं कर रहा है।

व्यापक इंतजाम तो दूर राख में पानी का छिड़काव ठीक ढंग से नहीं हो रहा है जिससे जहरीला राख उड़कर आसमान में बादल का रूप ले रहे हैं हल्की हवा चलते ही आस पास के दर्जन भर गांव में राख की आंधी चल रही है जिससे ग्रामीण बेहद परेशान हैं। हालात यह हैं कि ग्रामीण घर के अंदर में खाना तक नहीं बना पा रहे हैं उनकी त्वचा में खुजली का प्रकोप है जिससे ग्रामीण नाराज है। ग्रामीण नाराज होकर आज राखड डैम का काम बंद करवा कर सात दिन के अंदर सभी मांग पूरी होने को लेकर एनटीपीसी के वाइट हाउस के सामने धरने पर बैठ गये। कई घंटे तक अधिकारी और ग्रामीणों में बहस होने के बाद आखिरकार जिला पंचायत अध्यक्ष शिवकला छत्रपाल सिंह कंवर, जनपद उपाध्यक्ष गोविंद सिंह कटघोरा एवं ग्राम वासियों के सामने एनटीपीसी को लिखित में देना पड़ा कि सात दिन के भीतर मांगे पूरी कर दी जाएंगी जिसके बाद ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया। राखड़ को उड़ने से रोकने के लिए प्रबंधन की ओर से कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा रहे जिस कारण राखड डेम से प्रभावित ग्रामीण आए दिन समस्या को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे है। सूखे मौसम में धूल और बारिश के दिनों में कीचड़ से परेशान होते हैं। धूल के कारण आसपास लगे पेड़-पौधे भी काले पड़ गए हैं। पत्तों पर डस्ट जमा हुई है। गांवों के सरपंच कई बार एनटीपीसी प्रबंधन से शिकायत कर चुके हैं।

भाजपा सांसद का सीएम भूपेश बघेल से सवालः

'इधर-उधर की बात न कर, ये बताएं कोल का पैसा गया किधर?'

रायपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सांसद संतोष पांडेय ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से प्रति प्रश्न करते हुए कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार अपने किए वादों को आज तक पूरा नहीं कर पायी है और केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश की जनता को दी जा रही केंद्रीय योजनाओं का लाभ भी जनता तक पहुंचने नहीं दे रही है।

उन्होंने प्रदेश सरकार से प्रश्न करते हुए कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 16 लाख मकान बनाना था परन्तु छत्तीसगढ की कांग्रेस सरकार ने राज्यांश नहीं दिया। जिसके कारण आज गरीब आशा में है कि प्रदेश सरकार उस राज्यांश को जल्द जमा करेगी। कब जमा करने वाले हैं कृपया उसकी भी तिथि बताएं।

उन्होंने अपना दूसरा प्रश्न पूछते हुए कहा कि छत्तीसगढ़िया की बात कह कर के आप ने राज्यसभा में राजीव शुक्ला, केटीएस तुलसी, रंजीता रंजन को भेजा उन्हें हटा करके बस्तर और सरगुजा के लोगों के प्रतिनिधित्व कर देंगे क्या? उन्होंने अपना तीसरा प्रश्न करते हुए कहा कि जो कोल का पैसा 540 करोड रुपए तक घोटाला छत्तीसगढ़ में हुआ।

जिसमें आइएएस समीर विश्नोई, सुनील अग्रवाल, सूर्यकांत तिवारी, लक्ष्मीकांत आपके प्यारेलाल और यह रिश्ता क्या कहलाता है सौम्या चैरसिया जेल के अंदर हैं। 5000 पेज का चार्जशीट कोर्ट में पेश किया है आप वह धन छत्तीसगढ़ के खजाने में कब लाने वाले हैं और इधर-उधर की बात ना कर कोल का पैसा कहा गया यह भी बताएं।

तुर्किए से भारतीय महिला अधिकारी की आई ये तस्वीर पूरी दुनिया में बनी चर्चा का विषय

अंकारा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। तुर्किए और सीरिया में भूकंप से प्रभावित लोगों को बचाने में जुटी भारतीय महिला सैनिक की एक तस्वीर दुनिया भर में वायरल हो रही है. यह तस्वीर तुर्किए के इस्केंडरुन शहर के आर्मी फील्ड हॉस्पिटल की है. तस्वीर में एक भारतीय महिला अधिकारी दिख रही हैं, जिसे राहत बचाव अभियान के तहत हॉस्पिटल लाई गईं एक महिला गले लगा रही है. तस्वीर को इंडियन आर्मी ने शेयर किया है और कैप्शन लिखा है- हम परवाह करते हैं. दरअसल, भूकंप के बाद राहत बचाव काम के लिए भारत ने ऑपरेशन दोस्त के तहत इंडियन आर्मी और एनडीआरएफ की टीम को भेजा है, जो वहां रेस्क्यू कर लोगों को मलबे से निकालने का काम कर रही है.

ऑपरेशन दोस्त क्या है?

भूकंप सहायता के तौर पर भारत ने ऑपरेशन दोस्त के तहत इंडियन एयरफोर्स के सी-17 विमान को 2 एनडीआरएफ टीमों, डॉक्टरों और राहत सामग्री के साथ भेजा है. यहां पर भारतीय सेना 30 अस्थाई अस्पताल बनाकर लोगों का ईलाज करेगी. भारत के साथ ही अमेरिका, रूस, ब्रिटेन और इजरायल समेत कई देश रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए तुर्किए और सीरिया की मदद कर रहा है. यूएन की एजेंसी भी रेस्क्यू अभियान में जुटी है और मॉनिटरिंग कर रही है.

अब कहानी तुर्किए में आए भूकंप की

तुर्किए और सीरिया में 6 फरवरी से लेकर अब तक भूकंप के 150 से अधिक झटके लग चुके हैं. 6 फरवरी को अहले सुबह भूकंप का पहला झटका लगा था और इसकी तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि इसने तुर्किए और सीरिया को पूरी तरह से तबाह कर दिया. हजारों जिंदगियां काल के गाल में समा गईं. ऐसा नहीं है कि पहला भूकंप आने के बाद झटके आना थम गए हो, यहां इस दिन एक के बाद एक लगातार आफ़्टरशॉक्स आते रहे. इनमें से कई झटकों की तीव्रता तो 5.0 से अधिक थी. इस भूकंप में 21 हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है. किसी ने अपने सर से पिता का साया खो दिया तो कितनी ही मां की आंचल सुनी हो गई. वर्तमान में राहत बचाव कार्य का काम चल रहा है.

पूरी तरह तहस नहस हुआ तुर्किए

दरअसल भूकंप की घटना के बाद एक तरफ जहां तुर्किए लगभग पूरी तरह तहस नहस हो चुका है. वहीं दूसरी तरफ भारत समेत दुनिया के कई देश अपने आपसी रिश्ते, गिले-शिकवे को भुलाकर तुर्किए और सीरिया की मदद कर रहे हैं. भारत भी यहां मलवे में दबे लोगों को बचाने के लिए 'ऑपरेशन दोस्त' चला रहा. 'ऑपरेशन दोस्त' के तहत अब तक मलबे में फंसे हजारों लोगों की जान बचाई जा चुकी है. भारतीय सैनिक तुर्किए के खंडहर से कइयों के अपने और सपने को निकाल रहे हैं. सोशल मीडिया पर वायरल हो रही यह तस्वीर उसी वक्त की है. इस तस्वीर में तुर्किए की एक महिला भारतीय महिला सैनिक को किस देते नजर आ रही हैं.

विश्व के कई देशों ने वहां राहत कार्यों के लिए मदद का हाथ बढ़ाया है.

तुर्किए में भारत द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन दोस्त के कई वीडियोज और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. एक और वायरल वीडियो में एनडीआरएफ की टीम के जवानों द्वारा एक 6 साल के बच्ची को मलबे से बचाते हुए देखा जा सकता है. मलबे से निकाली गई बच्ची का नाम बेरेन है. इस वीडियो को गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया है. उन्होंने इसे साझा करते हुए लिखा, 'हमें अपने एनडीआरएफ पर गर्व है. तुर्किए में रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान भारतीय जवानों ने गजियांटेप शहर में एक छह साल की बच्ची बेरेन की जान बचाई. पीएम मोदी के मार्गदर्शन में हम एनडीआरएफ को दुनिया का सबसे अग्रणी आपदा प्रतिक्रिया बल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं.'

अपने बच्चे को लेकर भागती महिला का वीडियो वायरल

इसके अलावा सोशल मीडिया पर एलेप्पो शहर का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक महिला एक छोटे से बच्चे को गोद में लिए भागती नजर आ रही है. वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला के आसपास इमारतें गिर रही हैं. वहीं हारिम के पास बेसनाया-सेने गांव में भूकंप से पहले और बाद के दृश्य में तबाही का मज़र देखा जा सकता है. यहां तेज़ी से राहत और बचाव कार्य चल रहा है.

दफनाने की भी जगह नहीं

तुर्किए और सीरिया में भूकंप ने जो तबाही मचाई है उसके कारण मृतकों की संख्या लगातार बढ़ने से अंतिम संस्कार में भी दिक्कतें आ रही हैं. भीषण आपदा में इतने अधिक लोग मारे गए हैं कि उन्हें दफनाने के लिए जगह नहीं मिल रही है. ऐसे में अस्थाई कब्रिस्तान बनाकर उन्हें दफनाने के इंतजाम किए जा रहे हैं. मलबे के ढेर से निकाले गए सैकड़ों शवों को दफनाने के लिए तुर्किए के कहारनमारस शहर में गुरुवार (9 फरवरी) को देवदार के जंगलों के किनारे लंबी खाई खोदी गई.

राहत और बचाव अभियान लगातार जारी

वहीं वहां पड़ रही ठंड ने बाधाओं को और बढ़ा दिया है. अंतरराष्ट्रीय दल उपकरण और खोजी कुत्तों के साथ राहत और बचाव का काम लगातार कर रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र सहायता टीम ने गुरुवार (9 फरवरी) को तुर्किए के माध्यम से विद्रोहियों के कब्जे वाले उत्तर-पश्चिम सीरिया में भी प्रवेश किया, जहां लाखों लोग विस्थापित हुए हैं. गृहयुद्ध के प्रभाव से सीरिया में मदद के प्रयास बाधित हुए हैं, जिसने देश को सरकार और विपक्षी नियंत्रण के क्षेत्रों में विभाजित कर दिया. हालांकि तुर्किए और सीरिया के विद्रोहियों के कब्जे वाले दोनों क्षेत्रों में बचावकर्मियों ने छोटे बच्चों सहित जीवित बचे लोगों को मलबे से बाहर निकालना जारी रखा.

यूके ने दी चेतावनी

पाक के कश्मीर राग और खालिस्तानी गतिविधियों से ब्रिटेन में बढ़ सकता है कट्टरपंथ

कराची, 10 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान का लगातार चल रहा कश्मीर राग और खालिस्तान आंदोलन को बढ़ावा देना अब ब्रिटेन के लिए खतरा बन रहा है. ब्रिटेन सरकार की इसी सप्ताह प्रकाशित रिपोर्ट में इसे लेकर चेतावनी दी गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की बयानबाजी ब्रिटेन के मुस्लिम समुदायों की भावना को भड़काती है. रिपोर्ट में इसे 'प्राथमिक खतरा' बताते हुए इस्लामी चरमपंथ से निपटने की सिफारिश की गई है. ब्रिटेन सरकार ने आतंकवाद-निरोधी प्रारंभिक हस्तक्षेप नीति की समीक्षा की रिपोर्ट प्रकाशित की गई है. इसमें सिफारिश की गई है कि कश्मीर पर पाकिस्तान की भारत विरोधी बयानबाजी से ब्रिटेन के मुसलमानों पर असर पड़ रहा है और उनमें कट्टरपंथी भावना बढ़ रही है. इसी रिपोर्ट के अंदर ब्रिटेन में सक्रिय खालिस्तान समर्थक समूहों की एक छोटी संख्या द्वारा प्रसारित किए जा रहे झूठे बयानों को लेकर भी चेतावनी दी गई है. रिपोर्ट में कमिश्नर ऑफ पब्लिक अपॉइंटमेंट्स विलियम शॉक्रॉस ने कहा है कि यूनाइटेड किंगडम में चरमपंथी समूह होने के सबूत देखे गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन के साथ एक पाकिस्तानी मौलवी जिसके ब्रिटेन में भी फॉलोवर हैं, खुलेआम कश्मीर में हिंसा की अपील कर रहा है. खालिस्तान समर्थक उग्रवाद के मुद्दे पर, रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रिटेन के सिख समुदाय में उभर रहे खालिस्तान समर्थक चरमपंथ के प्रति भी सावधान रहने की जरूरत है. ब्रिटेन में सक्रिय खालिस्तान समर्थक समूहों की एक छोटी संख्या एक झूठा नैरेटिव फैला रही है कि ब्रिटेन की सरकार सिखों को सताने के लिए भारत की सरकार के साथ मिली हुई है. ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने बुधवार को हाउस ऑफ कॉमन्स को बताया कि वह रोकथाम रणनीति में समीक्षा से सभी सिफारिशों को तेजी से लागू करने का इरादा रखती हैं, जिसके ब्रिटेन में सुरक्षा सुनिश्चित हो सके. उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि इस्लामवाद से निपटने में कुछ भी मुस्लिम विरोधी नहीं है. हमें मुस्लिम समुदायों के साथ मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए, अगर हमें ऐसा प्रभावी ढंग से करना है.

वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला दावा, सूरज का एक बड़ा हिस्सा टूटकर हुआ अलग

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सूरज के बारे में वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला दावा किया है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि सूरज का एक बड़ा हिस्सा टुकड़ा टूटकर अलग हो गया है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने सूरज के टूटने की यह घटना देखी है। इस दावे के बाद दुनियाभर के वैज्ञानिक सहमे हुए हैं। हालांकि, वैज्ञानिक यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा कैसे हुआ। अंतरिक्ष मौसम वैज्ञानिक डॉ. तमिता शोव ने ट्विटर पर इसके फुटेज साझा किए हैं। उन्होंने कहा है कि एक हिस्सा प्रमुखता से फिलामेंट से अलग हो गया है और उत्तरी ध्रुव के चारों एक विशाल ध्रुवीय भंवर के रूप में धूम रहा है। उन्होंने कहा, यहां 55

डिग्री से ऊपर सूर्य के वायुमंडलीय गतिकी को समझने की जरूरत है।

नेपाल में आ गई है 'रिवेंज पोर्न' की बाढ़

सैकड़ों युवतियों का जीवन हुआ मुहाल

काठमांडो, 10 फरवरी (एजेंसियां)। नेपाल में रिवेंज पोर्न (पोर्न के जरिए युवतियों को ब्लैकमेल करने) की घटनाओं में गुजरे कुछ महीनों में तेजी से इजाफा हुआ है। इससे देश के साइबर ब्यूरो की चुनौतियां बढ़ गई हैं। ब्यूरो ने इस सिलसिले में कुछ गिरफ्तारियां भी की हैं। उन लोगों पर इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसग्रेशन एक्ट के तहत मुकदमा दायर किया गया है। नेपाल के कानून में बिना संबंधित व्यक्ति की सहमति के उसकी उत्तेजक या अश्लील तस्वीर को सोशल मीडिया पर डालने को रिवेंज पोर्न के रूप में परिभाषित किया गया है। खास कर युवतियों को इसका शिकार होना पड़ रहा है। बीते वित्त वर्ष के जारी हुए आंकड़ों के मुताबिक देश में साइबर अपराध के 4,646 मामले दर्ज हुए। उनमें रिवेंज पोर्न के 1,011 मामले शामिल हैं। इस वित्त वर्ष में अब तक रिवेंज पोर्न के 680 मामले दर्ज हो चुके हैं। नेपाल में वित्त वर्ष जुलाई से जून तक होता है। साइबर ब्यूरो के अधिकारियों ने कुछ खास मामलों की जानकारी मीडिया को दी है। इसके तहत सिमी (असली नाम नहीं) नाम की युवती के फेसबुक मेसेंजर पर एक अनजान व्यक्ति संदेश आया। उसमें सिमी की खूबसूरती की तारीफ की गई थी। उस व्यक्ति ने बताया कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहता है और सिमी को जानता है। इसके बाद वे दोनों फेसबुक मेसेंजर के जरिए लगातार बातचीत करने लगे। उस व्यक्ति ने सिमी के सामने कि एक डांस क्लब में नौकरी करने का प्रस्ताव रखा। कहा कि वहां डांस के बदले उसे 18 लाख नेपाली रुपये की मासिक तनख्वाह मिलेगी। आने-जाने का टिकट भी फ्री होगा। इस 19 वर्षीया सिमी ने हां कह दिया। इसके बाद उस व्यक्ति ने सिमी से कुछ अर्ध नग्न तस्वीरें और वीडियो मंगवाए। कुछ रोज बाद वह सिमी को ब्लैकमेल करने लगा। उसने उसकी तस्वीरों को सोशल मीडिया पर सर्कुलेट कर दिया। इसके बाद सिमी ने साइबर ब्यूरो के पास केस दर्ज कराया।

किम जोंग-उन की पत्नी ने पहना 'मिसाइल नेकलेस'

सैन्य परेड में हिस्सा लेकर दुनिया को दिया ये मैसेज

शियोल, 10 फरवरी (एजेंसियां)। किम जोंग-उन की पत्नी री सोल-जू ने एक मिलिट्री समारोह में नॉर्थ कोरिया की परमाणु शक्ति को लेकर एक अनोखा मैसेज दिया है. कोरियाई पीपुल्स आर्मी के 75वें सैन्य समारोह में पति और बेटी के साथ शामिल हुईं जू ने अपने नेकलेस के जरिए दुनिया को चेताया. दरअसल री सोल जू ने अपने गले में एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल के मॉडल का हार पहन रखा था. उन्होंने जो हार पहन रखा था वह उस मिसाइल का था जो अमेरिका समेत कई देशों में परमाणु हमला करने में सक्षम थी. नॉर्थ कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में हुए इस कार्यक्रम में किन की बेटी किम जू ऐ अपने पिता और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ कार्यक्रम और बाद में हुए सैन्य भोज में दिखाई दीं थी. नॉर्थ कोरिया की सरकारी मीडिया ने बताया कि किम की दूसरी संतान किम जू ऐ काले रंग का सूट पहने हुए थी और सैन्य डिनर में अपने माता-पिता और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ मौजूद थीं. किम जू ऐ की इस सार्वजनिक उपस्थिति के बाद यह कयास लगने शुरू हो गये थे कि क्या क्या ऐ नॉर्थ कोरिया में अपने पिता की अगली उत्तराधिकारी होंगी? हालांकि विशेषज्ञों ने इस दावे को फिल्हाल के लिए खारिज कर दिया. नॉर्थ कोरिया अमेरिका के द्वारा उनके देश पर थोपे गये सैंक्शन के बावजूद परमाणु हथियारों का लगातार प्रदर्शन कर रहा है. नये साल के मौके पर किम ने अपनी सेना के साथ नॉर्थ कोरिया की जनता को कम दूरी की परमाणु मिसाइलों के लांच का वादा किया. उत्तर कोरिया की स्टेटे कंट्रोलड मीडिया ने जानकारी दी कि इस साल उनकी सरकार का फोकस नई शॉर्ट रेंज मिसाइल का निर्माण करना है.

पाकिस्तानः मरियम नवाज ने इमरान खान पर कसा तंज

और पूछा-बताओ तो सही, ऐसा क्या है तुम्हारे अंदर?

इस्लामाबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। सत्तारूढ़ पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर जमकर निशाना साधा। मरियम नवाज ने तंज कसते हुए इमरान खान से सवाल पूछा इमरान को क्यों लगता है कि वह इतने 'महत्वपूर्ण' हैं कि बाकी सब उन्हें मारना चाहते हैं। दरअसल, खबरों के मुताबिक इमरान खान को पिछले कई दिनों से डर सता रहा था कि टीटीपी उनकी हत्या करना चाहता है। हालांकि आतंकवादी संगठन टीटीपी ने इस दावे का खंडन किया है। मरियम नवाज ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पीटीआई सरकार के कार्यकाल के दौरान 'कुछ न करने' के लिए पूर्व प्रधाममंत्री इमरान खान पर हमला बोला। उन्होंने कहा, 'आपको क्यों लगता है कि आप इतने महत्वपूर्ण हैं कि हर कोई आपको मारने की साजिश रच रहा है?' मरियम ने कहा, 'पहले, उन्होंने कहा कि एक अमेरिकी साजिश के तहत उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया गया लेकिन फिर उन्होंने माफी मांग ली। उन्होंने आसिफ अली जरदारी पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया और कल उन्होंने एजेंसियों को दोषी ठहराया।'

मरियम ने कहा-मेरे पिता व्हील चेयर पर बैठकर कोर्ट आते थे

सोशल मीडिया पर इमरान खान एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में पीटीआई चीफ इमरान खान ने कथित तौर पर दावा किया था कि सैन्य नेतृत्व एक 'लोकप्रिय राजनेता' को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। इससे पहले उन्होंने जरदारी पर उन्हें 'रास्ते से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया था'। इसके बाद एबटाबाद में भाषण देते हुए मरियम नवाज ने ने कहा कि उनके पिता पीएमएल-एन के मुखिया नवाज शरीफ सुनवाई के दौरान व्हील चेयर पर बैठक कोर्ट में हाजिर होते थे, उन्होंने 'कोई अपराध नहीं किया था'।

टीटीपी ने कहा- हमारी इमरान से कोई दुश्मनी नहीं

मरियम नवाज ने कहा कि मेरी कामना है इमरान खान बीमार हैं तो जल्द ठीक हो जाएं। लेकिन मैं आपको बताना चाहती हूं कि वह अपने अपराधों की वजह से कोर्ट नहीं आ रहे हैं, ना कि अपने प्लास्टर की वजह से। गुरुवार को टीटीपी ने इमरान खान के उस दावे का खंडन किया कि दक्षिण वजीरिस्तान के लोगों को उन्हें मारने का काम सौंपा गया है।

यूएसः चीन-दलाई लामा को लेकर सांसदों ने पेश किया कानून

कहा- शांतिवार्ता शुरु कराने की अमेरिकी नीति होगी मजबूत

वाशिंगटन, 10 फरवरी (एजेंसियां)। चीन से तनातनी के बीच अमेरिकी सांसदों ने अपनी तिब्बत पॉलिसी को लेकर एक कानून पेश किया है। यह कानून चीन और तिब्बत के बीच बातचीत शुरू करने की अमेरिकी नीति को मजबूत करता है। सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और और सीनेट में इस कानून को पेश किया है। यह कानून तिब्बती लोगों की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण तिब्बत पर उनके मतभेदों का समाधान करने की दिशा में पेश किया गया है। दावा किया गया है कि यह कानून तिब्बतियों और चीन के बीच वार्ता के माध्यम से शांतिपूर्वक मतभेदों को हल करने के दीर्घकालिक अमेरिकी सरकार के लक्ष्य को मजबूत बनाता है।

2010 से दलाई लामा और चीनी अधिकारियों के बीच नहीं हुई बातचीत

अमेरिकी सांसद जिम मैकगवर्न ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत तिब्बती लोग भी अपने अधिकारों को पाने के हकदार हैं। उनके अधिकारों को चीनी सरकार ने बाधित कर रखा है। उन्होंने कहा, यह कानून चीन और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच बातचीत शुरू करना चाहता है। बता दें, एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि 2010 के बाद से कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है और चीनी अधिकारियों ने दलाई लामा से आगे की बातचीत की शर्त के रूप में अनुचित मांग करना जारी रखा है।

आर्थिक संकट के बीच अब पाक में ईंधन की किल्लत

इस्लामाबाद, 10 फरवरी (एजेंसियां)। गंभीर आर्थिक संकट के बीच पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया है। इससे लोगों का सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दूर-दराज के इलाकों में जहां एक महीने से अधिक समय से पेट्रोल की आपूर्ति नहीं हुई है, वहां स्थिति भयानक है। पर्याप्त आपूर्ति के आश्वासन और जमाखोरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की सरकार की धमकियों के बावजूद पंजाब में गैसोलीन की कमी बनी हुई है। दूसरी तरफ पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन (पीपीडीए) ने सभी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को मांग के जवाब में उचित आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहने, पंपों को खाली छोड़ने और चालकों को शहरी क्षेत्रों में गैस के लिए जाने के लिए मजबूर करने के लिए दोषी ठहराया है। ओएमसी एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान (ओएमएपी) ने इस दावे को खारिज कर दिया है। उनकी ओर से कहा गया कि कुछ गैस स्टेशन गैसोलीन के भंडारण करने में लगे हुए थे। गैसोलीन की कीमतों में अनुमानित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए ज्यादा कमाई की लालच में नकली कमी दर्शा रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, खराब अर्थव्यवस्था के कारण ईंधन की भारी कमी के बीच पंजाब के प्रमुख और छोटे शहरों में कई पेट्रोल पंप बंद कर दिए गए हैं। लाहौर, गुजरांवाला और फैसलाबाद जैसे कुछ बड़े शहरों में स्थिति सबसे खराब होती जा रही है। इन इलाकों में तेल विपणन कंपनियों के दबाव के परिणामस्वरूप कई पेट्रोल पंप कथित तौर पर कई दिनों से खराब या बिना पेट्रोल की आपूर्ति पर चल रहे हैं। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सूचना सचिव ख्वाजा आतिफ ने बताया कि लाहौर में कुल 450 पंपों में से लगभग 70 सूखे हैं। पेट्रोल की कमी के कारण जिन इलाकों में पंप बंद हैं, उनमें शाहदरा, वाघा, लिटन रोड और जैन मंदार शामिल हैं। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तान के कई शहरों में पेट्रोल की आपूर्ति गंभीर रूप से सीमित है।

दक्षिण अफ्रीका में बिजली संकट से आपदा की स्थिति

राष्ट्रपति रामाफोसा ने पद छोड़ने से किया इनकार

जॉहानेसबर्ग, 10 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने केपटाउन में अपने सालाना 'स्टेट ऑफ द नेशन' संबोधन के दौरान देश में बिजली संकट के कारण आपदा की स्थिति का एलान किया। इस दौरान रामाफोसा ने ये भी कहा कि वह पद छोड़ने पर विचार कर रहे थे लेकिन अब उन्हें पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला से प्रेरणा मिली है, जिसके बाद उन्होंने पद पर बने रहने का फैसला किया है। अपने संबोधन में दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा कि देश इस समय कई संकटों का सामना कर रहा है, जिनमें बिजली संकट, बेरोजगारी, अपराध और हिंसा में बढ़ोतरी जैसे मुद्दे हैं। रामाफोसा ने कहा कि उनकी सरकार और पार्टी अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस जिन संकटों का सामना कर रही थी, इनके बीच उनकी अंतरात्मा ने उन्हें पद पर बने रहने को कहा। बता दें कि बीते साल दिसंबर में ऐसी चर्चाएं थी कि सिरिल रामाफोसा राष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे सकते हैं। दरअसल एक स्वतंत्र पैनल की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने भ्रष्टाचार कानून की कई धाराओं का उल्लंघन किया है। रामाफोसा के निजी गेम फार्म से डकैतों द्वारा बड़ी संख्या में नकदी चोरी हुई थी। रामाफोसा ने इसकी शिकायत दर्ज नहीं कराई थी और यह नकदी कहां से आई, इस पर भी रामाफोसा संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए थे। इसे लेकर रामाफोसा को काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। हालांकि महाभियोग कार्यवाही के दौरान कुछ संसद सदस्यों द्वारा पार्टी लाइन से हटकर रामाफोसा का समर्थन किया गया था, जिसके चलते रामाफोसा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही नहीं हो सकी थी।

कुछ देर पुरानी लाइनें पढ़ते रहे, बाद में सदन में माफी मांगी

गहलोत ने पिछले साल का बजट भाषण पढ़ा

जयपुर,10 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज विधानसभा में पुराना बजट भाषण पढ़ दिया। करीब 6 मिनट तक वे पुराना बजट पढ़ते रहे, तभी जलदाय मंत्री महेश जोशी ने आकर सीएम कान में कुछ कहा और वो ठिठक गए। गहलोत का भाषण रुका, विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया।

इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब किसी विधानसभा में पुराना बजट भाषण पढ़ा गया हो और इस पर जोरदार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दो बार रोकनी पड़ी। सीएम गहलोत बजट भाषण के लिए जब तीसरी बार खड़े हुए तो माफी मांगी। उन्होंने कहा, जो कुछ हुआ उसके लिए सॉरी फील करता हूं।

विपक्षी सदस्य भारी हंगामा करते हुए सदन के वेल में आ गए थे। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पुराना बजट पढ़ा है। भारी हंगामे के कारण कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव ऊषा शर्मा को तलब किया और अफसरों की लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की।

दोबारा सदन की कार्रवाई शुरू हुई तो सीएम अशोक गहलोत ने सफाई दी। कहा, 'बजट भाषण की इस कॉपी में फर्क हो तो बताइए। एक एक्स्ट्रा पेज लग गया गलती से। मैं एक पेज गलत पढने लग गया। लीक होने का सवाल कहां से आ गया?' राजस्थान में पहली बार बजट भाषण के दौरान सदन की कार्यवाही स्थगित की गई, पहली करीब आधे घंटे के लिए, फिर 15 मिनट के लिए। दैनिक भास्कर ने इसकी पड़ताल की तो सामने आया कि मुख्यमंत्री भाषण की शुरुआत की तो वह शेर पिछले भाषण में नहीं था, लेकिन इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना की घोषणा पिछले साल ही की गई थी।

2022 के बजट भाषण का अंश, जिसमें इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना और मनरेगा के तहत रोजगार के 125 दिन करने की घोषणा की गई थी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बजट की जो भूमिका बनाई थी, वह नई थी।

2022 के बजट भाषण का अंश, जिसमें इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना और मनरेगा के तहत रोजगार के 125 दिन करने की घोषणा की गई थी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बजट की जो भूमिका बनाई थी, वह नई थी।

जब गहलोत ने दो पॉइंट्स हूबहू पढ़े तो यह देख सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी ने सीएम के कान में बोला। इसी बीच विपक्ष के नेता और उपनेता ने सवाल उठाया कि सीएम पुराना भाषण पढ़ रहे हैं और बजट लीक हो गया है। इस पर हंगामा शुरू हो गया। बीजेपी विधायकों ने वेल में आकर हंगामा शुरू कर दिया तो हंगामा बढ़ने लगा तो स्पीकर ने 11 बजकर 12 मिनट पर आधे घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

स्पीकर बोले- आज जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण

दोबारा सदन शुरू होने पर स्पीकर सीपी जोशी ने कहा कि जो कुछ घटनाक्रम हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण है, उसमें हमने पास्ट में पता लगाया। सीएम ने जो भाषण दिया है, वह ठीक नहीं होगा। आज की घटना से आहत हुए हैं। मानवीय भूल होती रहती है। इस अनहोनी घटना के लिए जो सारी कार्यवाही हुई है, उसे निरस्त करता हूं। 11 बजे से 11:42 तक की पूरी घटना को विधानसभा की कार्यवाही से निकाल दिया गया है।

नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि कुछ मिनट तक गलत पढ़ने के बाद तीसरे व्यक्ति ने आकर बताया कि गलत पढ़ रहे हैं। बजट लीक हुआ है, बजट गोपनीय होता है और इसकी कॉपी सीएम के अलावा किसी दूसरे के पास कैसे पहुंच गई। सीएम को तीसरे आदमी ने आकर बताया, यह बजट किसी तीसरे व्यक्ति को कैसे मालूम पढ़ा। सदन का मान रखना चाहते हैं तो इस बजट को दूसरे दिन अलग से पेश किया जाए। आज की घटना से लोकतंत्र शर्मसार हुआ है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 50 से बढ़ाकर 100 यूनिट बिजली मिलेगी फ्री।

खाद्य सुरक्षा परिवारों को मुफ्त अन्नपूर्णा फूड पैकेट मिलेगा। पैकेट में दाल, चीनी सहित राशन सामान शामिल रहेगा।

चिरंजीवी बीमा योजना की राशि 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख की गई।

500 करोड़ के कल्याण कोष का गठन किया जाएगा। 100 करोड़ युवाओं के स्किल डेवलपमेंट पर खर्च होंगे। पेपर लीक जैसी घटनाओं के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनेगी। सभी भर्ती रीक्षाओं को निःशुल्क करवाने का ऐलान।

हर जिले में विवेकानंद यूथ होस्टल बनाये जाएंगे। हर जिले मुख्यालय पर डिजिटल लाइब्रेरी बनेगी। ऑनलाइन परीक्षा केंद्र बनेंगे।

76 लाख परिवारों को सिलेंडर 500 रुपये में मिलेगा। छात्राओं को मुफ्त स्कूटी का ऐलान।

- अब मैं, शहरों में भी रोजगार सुनिश्चित करने के लिए 'इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना' लागू करने की घोषणा करता हूं। इस योजना के माध्यम से आगामी वर्ष से शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले परिवारों को भी उनके द्वारा मांगे जाने पर प्रतिवर्ष 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। इस पर लगभग 800 करोड़ रुपए वार्षिक खर्च होंगे।

कोविड से उत्पन्न परिस्थितियों का सामना करने में सहायता देने की दृष्टि से आगामी वर्ष मैं, महात्मा गांधी नरेगा योजना में उपलब्ध 100 दिवस के रोजगार को राज्य सरकार के खर्चे पर बढ़ाते हुए 125 दिवस करने की घोषणा करता हूं। इस पर लगभग 750 करोड़ रुपए व्यय होंगे।

- कोरोना काल के दौरान शिक्षा में हुए नुकसान की भरपाई के लिए आगामी वर्ष स्कूली विद्यार्थियों के लिए 3 माह की अवधि के ब्रिज कोर्स चलाए जाना प्रस्तावित है। इसके लिए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाएगा।

- कोरोना काल में सभी वर्गों के परिवार आर्थिक रूप से प्रभावित हुए हैं। अब मैं, अल्प आय वर्ग के साथ-साथ समस्त 118 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को.....मुख्यमंत्री ने इतनी लाइन पढ़ी ही थीं कि महेश जोशी ने आकर सीएम को बताया कि यह पुराना बजट है।

राजस्थान सरकार करवाएगी 25 लाख का मेडिकल बीमा

राजस्थान में सरकार चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का दायरा बढ़ा दिया है। इस योजना के तहत अब सरकार ने 25 लाख रुपए तक का मेडिक्लेम उपलब्ध करवाने की घोषणा की है। इसके साथ ही सरकार ने ईडब्ल्यूएस परिवारों का प्रीमियम भी फ्री करने की घोषणा की है। बता दें कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना 2021 में शुरू की गई थी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज अपने बजट भाषण में अगले वित्तवर्ष से ईडब्ल्यूएस कैटेगिरी के परिवारों को चिरंजीवी योजना के तहत फ्री बीमा देने का एलान किया है। अभी सरकार की ओर से लघु एवं सीमांत किसान, राज्य में काम करने वाले संविदा कर्मचारी, नेशनल फूड सिक्योरिटी स्कीम (NFSA) से जुड़े परिवारों, कोविड से प्रभावित परिवारों और सामाजिक आर्थिक जनगणना के पात्र परिवारों को फ्री बीमा का लाभ दिया जा रहा है। इसके तहत इन कैटेगिरी के परिवारों को बीमा की क्लेम राशि नहीं देनी पड़ती।

850 रुपए है बीमा क्लेम राशि

वर्तमान में राजस्थान में 1.37 करोड़ से ज्यादा परिवारों का चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना है। इसमें से 1.2 लाख 16,706 परिवारों को 850 रुपए प्रिमियम राशि देकर बीमा लेना पड़ा है। जबकि 50 फीसदी प्रिमियम राज्य सरकार वहन करती है। इन परिवारों के अलावा शेष परिवारों का प्रीमियम का भुगतान राज्य सरकार ने किया है। अब सरकार अगले साल से इसमें ईडब्ल्यूएस परिवारों से भी प्रीमियम नहीं लेगी।

10 से बढ़ाकर 25 लाख की बीमा राशि

इस योजना के तहत क्लेम राशि को सरकार ने अगले साल से 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए करने का ऐलान किया है। इसमें हार्ट, किडनी, लिवर ट्रांसप्लांट के अलावा कैंसर और अन्य बीमारियों का इलाज कवर हो रहा है। इसके साथ ही चिरंजीवी दुर्घटना योजना के तहत क्लेम राशि को 5 लाख से बढ़ाकर अगले साल 10 लाख रुपए करने की घोषणा की है।

कजिन की शादी में गए भाई और दोस्त की मौत

सीकर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर चढ़कर पुलिस केबिन से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दो युवक और एक राहगीर भी घायल हो गया। घायल कार से बाहर आने के लिए शीशे पर भी मारते रहे। हादसा सीकर का है। सीकर कोतवाली थाने के हैड कॉन्स्टेबल फूलचंद थालौड़ ने बताया कि सौरभ सैनी दोस्तों के साथ अपनी बुआ की लड़की की शादी प्रधान जी का जाव में गुरुवार को थी। सभी दोस्त शादी में से शुक्रवार सुबह कार से घूमने निकले थे। बजरंग कांटा की तरफ से फतेहपुर रोड आ रहे थे। कल्याण सर्किल पर दिलीप पान भंडार के सामने घुमाव पर पहले कार डिवाइडर पर चढ़ी।

ठंड से बचने भैंस से चिपककर सोते थे पायलट

इंदिरा से कहा– सलाह लेने नहीं आया; जहां दूध बेचा, वहां मंत्री बनकर रहे

जयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। 8 दिसंबर 1971। भारत-पाकिस्तान युद्ध में पूर्वी सीमा पर तैनात एक पायलट को हुक्म मिला कि पाकिस्तान की सेना पर बम गिराए जाएं। उनका कोड था- गुड वाइफ।

पायलट अपने मिशन पर निकला। उनकी फ्रीक्वेंसी को पाकिस्तानी रडार ने भी इंटरसेप्ट कर लिया। पायलट को कमांड मिली- दिस इज योर गुड वाइफ। हमला करो। पायलट ने हमला शुरू कर दिया, तभी एक और आवाज आई- दिस इज योर रियल गुड वाइफ। हमला मत करो। पायलट कंफ्यूज हो गए, लेकिन आवाज के लहजे से समझ गए कि दिस इज योर रियल गुड वाइफ कहने वाला पाकिस्तानी है।

पायलट के लिए पाकिस्तान ने जो जाल बिछाया था, पायलट उसमें नहीं फंसे और मिशन को अंजाम देकर निकल गए। अपनी

चालाकी से मौत को मात देने वाला यह पायलट राजेश्वर प्रसाद बिधूरी था, जो आगे चलकर राजेश पायलट हुआ।

उन्हीं राजेश पायलट का आज जन्मदिन है। दस्तावेजों के मुताबिक आज (10 फरवरी) उनका जन्म दिन है, लेकिन तमाम पुराने भारतीयों की तरह कागजों में यह तारीख किसी और कारण से लिखी गई होगी। दरअसल, उनका असली जन्मदिन दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के दिन होता है।

राजेश्वर प्रसाद बिधूरी के राजेश पायलट बनने की कहानी शुरू होती है, दिल्ली के उन पॉश बंगलों से, जहां वे दूध बेचा करते थे। पिता के निधन के बाद राजेश्वर लुटियंस दिल्ली के कई बंगलों और पार्लियामेंट में भी दूध सप्लाई करते थे। वे रोज सुबह उठकर मवेशियों को चारा खिलाने, दूध दुहने के बाद दूध बांटने जाते थे और फिर दिल्ली के ही अंग्रेजी मीडियम वाले म्यूनिसिपल बोर्ड स्कूल में पढ़ने जाते थे। जब दिल्ली में बहुत ठंड होती थी तो राजेश्वर के पास इससे बचने के बहुत अच्छे संसाधन नहीं थे। वे गर्मी पाने के लिए कई बार भैंस से चिपक कर सो जाया करते थे।

गरीबी की स्थिति ऐसी थी कि एक ऑमलेट के लिए अपने साथ पढ़ने वाले स्टूडेंट्स का होमवर्क किया करते थे।

स्कूल में दौड़ में भाग ले रहे राजेश्वर को इसलिए बाहर कर दिया गया था क्योंकि उनके पास जूते नहीं थे, हालांकि जब उन्होंने प्रिंसिपल को अपनी स्थिति बताई तो न सिर्फ दौड़ने को मिला, बल्कि कपड़े भी मिले।

जयपुर में नाबालिग ने दौड़ाई कार तीन वाहनों को रौंदा

जयपुर,10 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर में 17 साल के नाबालिग ने अंधाधुंध कार दौड़ाई। नाबालिग ने स्कूटी, बाइक और एक खड़ी कार को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार महिला की तीन अंगुलियां कट गईं। बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। मौके पर एकत्र लोगों ने कार चलाने वाले नाबालिग को पकड़ लिया। वहीं, घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटना मालवीय नगर इलाके में प्रधान मार्ग स्थित रेलवे ट्रैक के पास गुरुवार दोपहर की है। इसका वीडियो आज सामने आया है। पुलिस ने कार चलाने वाले नाबालिग व गाड़ी मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने हादसा करने वाले के पिता को पाबंद करते हुए बच्चे को सुपुर्द कर दिया।

तीनों के हाथ-पैर फ्रैक्चर हुए हैं

दुर्घटना थाना ईस्ट के ASI छोटू सिंह ने बताया- गुरुवार दोपहर में करीब 1 बजे सूचना मिली कि प्रधान मार्ग के पास तेज रफ्तार कार ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। जांच में सामने आया कि कार को नाबालिग चला रहा था। सबसे पहले घुमाव में स्कूटी को टक्कर मारी, उसके बाद एक बाइक और खड़ी कार को टक्कर मार दी।

महिला की तीन अंगुलियां दो युवकों के हाथ-पैर फ्रैक्चर

हादसे में स्कूटी सवार प्रधान मार्ग निवासी दिव्या कायथवाल, बाइक सवार गंगापोल सुभाष चौक निवासी हितेश अग्रवाल व जयसिंहपुरा खोर निवासी मनोज शर्मा गंभीर घायल हुए हैं। तीनों के हाथ-पैर फ्रैक्चर हुए हैं, जो हॉस्पिटल में भर्ती है। कार चला रहा नाबालिग मूलतः यूपी के इटावा का रहने वाला हैं, जो वर्तमान में परिवार के साथ मालवीय नगर स्थित नाबार्ड स्टाफ क्वार्टर में रहता

3 दिन पहले मुहाना थाना इलाके में हुई ओवर स्पीड के कारण नाबालिग मीत की भी मौत हो चुकी हैं। उसके बाद भी जयपुर ट्रैफिक पुलिस सख्ती करने का कोई प्लान नहीं बना पा रही हैं।

एक्सीडेंट होने पर पुलिस भी खानापूर्ति कर आगे बढ़ जाती हैं। अगर नाबालिग बच्चों को हैवी व्हीकल देकर सड़क पर छोड़ जाएगा तो इसी तरह की घटनाएं होंगी।

नए मोटर व्हीकल एक्ट की बात की जाए तो नाबालिग बच्चों को व्हीकल देना अपराध की श्रेणी में आता हैं। अगर कोई परिजन अपने बच्चों को वाहन देते हैं और पुलिस रुटीन चैकिंग में भी उसे पकड़ती है तो माता-पिता जिस ने बच्चे को वाहन दिया, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ तीन साल की सजा का भी प्रावधान हैं।।

पीएनबी के लॉकर में रखे रुपए खा गई दीमक

उदयपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुर के पंजाब नेशनल बैंक की कालाजी-गोराजी ब्रांच के लॉकर में रखे 2.15 लाख रुपए के नोटों को दीमक खा गई। ग्राहक अपनी यह रकम लेने पहुंचा तो उसके होश उड़ गए। 50-50 के नोट के करीब 15 हजार रुपए तो पाउडर में बदल गए। हिरणमगरी निवासी महेश सिंघवी ने बताया कि इस बैंक में उन्होंने पत्नी सुनीता मेहता के नाम से लॉकर में 2.15 लाख रुपए के नोट रखे थे। पिछले साल मई में लॉकर खुलवाया था, तब तक कैश सुरक्षित था। जरूरत पड़ने पर मंगलवार को लॉकर खुलवाया तो नोटों की गड्डी पाउडर की तरह भुरभुरी हो चुकी थी।

सुनीता मेहता के भाई मनोज लोढा ने बताया- सुनीता और मैं दोनों अपने-अपने लॉकर के सामान निकलने पहुंचें थे। मैंने अपना लॉकर ऑपरेट कर लिया। जब दीदी ने उनका लॉकर देखा कि उनके लॉकर के बाहर दीमक लगी हुई थी। खोलकर नोटों के बंडल को देखा तो वो फंसा हुआ था। एक बैंककर्मी ने स्क्रू ड्राइवर की मदद से बंडल को निकाला। 15 हजार रुपए का 50 के नोट का एक बंडल पूरी तरह से खराब था। इसके अलावा एक थैली में 500-500 के नोट के बंडल थे। वो ऊपर से देखा तो ठीक लगा। इसके बाद हमने बैंक मैनेजर 15 हजार खराब होने को शिकायत की।

मधुमक्खी ने काटा तो खड़ा किया शहद का एम्पायर

भीलवाड़ा, 10 फरवरी (एजेंसियां)। नारायणन ने जीवन में सफलता और असफलता दोनों का स्वाद चखा, लेकिन कोशिश करना कभी बंद नहीं किया।

कोरोनाकाल में जब उनकी दो स्कूलों पर ताले लग गए तब भी हिम्मत नहीं हारी। मधुमक्खी ने हाथ पर काटा तो शहद के प्रोडक्शन का आइडिया आया।

इस आइडिया पर काम किया तो 2 साल में 30 हजार लीटर सालाना शहद के प्रोडक्शन किया। अब सालाना इनकम 10 लाख के करीब है।गर आपका दिमाग बिजनेस में चलता है, तो छोटा सा आइडिया आपकी जिंदगी बदल सकता है। यह कहना है भीलवाड़ा के युवा किसान और बिजनेसमैन एमपी नारायणन का।

भीलवाड़ा शहर से पूर्व में जहाजपुर रोड पर करीब 31 किलोमीटर चलने पर कोटड़ी कस्बा है। वहां से उत्तर में 5 किलोमीटर दूर है गांव- झाड़ोल।

इसी गांव के रहने वाले हैं मधुमक्खी पालक एमपी नारायणन। शहद के प्रोडक्शन के अलावा एमपी नारायणन (36) किसान बाजार के नाम से मुहिम भी चलाए हुए हैं। वह इलाके के किसानों को जोड़कर शुद्ध प्रोडक्ट तैयार करवाते हैं और फिर किसान मेलों में प्रोडक्ट की बिक्री करते हैं। इनमें उनका खुद का शहद का प्रोडक्ट भी होता है। इस कोशिश के लिए नारायणन का केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सम्मान भी कर चुके हैं।

एमपी नारायणन से हम मधुमक्खी पालन पर बात करने उनके गांव झाड़ोल पहुंचे थे। सबसे पहले उनके नाम को लेकर सवाल किया- क्या आप दक्षिण भारतीय हैं? इस पर उन्होंने कहा- नहीं, मैं ठेठ राजस्थानी हूं। पिता का नाम नारायण शर्मा है और मां का नाम कन्या शर्मा। पैतृक गांव झाड़ोल ही है।

उन्होंने बताया- मेरा असली नाम महावीर प्रसाद शर्मा है। फेसबुक आईडी बनाई तब गलती से महावीर प्रसाद शर्मा के स्थान पर एमपी नारायणन नाम से आईडी बन गई। उसे रहने दिया। इसके बाद इसी नाम से पहचान बन गई।

एमपी नारायणन ने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा गांव में ही ली। इसके बाद भीलवाड़ा से ग्रेजुएशन किया। भीलवाड़ा उद्योग नगरी भी है इसलिए ऑटो मोबाइल के क्षेत्र में टेक्निकल डिप्लोमा और आईटीआई किया। डिग्री डिप्लोमा लेकर काम की तलाश करते हुए मारुति सुजूकी और महेंद्रा कंपनी में कुछ वक्त नौकरी की।

फिर आरती से शादी हो गई। पत्नी ने बीएड किया है। बैकग्राउंड ठीक था इसलिए शादी के बाद आठवीं क्लास तक के दो प्राइवेट स्कूल शुरू किए।

भीलवाड़ा के महुआ और बिरधोल गांव में एमपी नारायणन के श्रीबालाजी निकेतन नाम से दो स्कूल थे। कोरोनाकाल से पहले ये स्कूल अच्छे चलते थे। महामारी के दौरान बंद हो गए।

भीलवाड़ा के महुआ और बिरधोल गांव में एमपी नारायणन के श्रीबालाजी निकेतन नाम से दो स्कूल थे। कोरोनाकाल से पहले ये स्कूल अच्छे चलते थे। महामारी के दौरान बंद हो गए।

कोरोनाकाल में बंद हो गए स्कूल

एमपी नारायण ने बताया कि सुवाणा ब्लॉक (भीलवाड़ा) के बड़ा महुआ गांव और कोटडी ब्लॉक (भीलवाड़ा) के बिरधोल गांव में श्रीबालाजी निकेतन नाम से स्कूल चल रहे थे। 500 से ज्यादा बच्चे पढ़ रहे थे।

संथारा लेने से पहले मासूम मां से बोला- रोना मत

अजमेर,10 फरवरी (एजेंसियां)। कैंसर से लड़ रहे एक मासूम ने गुरुवार रात को संथारा ले लिया। इसकी जानकारी मिलते ही लोग भावुक हो गए। संभवतः सबसे कम उम्र में संथारा लेने का यह पहला मामला है। मासूम के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों की आंखों में आंसू थे। सभी ने संथारा लेने वाले मासूम के मोक्ष की प्रार्थना की। दरअसल, अजमेर के रहने वाले भव्य चंगेरिया (11) बीते चार साल से ब्रेन ट्यूमर से जूझ रहे थे। गुरुवार को संथारा लेने से पहले भव्य ने अपनी मां से कहा कि - रोना मत हंसकर विदा देना। दोपहर करीब 1.30 बजे संथारा लेने के बाद भव्य ने रात करीब 8.15 बजे प्राण त्याग दिये। शुक्रवार सुबह साढे.नौ बजे उनके निवास से अंतिम यात्रा निकाली गई।

दो दिन में लॉरेंस के 47 गुर्गे गिरफ्तार, 300 चिह्नित

बीकानेर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। जिले में लॉरेंस गैंग की बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने विशेष कार्ययोजना तैयार की है, जिसके तहत लॉरेंस व उसके मुख्य गुर्गों को सोशल मीडिया पर फॉलोअप करने, उनकी पोस्ट को लाइक व शेयर करने वालों की धरपकड़ कर रही है। पुलिस अधीक्षक योगेश यादव ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर अमित कुमार बुड़ानिया को इसकी कमान सौंपी हैं। जिला पुलिस ने विशेष अभियान के तहत पिछले दो दिन में गैंग से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े 47 लोगों को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर बुड़ानिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर लॉरेंस व रोहित गोदारा व गैंग के अन्य सदस्यों को फॉलो करने वाले वाले 47 युवकों के खिलाफ 151 सीआरपीसी के तहत कार्रवाई की गई।

भाजपा सत्ता में आने के बाद तोड़ेगी गुंबद व नया सचिवालय : बंडी

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने शुक्रवार को घोषणा की कि अगर भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना में सत्ता में आती है, तो वह नवनिर्मित राज्य सचिवालय के गुंबदों को ध्वस्त कर देगी, जो निजामों की संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि "जनम गोसा-बीजेपी भरोसा" कार्यक्रम के तहत कुक्कटपल्ली विधानसभा क्षेत्र की सीमा के तहत ओल्ड बोइनपल्ली में पार्टी की नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए संजय ने कहा कि आगामी बीजेपी सरकार उन सभी प्रकार के ढांचों को मिटा देगी जो निजाम शासन की गुलामी के प्रतीक हैं।

अगर हम सत्ता में आते हैं, तो हम नवनिर्मित सचिवालय के गुंबदों सहित तेलंगाना में निजाम के सांस्कृतिक प्रतीकों को नष्ट कर देंगे। हम उपयुक्त बदलाव करेंगे जो भारतीय और तेलंगाना संस्कृति को दर्शाता है। संजय ने यह भी घोषणा की कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक बंगले प्रगति भवन को भी प्रजा दरबार में बदला जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि सरकार सड़कों के विस्तार के लिए बाधाओं का कारण बनने वाले पूजा स्थलों को ध्वस्त कर देगी, भाजपा अध्यक्ष ने केसीआर को चुनौती दी कि यदि वह पुराने शहर में सड़कों के बीच में बनी मस्जिदों को ध्वस्त कर सकते हैं। हैदराबाद का। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने कुकटपल्ली में गरीब लोगों की जमीनों पर कब्जा कर लिया था और जब बाद में विरोध दर्ज कराया गया, तो उन पर झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं। यह कहते हुए कि राज्य में हर जगह भाजपा को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, संजय ने कहा कि नुक्कड़ सभाओं का उद्देश्य लोगों को भारत राष्ट्र समिति के अराजक शासन और नरेंद्र मोदी सरकार की सफलता की कहानियों के बारे में बताना था। मुख्यमंत्री या तो फार्महाउस या प्रगति भवन तक ही सीमित हैं और लोगों के बारे में कम से कम परेशान हैं। अब तक, सरकारी कर्मचारियों को उनका वेतन नहीं मिला है और विकास पीछे छूट गया है। यह कहते हुए कि राज्य की 60 प्रतिशत आय हैदराबाद से आती है, भाजपा नेता ने मांग की कि राज्य सरकार यह बताए कि हैदराबाद के विकास पर कितना खर्च किया जाता है।

एक शाम श्री श्रीयादेमाता के नाम जागरण 12 को

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दम्माईगुडा स्थित श्री श्रीयादेमाता मंदिर मे श्री श्रीयादेमाता मंदिर ट्रस्ट प्रजापति समाज के तत्वावधान मे श्री श्रीयादेमाता का जागरण रविवार 12 फरवरी को सायं 7.15 बजे से आयोजित किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति मे मंत्री मदनलाल ब्रांदणा ने बताया कि समाज बन्धुओं के सान्निध्य में 12 फरवरी रविवार को सायं 7.15 बजे से जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमे राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायकार अशोक प्रजापत बालोतरा, परमेश्वरी प्रजापत जसौल एंड पार्टी माई के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। जागरण के मध्य रात्रि 11.15 बजे से दो दिवसीय 23 व 24 मई को आयोजित होने वाले 12 वाँ पाटोत्सव महोत्सव के लिए के लिए बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पधारे समाज बन्धुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय वायु सेना के सेना पदक (शौर्य) एयर कमोडोर पी महेश्वर ने विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वीएसके रेड्डी के साथ 'भारत में बाजार के रुझान के विशिष्ट संदर्भ में वैश्विक आर्थिक स्थिति' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। 10 और 11 फरवरी को मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद में संगोष्ठी 2 दिनों के लिए आयोजित की जा रही है। मुख्य अतिथि, एयर कमोडोर महेश्वर ने मुख्य रूप से भारत के नागरिकों के लिए उपयोगिता के स्रोत के रूप में 'आत्मनिर्भर भारत' पर ध्यान केंद्रित किया। अधिक तकनीकी स्टार्टअप लाने में एमएसएमई की भूमिका और भारतीय वायु सेना का हिस्सा बनने के बारे में छात्रों का मार्गदर्शन किया।

उन्होंने अर्थव्यवस्था के नए चालकों के बारे में भी बात की जो देश के विकास में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। कुलपति ने छात्रों को एनईपी 2020 के महत्व और कैरियर के विकास के लिए कुशल बनने के महत्व के बारे में संबोधित किया। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे प्रौद्योगिकी वैश्विक आर्थिक रुझानों का आधार बन रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रबंधन के छात्र आगामी विपणन प्रवृत्तियों के प्रकाश स्तंभ हैं। संगोष्ठी में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. एम. अंजनेयुलु, आईडीएएस, रजिस्ट्रार और डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, डॉ. डी. प्रमोद, डीन आर एंड डी, और संबंधित डीन और एचओडी शामिल थे। उद्घाटन के दौरान शिक्षक, छात्र और प्रतिनिधि मौजूद थे।

देबाशीष चट्टोपाध्याय ने आरईडी-साउथ के निदेशक का पद्भार संभाला

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देबाशीष चट्टोपाध्याय ने 10 फरवरी, 2023 को एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (आरईडी) के रूप में कार्यभार संभाला है। इससे पहले, चट्टोपाध्याय एनएसपीसीएल-मुख्यालय, नई दिल्ली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे।

एनआईटी दुर्गापुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, श्री चट्टोपाध्याय 1986 में एनटीपीसी में एक कार्यकारी प्रशिक्षु (ईटी) के रूप में शामिल हुए। उनके पास विद्युत संयंत्रों के संचालन और रखरखाव के क्षेत्रों में समृद्ध और विविध अनुभव है। उन्होंने छत्तीस वर्षों से अधिक के करियर में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया और एनटीपीसी की विभिन्न परियोजनाओं जैसे कोरबा, कहलगांव, एनएसपीसीएल-दुर्गापुर, एनएसपीसीएल-भिलाई और सिंगरौली में काम किया। अपने श्रेय के लिए, श्री चट्टोपाध्याय एनएसपीसीएल-भिलाई और सिंगरौली की परियोजना के प्रमुख थे। इससे पहले, उनके आगमन पर एनटीपीसी-एसआरएचक्यू के वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री चट्टोपाध्याय का स्वागत किया।

एफसीआरआई में शुरू हुआ वानिकी में पीएचडी कार्यक्रम

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फॉरेस्ट कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, (एफसीआरआई) मुलुगु ने वानिकी में कार्यक्रम में अपनी पीएचडी की लॉन्चिंग के साथ एक ऐतिहासिक क्षण देखा। कार्यक्रम का उद्घाटन कानून, बंदोबस्ती, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री अलोला इंद्रकरन रेड्डी द्वारा किया गया था।

लॉन्च एक महत्वपूर्ण अवसर था जिसमें आरएम डोबरियाल, पीसीसीएफ और एचओएफएफ, एमसी परगैन, पीसीसीएफ एफसीए, प्रियंका वर्गीस, ओएसडी टू सीएम और डीन एफसीआरआई मुलुगु, पी.श्रीनिवास राव, संयुक्त निदेशक, ए वेंकटेश्वरलू, डिप्टी निदेशक, एफसीआरआई और एफसीआरआई के संकाय डॉ. श्रीधर, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ रीजा, सहायक प्राध्यापक सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम छात्रों को उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा और अनुसंधान के अवसर प्रदान करने के लिए एफसीआरआई की प्रतिबद्धता का एक वसीयतनामा है। कार्यक्रम छात्रों को उनके अध्ययन के क्षेत्र में एक व्यापक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके क्षेत्र में ज्ञान की उन्नति में योगदान करने का अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पीएच.डी. ब्रोशर कार्यक्रम पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है, जिसमें प्रवेश आवश्यकताएँ, पाठ्यक्रम संरचना और छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान के अवसर शामिल हैं।

यह भावी छात्रों के लिए एक मूल्यवान संसाधन है और उन्हें उन रोमांचक अवसरों को समझने में मदद करेगा जो पीएचडी के हिस्से के रूप में उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। अपने संबोधन में मंत्री ने छात्रों को सर्वोत्तम संभव शिक्षा और अनुसंधान के अवसर प्रदान करने में एफसीआरआई के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने नवाचार और आर्थिक विकास को चलाने में अनुसंधान के महत्व पर भी जोर दिया और छात्रों को पीएचडी के माध्यम से उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। वानिकी में डॉक्टरेट कार्यक्रम अत्याधुनिक शोध के साथ हाथों-हाथ सीखने के संयोजन से वानिकी के जटिल और पुरस्कृत क्षेत्र में तल्लीन करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। पीएच.डी. वानिकी कार्यक्रम में चार विशेषज्ञताओं पर ध्यान देने की पेशकश की जाएगी। वन मंत्री ए. इंद्रकरन रेड्डी और डीन एफसीआरआई ने एफसीआरआई की स्थापना और इसके विकास के लिए समर्थन जारी रखने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को धन्यवाद दिया है।

केटीआर ने कपड़ा व हथकरघा पर जीएसटी पर मोदी सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कपड़ा और हथकरघा मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि जहां केंद्र सरकार बुनकरों के कल्याण से संबंधित सभी योजनाओं को समाप्त कर रही है, वहीं तेलंगाना सरकार हथकरघा बुनकरों की मदद के लिए विभिन्न प्रमुख कार्यक्रम शुरू कर रही है। शुक्रवार को यहां विधानसभा में राज्य के बजट की बहस में हिस्सा लेते हुए मंत्री केटी रामा राव ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी देश की आजादी के बाद से हथकरघा उत्पादों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाने वाले एकमात्र प्रधानमंत्री हैं और केंद्र सरकार की असंतुलित नीतियों ने देश के हथकरघा और कपड़ा उद्योग को बर्बाद कर दिया है।

हमने केंद्र सरकार को हथकरघा उत्पादों पर जीएसटी को समाप्त करने और बुनकरों के लिए सभी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने के लिए लाखों पत्र लिखे हैं, लेकिन व्यर्थ, केटीआर ने खेद व्यक्त किया। कपड़ा क्षेत्र के प्रति केंद्र सरकार की असंतुलित नीतियों को सूचीबद्ध करते हुए, मंत्री ने कहा कि केंद्र ने अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड को समाप्त कर दिया है और आठ कपड़ा अनुसंधान केंद्रों को कमजोर कर दिया है जो अखिल भारतीय पावरलूम बोर्ड के तहत काम करते हैं। इस बीच, केंद्र ने हैदराबाद से राष्ट्रीय हथकरघा बोर्ड और अखिल भारतीय जूट बोर्ड के कार्यालयों को हटा दिया था। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने सभी बीमा कवरेज योजनाओं को समाप्त कर दिया है।

छावनी परिषद की बैठक में हुई कई मुद्दों पर चर्चा

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी परिषद की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। पूरे बैठक में बंद सड़कों पर पेयजल का मामला छाया रहा। सब एरिया कमांडर आंध्रा-तेलंगाना व अध्यक्ष छावनी परिषद सोमाशंकर ने नवागत सीईओ मधुकर नाइक को शपथ ग्रहण कराकर बैठक की शुरूआत की। तीन माह के बाद होने वाली बैठक के दौरान जनरल अस्पताल बोलरम में मरीजों की देखभाल, सड़कों पर बने गढ्ढे, बच्चों के पार्क आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सीईओ नाइक ने बताया कि कोविड के कारण और बजट की कमी के कारण कार्य ठप्प है। कार्य कराने के प्रयास किए जा रहे है। नामित सदस्य रामाकृष्णा ने पेयजल का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम में पीने का पानी मुफ्त है। इसलिए छावनी परिषद में पेयजल मुफ्त होना चाहिए। सैन्य इलाके में बंद 6 सड़कों को लेकर काफी बहस हुई। इस मामले में रामाकृष्णा ने कहा कि कोर्ट में इस मुद्दे का समाधान निकाला जाएगा। इस मामले में सीईओ ने कहा कि रक्षा मंत्री के आदेश के अनुसार कार्य किया जा रहा है। बैठक में संयुक्त सीईओ विजय बालन, गोपालदास, बालकिशन आदि उपस्थित रहे। सांसद रेवंत रेड्डी, एमएलए सायन्ना ने बैठक में भाग लिया।

इमलीबन पार्क स्थित बंगारू मैसम्मा मंदिर में आचार्य सुखेंद्र शास्त्री महाराज के सान्निध्य में संपन्न हुई श्रीमद्भागवत कथा व श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में उत्तरभारती नगरिक संघ के चेयरमैन एनके सिंह दंपत्ति का सम्मान किये जाने का दृश्य। इस अवसर पर उपस्थित हैं मालतीदेवी, मनोहर सिंह, नंदकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह, संदीप सिंह व अन्य।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की संयुक्त एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के हैदराबाद कोटी, सैफाबाद तथा सिकंदराबाद क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें शहर में स्थित विविध शाखाओं के स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता विशेष अतिथि के रूप में केंद्रीय कार्यालय से पधारे राजभाषा विभाग के प्रमुख रामजीत सिंह ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए हिन्दी के महत्व पर अपनी बात रखी। हैदराबाद अंचल से राजभाषा प्रभारी श्री देवकांत पावर ने भी कार्यशाला को संबोधित किया तथा बैंक में राजभाषा की स्थिति पर अपनी बात रखी। क्षेत्रीय कार्यालय पंजगुट्टा से श्रीमती उपासना सिरसैया ने मंच संचालन तथा राजभाषा नीति नियम पर सत्र लिया। केंद्रीय कार्यालय उपभवन हैदराबाद में पदस्थ राजभाषा प्रभारी अंगेश कुमार ने बैंकिंग शब्दावली पर सत्र लिया, क्षेत्रीय कार्यालय कोटी में पदस्थ राजभाषा प्रभारी श्री कांबले ने सीआरएस तथा पुरस्कार योजना पर सत्र लिया, क्षेत्रीय कार्यालय सिकंदराबाद में पदस्थ राजभाषा प्रभारी सुश्री स्नेहा साव ने आंतरिक कामकाज में हिंदी तथा राभाकास पर सत्र लिया। क्षेत्रीय कार्यालय सैफाबाद में पदस्थ राजभाषा प्रभारी सुश्री स्नेहा सिंह ने हिंदी पत्राचार तथा पत्रिकाओं पर सत्र लिया। प्रतिभागियों के लिए प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई और पुरस्कार वितरण भी किया गया। तीनों कार्यालयों के क्षेत्र प्रमुखों का कार्यशाला हेतु पूरा सहयोग तथा मार्गदर्शन मिला।

स्पीकर ग्रीन इंडिया चैलेंज में शामिल हुए, लोगों से पेड़ लगाने का किया आग्रह

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने शुक्रवार को अपने जन्मदिन के मौके पर विधानसभा परिसर में पौधारोपण कर ग्रीन इंडिया चैलेंज में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, अध्यक्ष ने तेलंगाना में हरित कवरेज में सुधार के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू किए गए हरित हरम कार्यक्रम और राज्यसभा सदस्य संतोष कुमार द्वारा शुरू किए गए ग्रीन इंडिया चैलेंज की सराहना की और लोगों से पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ लगाने का आग्रह किया। सांसद संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस बीच, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, मंत्रियों, विधायकों और एमएलसी ने विधानसभा अध्यक्ष पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी से उनके कक्ष में मुलाकात की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने एक बार फिर राज्य सरकार की ओर से विधानसभा अध्यक्ष को जन्मदिन की बधाई दी और ईश्वर से उनके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की कामना की।

14 फरवरी को गाय को गले लगाने की अपील वापस

सरकारी एजेंसी ने की थी अपील, सोशल मीडिया पर उड़ रहा था मखौल

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया (एडब्ल्यूबीआई) ने 14 फरवरी को काउ हग डे मनाने की अपील वापस ले ली है। हालांकि बोर्ड ने कहा है कि गाय को गले लगाने के फायदे हैं। दरअसल ,14 फरवरी को वेलेंटाइन डे के रूप मनाया जाता है। इस दिन काउ हग डे मनाने की अपील के बाद से सोशल मीडिया पर लोग नाराजगी जता रहे थे, वहीं कुछ इस अपील का समर्थन कर रहे थे। सोशल मीडिया पर इस अपील को लेकर सैकड़ों मीम्स और जोक्स भी बने। 10 फरवरी को जारी एडब्ल्यूबीआई के आदेश में कहा गया है कि 14 फरवरी, 2023 को काउ हग डे मनाने के लिए भारत के पशु कल्याण बोर्ड की अपील मंत्रालय के निर्देश के बाद वापस ले ली गई है। हालांकि, इसकी वजह नहीं बताई गई है।

सोशल मीडिया पर आए मीम्स और जोक्स

14 फरवरी को काउ हग डे मनाने की अपील के बाद सोशल मीडिया पर लोग गाय के साथ फोटो डालने लगे। वहीं कुछ इस फैसले का मजाक बनाने में लगे थे। एक शख्स ने गाय के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस दिन को मनाते हैं, लेकिन उनका प्यार हमेशा अविश्वसनीय रहता है।' एक अन्य यूजर ने फोटो शेयर करते हुए लिखा है, 'काउ हग डे को 14 फरवरी को मनाना एक अच्छा विचार है, प्रेम का संदेश फैलाओ।' कुछ लोगों ने पुरानी फिल्मों के फोटो और पोस्टर पोस्ट कर कहा वैलेंटाइन डे पर गाय को किस तरह हग करें। वहीं कुछ ने कहा अब वैलेंटाइन डे भी मर्जी से नहीं मना सकते। गौरतलब है कि भारतीय पशु कल्याण बोर्ड ने एक नोटिस जारी कर लोगों से 14 फरवरी को "काउ हग डे' मनाने की अपील की थी। एनिमल वेलफेयर बोर्ड ने 6 फरवरी को जारी अपील पत्र में लिखा कि हम सब जानते हैं कि गाय भारतीय संस्कृति, हमारी लाइफ और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। हम गाय को मां की तरह व्यवहार के कारण कामधेनु और गौमाता कहते हैं। वेस्टर्न कल्चर और चकाचौंध के कारण वैदिक परंपराएं लगभग खत्म होने की कगार पर हैं। गाय के फायदों को देखते हुए, उसे गले लगाने से खुशी मिलेगी। भारतीय संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और जीवन में पॉजिटिविटी आएगी।

केसीआर को दिया गया समय खत्म : रेवंत

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर के लोगों द्वारा दिए गए अवसर का समय अब समाप्त हो गया है। यह कहते हुए कि राज्य बिजली संकट का सामना कर रहा है, उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर ने लंबे दावे किए थे कि उनकी सरकार कृषि क्षेत्र को 24 घंटे गुणवत्ता और बाधित बिजली प्रदान कर रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि बशीर बाग में बिजली संकट को लेकर राज्य के लोगों के विरोध के बाद टीडीपी राज्य सरकार गिर गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने निजी बिजली कंपनियों से ठेके देकर 50 फीसदी कमीशन के तौर पर ले लिया है। यह कहते हुए कि राज्य सरकार पर राज्य की बिजली वितरण कंपनियों का 20,000 रुपये बकाया है, रेड्डी ने कहा कि टीएस ट्रांसको और टीएस जेनको दोनों पर अब 60,000 करोड़ रुपये का कर्ज है और आरोप लगाया कि सीएम के पैसे के लालच के कारण तेलंगाना में ऐसा बिजली संकट है।

रेस लीडर फॉर्मूला ई रेस से पहले फ्री प्रैक्टिस 1 में क्रैश हो जाता है

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ई-फ़ॉर्मूला चैंपियनशिप लीडर पास्कल वेहरलीन, टैग ह्यूअर पोर्श ड्राइवर, शुक्रवार को हैदराबाद स्ट्रीट सर्किट, एनटीआर मार्ग पर हैदराबाद ई-प्रिक्समें फ्री प्रैक्टिस 1 में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दिरियाह में एक के बाद एक रेस जीतने वाले जर्मन रेसर ने 18 साल की उम्र में कार से नियंत्रण खो दिया और कार के आगे और पीछे दोनों को नुकसान पहुंचाते हुए दीवार से टकरा गए। हालांकि, चालक को बिना किसी चोट के कार से उतरते देखा गया। नि: शुल्क अभ्यास सत्र, जो शाम 4.30 बजे शुरू होना था, लेकिन मामूली घटनाओं के कारण 45 मिनट की देरी हुई। असैन्य वाहनों ने इंदिरा गांधी प्रतिमा मार्ग से रेसिंग ट्रैक पर घुसपैठ कर दी, जिससे आयोजक सदमे में आ गए।

कार के ट्रक से टकराने से चार लोगों की मौत

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, रंगारेड्डी जिले के महेश्वरम मंडल के तुममानुरु में शुक्रवार की तड़के एक कार के नियंत्रण से बाहर हो जाने और एक कंटेनर ट्रक से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान केशवुलु, श्रीनिवासुलु, यादैया और रामास्वामी के रूप में हुई है, जो सभी चालीस वर्ष के हैं और नागरकुर्नूल जिले के वेलदंडी के निवासी हैं। सूत्रों ने कहा कि हादसा उस समय हुआ जब वे नागरकुर्नूल से हैदराबाद जा रहे थे। मौके पर पहुंची महेश्वरम पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मामला दर्ज कर लिया गया और जांच की जा रही है।

ड्रेनेज नहर में युवक का शव मिला

करीमनगर, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीनिवास नाम का एक युवक शुक्रवार सुबह शंकरपट्टनम मंडल के चिंथलापल्ली में ड्रेनेज नहर में मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार डीजे साउंड सिस्टम चलाकर परिवार चलाने वाला श्रीनिवास गुरुवार को बाहर गया था और वापस नहीं लौटा। सुबह एससी कॉलोनी में नाले में उसका शव मिलने पर ग्रामीणों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

अधिकारियों ने पालकुर्ती मंदिर में विकास कार्यों को पूरा करने को कहा

जनगांव, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अपर समाहर्ता प्रफुल्ल देसाई ने शुक्रवार को पालकुर्ती 'श्री सोमेश्वर लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी' मंदिर में हो रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से महाशिवरात्रि पर्व से संबंधित कार्यों को पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, क्यू लाइन, स्ट्रीट लाइट, शौचालय, आंतरिक सड़कें, पेयजल, बागवानी, विकास और सौंदर्यीकरण के कार्य जल्द से जल्द पूरे किए जाएं।

30,463 एकड़ में हो रही ऑयल पॉम की खेती : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने आज कहा कि तेलंगाना में 30,463 एकड़ जमीन पर ताड़ के तेल की खेती की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने इस वर्ष राज्य की 62023 एकड़ भूमि में आयल पाम के पेड़ लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश में तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने तेल ताड़ की फसल की खेती में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की है। उन्होंने कहा कि तेल ताड़ के 19.32 प्रतिशत उत्पादन के साथ राज्य पूरे देश में पहले स्थान पर है। मंत्री ने ये टिप्पणी विधायक गांद्रा वेंकट रमना रेड्डी, बाल्का सुमन और गुव्वाला बलराजू द्वारा ऑयल पॉम की फसल की खेती पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए की। उन्होंने कहा कि वे उन सभी किसानों को ऑयल पॉम के पौधे, ड्रिप सिंचाई उपकरण और अन्य तकनीक सौंपेंगे।

बीआरएस ने रेवंत व बंडी के भड़काऊ बयानों की निंदा की

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायकों ने भड़काऊ बयान देने के लिए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय की जमकर आलोचना की और आरोप लगाया कि दोनों नेता अभद्र तरीके से बात कर रहे हैं ताकि राज्य के लोगों को उकसाया जा सके। जब टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने माओवादियों से मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के आधिकारिक बंगले प्रगति भवन को हथगोले से उड़ाने का आह्वान किया तो एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंदी संजय ने भी शुक्रवार को इसी तरह की टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर तेलंगाना में बीजेपी सत्ता में आई है, वह नवनिर्मित राज्य सचिवालय के गुंबदों को ध्वस्त कर देगी जो निज़ामों की संस्कृति को दर्शाते हैं। रेवंत रेड्डी और बंडी संजय दोनों के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, मंत्री निरंजन रेड्डी और बीआरएस विधायक, जिनमें गुवाला बलराजू, नन्नापनी नरेंद्र, पद्म देवेंद्र रेड्डी और जाजला सुरेंद्र शामिल हैं, ने कहा कि दोनों दलों के नेताओं ने लोगों और उच्च कमान के लोगों के बीच विश्वसनीयता खो दी है। संबंधित पार्टियों को उन्हें तुरंत अपने पद से हटा देना चाहिए। मंत्री ने डीजीपी अंजन कुमार से भड़काऊ बयान जारी करने और राज्य में अशांति पैदा करने के लिए रेवंत रेड्डी और बंदी संजय के खिलाफ मामला दर्ज करने का भी आग्रह किया।

नवनिर्मित राज्य सचिवालय के गुंबदों को एक इंजीनियरिंग चमत्कार करार देते हुए, मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट की इमारत और तेलंगाना राज्य विधानसभा भवन में ऐसे गुंबद थे।

टीम इंडिया को 144 की बढ़त, दूसरे दिन स्टंप्स तक स्कोर 321/7

रोहित का शतक

जडेजा-अक्षर की हॉफ सेंचुरी

जामथा (नागपुर), 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया पर 144 रन की बढ़त हासिल कर ली है। नागपुर के जामथा क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे 5 दिनी मुकाबले के दूसरे दिन शुक्रवार को टीम इंडिया ने पहली पारी में 7 विकेट पर 321 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 120 रनों का योगदान दिया। जबकि रवींद्र जडेजा 66 और अक्षर पटेल ने 52 रन के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। कंगारू टीम की ओर से डेब्यू मैच खेल रहे टॉड मर्फी ने 5 विकेट झटके। कप्तान पैट कमिंस और नॉथन लायन को एक-एक विकेट मिला। पहले दिन ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 177 रनों पर समाप्त हुई थी और टीम इंडिया ने एक विकेट पर 77 रन बनाए थे। ऐसे में रोहित और अश्विन ने भारतीय पारी को आगे बढ़ाया।

पहला : भारत ने 74 रन बनाने में दो विकेट गंवाए

दूसरे दिन का पहला सेशन भारत के नाम रहा। इस सेशन में 74 रन बनाने में दो विकेट गंवाए। रविचंद्रन अश्विन और चेतेश्वर पुजारा पवेलियन लौट गए। कंगारुओं को तीनों सफलताएं टॉड मर्फी ने दिलाईं।

दूसरा : कोहली-सूर्या आउट, रोहित की सेंचुरी

दिन के दूसरा सेशन में दोनों टीमों को मिलीजुली सफलता मिली। इसमें 75 रन बने। जबकि दो विकेट गिरे। मुकाबले की बात करें तो भारतीय टीम ने पहली पारी में कंगारुओं पर 49 रनों की बढ़त हासिल कर ली है, हालांकि कोहली और सूर्या के विकेट भी गंवाए। शतकवीर कप्तान रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा नाबाद पर हैं। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो चुकी है। कोहली 12 और सूर्या 8 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले पहले भारतीय

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 9वां टेस्ट शतक जमाया है। वे बतौर कप्तान तीनों फॉर्मेट में शतक जमाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने हैं। दुनिया भर के बल्लेबाजों की बात करें तो रोहित से पहले तिलकरत्ने दिलशान, फॉफ डुप्लेसी और बाबर आजम ऐसा कर चुके हैं।

तीसरा : जडेजा-अक्षर के नाम रहा

दिन का तीसरा सेशन भारत बल्लेबाजों के नाम रहा। इसमें भारत ने 95 रन बनाए। टीम को दो झटके भी लगे। दिन का खेल समाप्त होने तक रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर चुके थे। इस सेशन में कंगारू टीम की ओर से डेब्यू मैच खेल रहे टॉड मर्फी ने 5 विकेट लिए।

एक नजर में देखिए पहले दिन का खेल

5 दिनी मुकाबले का पहला दिन भारत के नाम रहा है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी के स्कोर 177 रनों के जवाब में एक विकेट पर 77 रन बना लिए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 56 और रविचंद्रन अश्विन शून्य रन से अपनी पारी आगे बढ़ाएंगे। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम 63.5 ओवरों में 177 रन पर ऑलआउट हो गई। रवींद्र जडेजा ने 5 और रविचंद्रन अश्विन ने 3 विकेट लिए। वहीं, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला। कंगारू टीम की ओर से मार्नस लाबुशेन ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 37, एलेक्स कैरी ने 36 और पीटर हैंड्सकॉम्ब ने 31 रन की पारी खेली। 177 रन के जवाब में भारत ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 77 रन बनाए। रोहित और अश्विन नाबाद रहे। वहीं, केएल राहुल 20 रन बनाकर टॉड मर्फी का शिकार हुए।

काम आई राहुल द्रविड़ की पिच स्ट्रैटजी

भारतीय खेमे ने इस मैच के लिए ऐसी पिच बनवाने की कोशिश की, जिस पर लेफ्ट हैंड बल्लेबाजों के लिए टिकना मुश्किल हो। लेफ्टी बैटर के ऑफ स्टंप के इलाके को ड्राय रखा गया था। इस स्ट्रैटजी का फायदा भी मिला। ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 में पांच लेफ्ट हैंडर शामिल थे। ये पांचों मिलकर सिर्फ 38 रन बना सके। हालत ऐसी रही कि पांच लेफ्टी मिलकर सिर्फ 47 गेंद खेल सके।

नागपुर टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को लगा तगड़ा झटका

वार्म-अप के समय मैट रेनशॉ के घुटने में लगी चोट

नागपुर, 10 फरवरी (एजेंसियां)। नागपुर टेस्ट के दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट रेनशॉ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन खेल शुरू होने से पहले वार्मअप करते समय अपना घुटना चोटिल कर बैठे और मैदान पर नहीं उतरे। मैट रेनशॉ को स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है। मैट रेनशॉ की जगह एश्टन एगर मैदान पर फील्डिंग करने उतरे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की ओर से मैट रेनशॉ की चोट से संबंधित एक संक्षिप्त बयान जारी किया। बयान में कहा गया है, रेनशॉ को दूसरे दिन के खेल से पहले वार्म-अप के दौरान घुटने में चोट लग गई। 26 साल के बल्लेबाज को शुक्रवार 10 फरवरी 2023 की सुबह वीसीए स्टेडियम से स्कैन कराने के लिए अस्पताल भेजा गया है। मैदान पर उनकी जगह एश्टन एगर ने ली।

इन 5 खिलाड़ियों को मिल सकती है सबसे ज्यादा कीमत

जानें लिस्ट में कौन-कौन शामिल

मुंबई, 10 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 13 फरवरी को महिला प्रीमियर लीग ऑक्शन आयोजित किया जाएगा. यहां 5 फ्रेंचाइजी कुल 409 खिलाड़ियों में से अपनी-अपनी स्क्वाड चुनेंगी. हर टीम के पास नीलामी पर्स में 12-12 करोड़ होंगे और ये टीमें अपनी स्क्वाड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 खिलाड़ी खरीद सकेंगी. इस नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत किन खिलाड़ियों को मिल सकती है,

एलिसा हिली

ऑस्ट्रेलिया की इस विकेटकीपर बल्लेबाज पर भी फ्रेंचाइजियों की खास नजर रहने वाली है. 32 वर्षीय इस खिलाड़ी का बल्लेबाजी औसत 23.46 और स्ट्राइक रेट 128 है. वह टी20 क्रिकेट में शतक भी जड़ चुकी हैं. ऑस्ट्रेलिया के लिए इन्होंने कई मौकों पर मैच विजेता पारी खेली है.

सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन एक जबरदस्त ऑलराउंडर हैं. बल्लेबाजी रैंकिंग में जहां वह चौथे पायदान पर हैं, वहीं ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में उन्हें तीसरा स्थान हासिल है. विदेशी खिलाड़ियों में इन्हें सबसे ज्यादा कीमत मिलने के आसार हैं.

1. स्मृति मंधाना

भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना पिछले कुछ सालों से टीम इंडिया की सबसे अहम खिलाड़ी रही हैं. उन्होंने कई मौकों पर अपनी शानदार पारियों से टीम को जीत दिलाई है. फिलहाल वह महिला बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग में तीसरे नंबर पर भी हैं. मंधाना एक जाना-पहचाना चेहरा है, ऐसे में वह जिस भी टीम में जाएंगी, उस टीम की फैन फॉलोइंग में भी जमकर बढ़ोतरी होनी है. ऐसे में स्मृति मंधाना डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में सबसे महंगी बिक सकती हैं.

दिप्ती शर्मा

भारतीय टीम की यह ऑलराउंडर फिलहाल महिला गेंदबाजों की टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में तीसरे और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में दूसरे पायदान पर है. ऐसे में इस शानदार ऑलराउंडर्स के लिए जमकर पैसा बरस सकता है.

शेफाली वर्मा

हाल ही में शेफाली वर्मा ने भारतीय अंडर-19 महिला टीम को टी20 वर्ल्ड कप जिताया है. महज 19 वर्षीय यह खिलाड़ी भारत की ओर से 51 टी 20 खेल चुकी हैं और 24.62 की औसत से 1231 रन बना चुकी हैं. शेफाली का स्ट्राइक रेट 134.53 रहा है. महिला बल्लेबाजों की टी 20 रैंकिंग में शफाली 8वें नंबर पर मौजूद हैं. निश्चित तौर पर उन्हें ऑक्शन में बड़ी कीमत मिलने वाली है.

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का जलवा बरकरार, 500 लीग गोल का आंकड़ा किया पार; एक ही मैच में दागे चार गोल

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है. रात को उन्होंने अपने लीग करियर में 500 गोल पूरे कर लिए. बता दें कि वह वर्तमान में सऊदी अरब की फुटबॉल लीग खेल रहे हैं. वह यहां के अल नासर फुटबॉल क्लब से जुड़े हुए हैं.गुरुवार रात को अल नासर का मुकाबला अल वहदा से था. यहां रोनाल्डो ने 21वें मिनट में अपने बाएं पैर से शानदार किक लगाते हुए गोल किया. यह उनके लीग करियर का 500वां गोल रहा. रोनाल्डो यहीं नहीं रूके. उन्होंने बैक टू बैक तीन गोल और दागे. क्रिस्टियानो रोनाल्डो के करियर की यह 61वीं हैट्रिक रही. अल नासर ने यह मुकाबला 4-0 से जीता.

संजय मांजरेकर से आखिर क्यों इतने नाराज हैं मुरली विजय

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के पूर्व क्रिकेटर मुरली विजय ने कुछ ही दिन पहले संन्यास की घोषणा की थी और अब उन्होंने एक ट्वीट किया है, जिसने भारतीय क्रिकेट जगत में एक नया विवाद पैदा कर दिया है. अब से कुछ देर पहले ही पूर्व भारतीय ओपनर मुरली विजय ने एक ट्वीट किया और संभवतः पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर पर कथित तौर एक नया आरोप लगाया है.

मुरली विजय ने अपने ट्वीट में लिखा कि, मुंबई के कुछ पूर्व खिलाड़ी कभी भी दक्षिण भारत के खिलाड़ियों की तारीफ नहीं कर सकते. अपने इस ट्वीट में इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई और संजय मांजरेकर को टैग किया है. इसके अलावा उन्होंने अपने ट्वीट में कुछ हैशटैग लिखे, जिसमें उन्होंने लिखा थोड़ा प्यार दिखाएं सभी के लिए अच्छा खेल

मुरली विजय की ट्वीट ने खड़ा किया विवाद

इस ट्वीट को करने के बाद ही ट्विटर पर बवाल मच गया और कुछ ही घंटों में यह ट्वीट वायरल भी हो चुका है. मुरली विजय के इस ट्वीट से साफ तो नहीं हुआ कि उन्होंने संजय मांजरेकर पर ही आरोप लगाए हैं या नहीं और ना ही उस बात का खुलासा हो पाया, जिसका जिक्र करते हुए उन्होंने ऐसा ट्वीट लिखा. हालांकि, उनके इस

ट्वीट का रिप्लाई करते हुए लोगों ने कमेंट में इस विवाद का जिक्र किया है. फैन्स ने एक आंकड़े का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर अटैच करते हुए लिखा कि, हां, जब यह आंकड़ा टीवी पर दिखाया गया तो संजय मांजरेकर ने मुरली विजय के लिए एक शब्द भी नहीं कहा, लेकिन रोहित शर्मा की लगातार तारीफ करते रहे. दरअसल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे नागपुर टेस्ट के दौरान टीवी पर दिखाए गए इस आंकड़े में घरेलू टेस्ट मैचों में भारत की तरफ से बेस्ट कनवर्जन रेट वाले खिलाड़ियों की बात हो रही थी. इस लिस्ट में सबसे ऊपर मुरली विजय का नाम था, जिनका कनवर्जन रेट 60% है. वहीं, रोहित का नाम चौथे नंबर पर मौजूद थे.

टीम इंडिया ने जडेजा पर लगे आरोपों के बाद

मैच रेफरी को दिया जवाब, बताया क्या था पूरा मामला

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नागपुर में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है. ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 177 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. इसके जवाब में भारतीय टीम पहली पारी खेल रही है. भारत के लिए रवींद्र जडेजा ने मैच के पहले दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके. इसके ठीक बाद जडेजा को लेकर विवाद शुरू हो गया. उन पर ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने बॉल टेम्परिंग का आरोप लगाया. टीम इंडिया ने इसको लेकर आईसीसी के मैच रेफरी को जवाब दे दिया है. नागपुर टेस्ट का पहला दिन खत्म होने के बाद जडेजा, कप्तान रोहित शर्मा और टीम मैनेजर ने वीडियो क्लीप देखी. इस वीडियो क्लीप में जडेजा अपने हाथ की उंगलियों पर कुछ लगाते हुए दिखाई दे रहे थी. इसी को लेकर दावा किया जा रहा था कि उन्होंने बॉल टेम्परिंग की कोशिश की है.

लेकिन वीडियो देखने के बाद यह क्लियर कर दिया गया कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं किया. क्रिकइंफो की एक खबर के मुताबिक टीम इंडिया ने आईसीसी के मैच रेफरी को जवाब दे दिया है. उन्होंने बताया कि जडेजा ने अपने हाथ की उंगलियों पर दर्द से राहत के लिए मरहम लगाया था. जडेजा को लेकर शुरू हुए विवाद को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया. इसके बाद कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने भी सवाल खड़े किए. सोशल मीडिया पर भी क्रिकेट फैंस की कई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं. गौरतलब है कि नागपुर टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम 177 रनों के स्कोर पर ऑल आउट हो गई. इस दौरान जडेजा ने 22 ओवरों में 47 रन देकर 5 विकेट झटके. उन्होंने 8 मेडन ओवर भी निकाले. रविचंद्रन अश्विन ने भी 3 विकेट झटके. जबकि मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला.

बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पूरी तरह बाहर

नई दिल्ली, 10 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी 2 मैचों से भी बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए बुमराह को थोड़ा और आराम देने का फैसला किया है। पीठ में इंजरी के कारण बुमराह पिछले 5 महीनों से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल सके हैं। द टेलीग्राफ के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में स्पिनर्स को ज्यादा मदद है। ऐसे में टीम इंडिया को तेज गेंदबाज बुमराह की उतनी ज्यादा कमी महसूस होते नजर नहीं आ रही है। उनकी गैरमौजूदगी में

मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी की कमान संभाले हुए हैं। टीम में इन 2 के अलावा उमेश यादव और जयदेव यादव के पेस बॉलिंग ऑप्शन भी मौजूद हैं। ऐसे में बीसीसीआई बुमराह को आराम देकर उन्हें आगे आने वाले मैचों के लिए पूरी तरह तैयार करने की स्ट्रैटजी अपना रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट खेलने वाले थे बुमराह

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 टेस्ट की सीरीज के लिए जसप्रीत बुमराह को भी टीम इंडिया के स्क्वॉड में शामिल किया था। लेकिन, सीरीज से पहले बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी ने उनके पूरी तरह फिट नहीं होने की रिपोर्ट दी। जिसके बाद बुमराह का नाम सीरीज से वापस ले लिया गया। आईपीएल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती 2 टेस्ट के लिए ही टीम जारी की थी। माना जा रहा था कि बुमराह सीरीज के आखिरी 2 टेस्ट में वापसी करेंगे। लेकिन, अब बुमराह पूरी सीरीज से बाहर हो गए।

वनडे सीरीज में करेंगे वापसी

जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी कर सकते हैं। भारत को टेस्ट सीरीज के बाद 17 मार्च से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3 वनडे भी खेलने हैं। वनडे सीरीज के बाद 2 महीनों का आईपीएल भी होगा। बुमराह लीग में मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं। अगर वे वनडे के लिए फिट हुए तो आईपीएल भी जरूर ही खेलेंगे।

फरवरी के अंत से वितरित किए जाएंगे पोडू भूमि के पट्टे : सीएम केसीआर

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने जानकारी दी है कि राज्य सरकार इस महीने के अंत से आदिवासियों को पोडू भूमि के पट्टों का वितरण शुरू करेगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम प्रधानों और स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक लिखित वचन पत्र लेने के बाद ही लाभार्थियों को पट्टे सौंपे जाएंगे कि वन भूमि का आगे कोई अतिक्रमण नहीं होगा।

शुक्रवार को यहां विधानसभा सत्र के दौरान प्रश्नकाल में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में कुल 66 लाख एकड़ वन भूमि में से लगभग 11.50 लाख एकड़ वन भूमि को आदिवासियों और भूमि के वितरण के लिए चिन्हित किया गया है। यह फरवरी माह के अंत से शुरू किया जाएगा।

विधानसभा सत्र में भाग लेने के लिए पहुंचने पर सीएम कसीआर का स्वागत करते हुए विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी व अन्य।

राज्य सरकार ने भविष्य में आदिवासियों को वन भूमि के वितरण की प्रथा को समाप्त करने का निर्णय लिया है और इस संबंध में एक कार्य योजना तैयार की है। चिन्हित 11.50 लाख एकड़ जमीन के वितरण के बाद वन भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, पोडू भूमि के पट्टे ग्राम प्रधान, स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में लाभार्थियों से एक वचन पत्र लेने के बाद वितरित किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वन भूमि को और नष्ट नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि भविष्य में यदि कोई फिर से वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश करता है, तो सरकार वितरित की गई भूमि को लाभार्थी से वापस ले लेगी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करेगी।

हम वन भूमि के किसी भी अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर आदिवासी दावा करते हैं कि वन भूमि उनका अधिकार है और भविष्य में कोई वन भूमि नहीं बचेगी, उन्होंने कहा, कुछ नेता राजनीतिक मुद्दों को बनाने की कोशिश कर रहे थे और छत्तीसगढ़ के लोगों को वन भूमि में मुद्दा बनाने के लिए लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि लाभार्थियों को पोडू भूमि के पट्टों के वितरण के बाद, सरकार उन भूमियों को तीन चरण की बिजली आपूर्ति, रायथु बंधु और सिंचाई सुविधा प्रदान करेगी। पोडू भूमि के मुद्दे पर आदिवासियों को गुमराह करने के लिए कुछ राजनीतिक दलों को गलत ठहराते हुए, मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि खम्मम में आदिवासियों द्वारा एक वन अधिकारी पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया और मार डाला गया।

केसीआर ने कहा कि हम भविष्य में इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करेंगे। यदि वन भूमि की रक्षा नहीं की गई, तो पृथ्वी पर कोई हरियाली नहीं होगी और पूरा पारिस्थितिकी तंत्र अस्त-व्यस्त हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि पुलिस और वन अधिकारियों को भी कानून के अनुसार और मानवीय आधार पर काम करना होगा और कहा कि उन्हें आदिवासियों पर हमला नहीं करना चाहिए और उन पर प्रतिक्रिया नहीं करनी चाहिए।

कालेश्वरम की बदौलत करीमनगर में तेजी से बढ़ी धान की खेती

करीमनगर, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता, 24 घंटे बिजली की आपूर्ति और राज्य सरकार द्वारा फसल की समय पर खरीदी ने इस साल जिले के अधिकांश किसानों को फसल विविधीकरण और वैकल्पिक फसलों में बदलाव के सथ धान की खेती करने के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप, जिले में मौजूदा यासंगी सीजन में 9,000 एकड़ में धान की बुवाई हुई है। इस सीजन में 2.55 लाख एकड़ में धान बोया गया है, जबकि पिछले साल 2.46 लाख एकड़ में धान बोया गया था। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले पखवाड़े में रकबे में वृद्धि 10,000 एकड़ को पार करने की संभावना है क्योंकि फसल की बुवाई अभी भी जारी है।

धान के रकबे में इस तेज वृद्धि के लिए अनुकूल परिस्थितियों का हवाला दिया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के पूरा होने के बाद से सभी सिंचाई परियोजनाओं में साल भर पानी भरा रहा है, उन्होंने कहा कि टैंकों, तालाबों और अन्य जल निकायों को भरने के अलावा, नहरों के माध्यम से कृषि क्षेत्रों में भी पानी की आपूर्ति की जा रही है। हालांकि, तना छेदक कीट का हमला एक चिंता का विषय था, किसान अभी भी धान की खेती से दूर नहीं जा रहे थे, उन्होंने कहा, उन्होंने कहा कि यह राज्य सरकार द्वारा धान खरीदने से केंद्र के इनकार का हवाला देते हुए, किसानों से वैकल्पिक फसलों के लिए जाने की अपील के बावजूद भी था।

आखिरी यासंगी सीजन। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस बार ऐसा कोई बयान जारी नहीं कर रही है और हर गांव में धान खरीद केंद्र स्थापित कर एक-एक दाना खरीद रही है, जिससे किसान उत्साहित हैं और उत्साह से धान की खेती कर रहे हैं। जिला कृषि अधिकारी वासिरेड्डी श्रीधर ने कहा कि पर्याप्त पानी की उपलब्धता, 24 घंटे बिजली की आपूर्ति और राज्य सरकार द्वारा फसल की खरीद किसानों को धान के लिए प्रोत्साहित कर रही है। फसल बुकिंग के माध्यम से विभिन्न फसलों का विवरण दर्ज किया जा रहा है। यह कहते हुए कि रिकॉर्डिंग प्रक्रिया का 95 प्रतिशत पूरा हो गया था, उन्होंने कहा कि शेष पांच प्रतिशत विस्तृत किया जा रहा था क्योंकि किसान धान की फिर से बुवाई कर रहे थे जहां फसल स्टेम बोरर कीटों से संक्रमित थी। उन्होंने कहा कि यह बहुत जल्द पूरा हो जाएगा।

आंध्र सरकार ने की शिवरामकृष्णन पैनल की सिफारिशों को लागू करने की मांग

नई दिल्ली, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालयमें एक रिट याचिका दायर की जिसमें राज्य के विभाजन के परिणामस्वरूप आंध्र प्रदेश के लिए नई राजधानी की पहचान करने पर शिवरामकृष्णन समिति की सिफारिशों को लागू करने की मांग की गई। तीन राजधानियों के मामले में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने पहले शीर्ष अदालत में एक विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर की है।

शिवरामकृष्णन समिति का गठन केंद्र सरकार (गृह मंत्रालय) द्वारा विभाजन के मद्देनजर आंध्र प्रदेश राज्य के लिए एक नई राजधानी के विकल्पों का अध्ययन करने के लिए किया गया था, जिसने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, लेकिन तत्कालीन तेदेपा सरकार द्वारा इसे स्पष्ट रूप से अनदेखा कर दिया गया था। समिति ने विकास के विकेंद्रीकरण का समर्थन किया था।

उत्पीड़न के आरोप के बाद संतोषनगर इंस्पेक्टर मुख्यालय से अटैच

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संतोषनगर इंस्पेक्टर टी. वाम्शी कृष्ण राव को शुक्रवार को एक महिला सब-इंस्पेक्टर को परेशान करने के आरोपों के बाद सिटी आर्म्ड रिजर्व मुख्यालय से अटैच कर दिया गया। शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने इस संबंध में एक ज्ञापन जारी किया और आरोपों की जांच के आदेश भी दिए और वरिष्ठ अधिकारियों को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। पूर्व में भी इंस्पेक्टर के खिलाफ इसी तरह की शिकायतों की जांच वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं।

केसीआर सरकार ने मुस्लिम कोटा घटाकर 3% किया, बजट घटाया : शब्बीर

कामारेड्डी, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 4% मुस्लिम आरक्षण लाने के लिए कामारेड्डी शहर में विकास नगर कॉलोनी की वाहिदिया मस्जिद समिति के सदस्यों द्वारा शुक्रवार की नमाज के बाद सम्मानित किया गया। वाहिदिया मस्जिद कमेटी के सदस्यों ने उन्हें मुस्लिम आरक्षण का चैंपियन बताते हुए उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि 4% मुस्लिम कोटा ने तेलंगाना और आंध्र दोनों तेलुगु राज्यों में लाखों गरीब मुसलमानों के जीवन को बदल दिया क्योंकि उन्हें 2004-05 से सभी शैक्षणिक संस्थानों में 4% सीटें और सभी सरकारी नौकरियों में 4% कोटा मिल रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए शब्बीर अली ने कहा कि अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से 4% मुस्लिम आरक्षण के लाभार्थियों को अगले चुनाव में कांग्रेस पार्टी का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 12% मुस्लिम आरक्षण के वादे पर सत्ता में आए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मुस्लिम कोटा को 3% कम करके अल्पसंख्यक समुदाय को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार ने अवैध रूप से नौकरियों और शिक्षा में बीसी-ई श्रेणी में मुसलमानों के लिए कोटा घटाकर 3% कर दिया है और यह अनौपचारिक रूप से किया जा रहा है। शब्बीर अली ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने न केवल मुसलमानों को 4% आरक्षण दिया बल्कि अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू कीं। हालांकि, उन्होंने कहा कि टीआरएस सरकार केवल अल्पसंख्यकों के कल्याण के बारे में प्रचार कर रही है, लेकिन कुछ नहीं कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार ने अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े सभी संस्थानों को फंड मंजूर नहीं करके और खाली पदों को न भरकर निष्क्रिय कर दिया है।

उन्होंने कहा कि मुसलमानों को यह महसूस करना चाहिए कि केसीआर ने धर्मनिरपेक्षता का झूठा मुखौटा पहनकर अल्पसंख्यकों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि टीआरएस ने हमेशा केंद्र में भाजपा सरकार का समर्थन किया है और अप्रत्यक्ष रूप से तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुंचाकर राज्य में भाजपा को मजबूत किया है। उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी जल्द ही इन तथ्यों को लोगों के सामने लाने के लिए एक अभियान शुरू करेगी। शब्बीर अली ने कहा कि तेलंगाना में अल्पसंख्यक समुदाय के करीब 10-12 लाख युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक युवाओं को पिछले आठ वर्षों में बीआरएस सरकार से एक रुपये की सहायता या ऋण नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हम सब्सिडी वाले कर्ज और अन्य सुविधाओं के लिए टीआरएस सरकार पर दबाव बनाने के लिए इन बेरोजगार युवाओं के साथ एक आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि अल्पसंख्यक अपने पूजा स्थलों, वक्फ संपत्तियों और उर्दू भाषा की रक्षा करना चाहते हैं और कमजोर वर्गों के लिए आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहते है।

नए राशन कार्ड प्रदान करने पर विचार करेगी सरकार : गंगुला

हैदराबाद, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही गरीबों को नए राशन कार्ड प्रदान करने पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किए गए 53 लाख राशन कार्डों के अलावा 35 लाख राशन कार्ड जारी किए हैं। विधानसभा में नागरिक आपूर्ति और पिछड़ा वर्ग कल्याण पर चर्चा का जवाब देते हुए, मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने लगभग 1.9 करोड़ लोगों को गरीब माना है और राशन प्रदान कर रही है, राज्य सरकार के राशन कार्ड लगभग 95 लाख लोगों को कवर करते हैं। इसके अलावा, केंद्र प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल 3 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से आपूर्ति करता है। हालाँकि, राज्य सरकार ने इसे और अधिक सब्सिडी दी है और सभी 88 लाख राशन कार्ड धारकों के लिए प्रति व्यक्ति 6 किलोग्राम चावल केवल 1 रुपये प्रति किलोग्राम की आपूर्ति की है। कमलाकर ने घोषणा की कि सभी 281 ईसा पूर्व के कल्याणकारी आवासीय शिक्षण संस्थानों में डिजिटल क्लासरूम शुरू किए गए है।

आंध्र सीएम जगन ने गरीब लड़कियों की शादी के लिए जारी किया फंड

अमरावती, 10 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अक्टूबर-दिसंबर 2022 के दौरान शादी करने वाली 4,536 योग्य लड़कियों को लाभान्वित करने के लिए शुक्रवार को वाईएसआर कल्याणमस्थु और वाईएसआर शादी तोहफा के लिए 38.18 करोड़ रुपये जारी किए। राशि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों, विकलांगों और निर्माण श्रमिकों के लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे जमा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को यहां वर्चुअल तरीके से एक क्लिक पर राशि जमा करते हुए कहा कि बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल विवाह रोकने, स्कूलों में नामांकन अनुपात बढ़ाने और ड्रापआउट दर कम करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। सरकार का दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा सबसे बड़ी संपत्ति है जो हम अपने बच्चों को दे सकते हैं, उन्होंने दोहराया, यह कहते हुए कि योजना से लाभान्वित होने के लिए दुल्हन और दूल्हे को कक्षा 10 पास होना चाहिए, यह पात्रता शर्त कमजोर वर्गों के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए लगाई गई थी। शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए। अफगान-अमेरिकी उपन्यासकार खालिद हुसैनी द्वारा लिखित उपन्यास 'ए थाउजेंड स्प्लेंडिड सन्स' का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि शादी रुक सकती है, लेकिन शिक्षा नहीं, क्योंकि अगर महिलाएं अशिक्षित हैं तो समाज के सफल होने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि अगली तिमाही से राशि योग्य लड़कियों की माताओं के बैंक खातों में जमा की जाएगी, उन्होंने कहा कि इससे माताएं अपनी बेटियों को स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित होंगी।

उन्होंने कहा कि जहां लाभार्थी टीडीपी शासन के दौरान निराश थे, जिसने 2018 से 17,709 लाभार्थियों को 68.68 करोड़ रुपये का भुगतान करने में विफल रहने के बाद वित्तीय सहायता योजना को वापस ले लिया था, वाईएसआरसीपी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ वाईएसआर कल्याणमस्तु और वाईएसआर शादी तोहफा को लागू कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.